www.astrosage.com

2020 स्पेशल

एस्ट्रोसेज पत्रिका

स्टॉक मार्केट 2020

सितारों के आईने में 2020 के 20 सितारे

अंक राशिफल 2020

शनि गोचर 2020 क्या गुल खिलाएगा?

जनवरी, 2020 (वर्ष-1, अंक 4) बीटा

• चर्चित चेहरे • राशिफल • बसंत पंचमी • सेलेब्रिटी स्पीक • शुभ मुहूर्त • हृदय रेखा का महत्व • गणेश मंत्र • जनवरी की बड़ी फिल्में

ज्योतिषियों के काम की सबसे बड़ी बात

एस्ट्रोसेज प्लैटिनम प्लान

₹999

अभी सब्सक्राइब करें

इसमें आपको मिलेगा

(1) 200 से अधिक पृष्ठों की विस्तृत रंगीन कुंडली

(2) कुंडली के हर पृष्ठ पर आपका नाम और संपर्क पता

(3) क्लाउड और डिवाइस पर सहेजें असीमित कुंडलियाँ

(4) व्यक्तिगत नोट्स और टिप्पणियाँ लिखें

अभी ऑर्डर करें और पायें सभी झंझटों से मुक्ति !

***Offer on 'App' only**

Galaxy AstroSage
No. 1 Astrology Retail Chain

एस्ट्रोसेज पत्रिका

जनवरी, 2020 वर्ष :1 अंक :4

प्रधान सम्पादक
पुनीत पाण्डे

सहायक सम्पादक	-	मृगांक शर्मा
सलाहकार सम्पादक	-	पीयूष पाण्डे
डिजाइनर	-	शान्तनु निगम कोमल सक्सेना
संयोजक	-	विजय पाठक रवि ठाकुर लीशा चौहान
मार्केटिंग प्रमुख	-	हरीश नेगी विशाल भारद्वाज

सम्पादक से पत्राचार हेतु पता:

सम्पादक, एस्ट्रोसेज पत्रिका

A -139, सैक्टर 63, नोएडा - 201307.(India)
Phone : +91 9560670006
Mail : info@astrosage.com
Website : www.astrosage.com

संपादकीय

मित्रों,

सर्वप्रथम नववर्ष की आपको हार्दिक शुभकामनाएं। नया साल आपके जीवन में आर्थिक प्रगति, बेहतर स्वास्थ्य और मानसिक शांति लेकर आए, यही कामना। एस्ट्रोसेज पत्रिका का जनवरी अंक आपके हाथ में है और मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हर अंक पिछले अंक से अधिक पढ़ा गया। अधिक डाउनलोड हुआ। मुझे उम्मीद है कि यह अंक एक लाख से अधिक डाउनलोड होगा। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो एस्ट्रोसेज पत्रिका देश की सबसे अधिक पढ़ी जाने वाली ज्योतिषीय पत्रिका है क्योंकि किसी दूसरी ज्योतिषीय पत्रिका का इतना सर्कुलेशन नहीं है। इस अंक में हमने देश की उन 20 नामचीन हस्तियों की कुंडली का अध्ययन किया है, जिन पर 2020 में सबकी नज़र रहेंगी। शनि का अहम गोचर इसी माह है तो उसके विस्तृत प्रभाव पर आलेख है। शेयर बाजार 2020 में किस चाल चलेगा, इसकी भविष्यवाणी है। इसके अलावा कई अहम ज्योतिषीय, धार्मिक और आध्यात्मिक आलेख हैं,जो आपको रुचिकर लगेंगे। मुझे आपकी प्रतिक्रियाओं का इंतजार रहेगा क्योंकि तभी हम इस ई-पत्रिका को बेहतर बना सकेंगे। **हमारा ई-मेल पता है-**

magazine@ojassoft.com

आपका

पुनीत पाण्डे (प्रधान सम्पादक)

विषय सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
1. 2020 में देश की चर्चित हस्तियों का भविष्य	01
2. शुक्र का कुंभ में गोचर करेगा धमाल	11
3. स्फटिक की माला से हर समस्या का होगा हल	15
4. मकर संक्राति	17
5. जहाँ करते हैं भगवान हनुमान भक्तों को हैरान	20
6. शनि गोचर 2020 प्रभाव, राशिफल एवं उपाय	23
7. 2020 में कामयाबी के अचूक उपाय	28
8. 2020 में किस करवट बैठेगा शेयर बाजार	32
9. सूर्य का मकर राशि में गोचर	33
10. अंको के आइने में आपका भविष्य	37
11. नौकरी में उन्नति के ज्योतिषीय उपाय	44
12. आपको मिल रहे हैं ये संकेत तो आपकी कुंडली में हैं पितृ-दोष	49
13. *एक जिज्ञासु की प्रश्नावली*	52
14. हृदय रेखा का महत्व और इसके द्वारा प्रकट होने वाले परिवर्तन	55
15. जनवरी 2020 मासिक राशिफल	57
16. केरल के इस अनोखे मंदिर में दूध चढ़ाने पर उसका रंग सफ़ेद से हो जाता है नीला	61
17. राशिफल 2020: नए साल का लेखा जोखा	63
18. फिल्म समीक्षा: तानाजी और छपाक	66
19. अलग-अलग पद्धतियों से जाने साल 2020 में आपके लिए क्या है खास	70
20. शरीर के अलग-अलग अंगो पर तिल का मतलब	73
21. 2020 के मुख्य शुभ मुहूर्त	78
22. स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं अरोमा थेरेपी	81
23. बसंत पंचमी	83
24. मिथ नहीं है एस्ट्रोलॉजी : RJ लकी	85
25. ज्योतिष सीखें भाग-4	87

2020 में देश की चर्चित हस्तियों का भविष्य

एस्ट्रोगुरु मृगांक

नया साल आ चुका है और सभी के मन में कुछ नई उम्मीदें जगी हैं। आज अपने इस खास आर्टिकल में हम कुछ खास शख्सियतों के बारे में बात करेंगे और उनकी कुंडली पर आधारित इस लेख में हम यह जानने का प्रयास करेंगे कि किस सेलिब्रिटी के लिए यह साल काफी बढ़िया रहेगा और किसे इस साल संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए हमने कुछ चुनिंदा शख्सियतों की जानकारी जुटाने का प्रयास किया और उन्हें संकलित कर आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। हम आशा करते हैं कि यह भविष्यफल इन सभी शख्सियतों के लिए अच्छी खबर लेकर आये और अपने लोकप्रिय सितारों के बारे में जान कर आपको भी संतुष्टि मिले।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

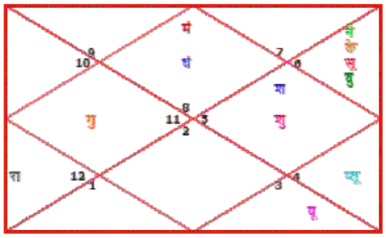

नरेंद्र मोदी (17-9-1950, 11:00, मेहसाणा)

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की कुंडली में इस पूरे वर्ष चंद्रमा की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा चलेगी। चंद्रमा नवम भाव का स्वामी होकर लग्न में मंगल के साथ राज योग बना रहा है और शुक्र ग्रह सप्तम और द्वादश का स्वामी होकर दशम भाव में है। इन दोनों की दशा के दौरान ऐसी संभावना है कि उन्हें अच्छे परिणाम मिलेंगे। उनकी सरकार को मजबूती मिलेगी और व्यक्तिगत रूप से उनके निर्णयों को प्रशंसा प्राप्त होगी। महिलाओं के संदर्भ में वह कई नई घोषणायें कर सकते हैं या कोई ऐसा कदम उठा सकते हैं, जिससे उन्हें महिलाओं का साथ सहयोग और प्रशंसा प्राप्त हो। मुख्य तौर पर देखा जाए तो वर्ष 2020 उनके लिए बेहतर साबित होगा और छोटी-मोटी चुनौतियों के बावजूद उनकी छवि विश्व पटल पर अपनी एक नयी चमक बिखेरेगी।

राहुल गांधी

राहुल गाँधी (19-6-1970, 14:28, नई दिल्ली)

वर्ष 2020 में राहुल गांधी राहु की महादशा और राहु की अंतर्दशा के प्रभाव में रहेंगे। राहु ग्रह इनकी कुंडली में पंचम भाव में कुंभ राशि में विराजमान है। इस राशि का स्वामी शनि सप्तम भाव में नीच अवस्था में बैठा है तथा राहु पर देव गुरु बृहस्पति की पंचम दृष्टि भी है। राहु अपने ही नक्षत्र में है, जो बताता है कि इनकी बुद्धि काफी तीव्र गति से कार्य करेगी और यह ऐसी अनेक योजनाएं बनाएँगी, जो वर्तमान

सरकार के लिए बड़ी मुश्किलें पैदा करेगी। एक विपक्ष पार्टी के नेता के रूप में यह अपनी उपस्थिति बेहतर तरीके से दर्ज कराएँगे, लेकिन शनि क्योंकि दिग्बली होने के साथ नीच अवस्था में भी है, अतः इन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ेगा और इनकी पब्लिक इमेज में गिरावट भी हो सकती है। इन्हें विशेष रूप से इस बात पर ध्यान देना होगा और यदि इन्हें अपनी पार्टी को ऊपर लेकर जाना है तो उसके लिए इन्हें ज़मीनी तौर पर कुछ बड़े कदम उठाने पड़ेंगे। पार्टी के अंदर कलह का सामना भी इन्हें करना पड़ेगा और कुछ अपने लोगों की नाराज़गी भी इन्हें परेशान कर सकती है, लेकिन इनकी कुछ बातें और नारे पब्लिक में लाइमलाइट में भी आ सकते हैं। वर्ष 2020 इनके लिए थोड़ा अच्छा और थोड़ा बुरा रहने वाला है।

अमिताभ बच्चन

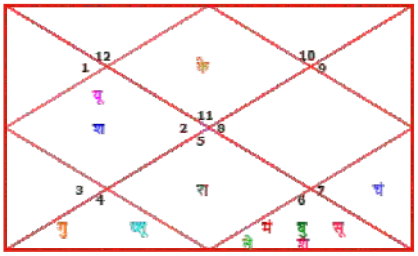

अमिताभ बच्चन
{11 अक्टूबर 1942; सायंकाल 4:00 बजे; इलाहाबाद (प्रयागराज)}

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन जी वर्ष 2020 में शुक्र की महादशा और चंद्रमा की अंतर्दशा के प्रभाव में रहेंगे, जो कि 19 जनवरी तक रहेगी और उसके बाद मंगल की अंतर्दशा अपना प्रभाव दिखाएगी। शुक्र इनकी कुंडली में नीच भंग राजयोग का निर्माण कर रहा है और इनके लिए योग कारक भी है, तो वहीं चंद्रमा इन के छठे भाव का स्वामी होकर नवम भाव में है और मंगल जो कि इनके तृतीय और दशम भाव का स्वामी होकर अष्टम भाव में बुध सूर्य और शुक्र के साथ विराजमान होने के कारण मंगल की दशा में इनको स्वास्थ्य कष्ट परेशान कर सकते हैं। निश्चित तौर पर जनवरी का महीना इनके लिए ठीक-ठाक रहेगा, लेकिन उसके बाद जैसे ही मंगल का अंतर शुरू होगा। इन्हें शारीरिक रूप से चुनौतियाँ आने लगेंगी। वैसे भी ये अभी कुछ दिनों पहले अपने एक ब्लॉग में अपनी रिटायरमेंट का जिक्र कर चुके हैं। संभावना है यह इस विषय में बहुत ध्यान से विचार करेंगे और कुछ समय के लिए किसी बड़े प्रोजेक्ट से दूर रहेंगे।

विराट कोहली

विराट कोहली

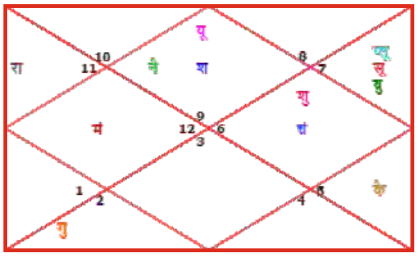

(5-11-1988; 10:28; दिल्ली)

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को वर्ष 2020 के दौरान राहु की महादशा और बुध की अंतर्दशा के प्रभाव में 12 सितंबर तक रहना होगा और उसके बाद केतु की अंतर्दशा प्रारंभ हो जाएगी। आपकी कुंडली में राहु तीसरे भाव में कुंभ राशि में विराजमान है और उस पर शनि की दृष्टि भी है तथा शनि लग्न में विराजमान है। बुध ग्रह भी कुंडली के सातवें और दसवें भाव का स्वामी होकर

एकादश भाव में विराजमान है। इनसे यह पता लगता है कि सितंबर तक इनका समय काफी अच्छा रहेगा और अभी और इस साल कुछ और नायाब रिकॉर्ड बनायेंगे, जिनको लंबे समय तक याद रखा जाएगा। रनों के मामले में भी ये औरों को काफी पीछे छोड़ देंगे, लेकिन जब केतु की अंतर दशा शुरु होगी, तब इनकी गति में थोड़ा विराम लग सकता है और उस दौरान थोड़ा सा अपने परफॉर्मेंस पर ध्यान देना जरुरी होगा, स्वास्थ्य और परिवार में व्यस्तता बढ़ेगी।

दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण
(5-1-1986; 02:39; कोपेनहेगेन)

बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री और ऐक्टर रणवीर सिंह की पत्नी दीपिका पादुकोण वर्ष 2020 के दौरान शनि की महादशा और शनि की अंतर्दशा से गुजरेंगी। शनि इनकी कुंडली में चतुर्थ और पंचम भाव का स्वामी होकर योगकारक बना हुआ है और द्वितीय भाव में उपस्थित है, जो यह दर्शाता है कि यह साल इनके लिए मेहनत से भरा रहेगा। अर्थात इनके पास काम की कमी नहीं होगी और इनकी आर्थिक स्थिति और भी मजबूत बनेगी। यानि कि इनकी कोई ना कोई फिल्म अवश्य ही हिट होगी, जो इन्हें नाम भी दिलवायेगी और अच्छी इनकम भी। वर्ष की शुरुआत में इनकी फिल्म छपाक आने वाली है, जो संभवतः अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब होगी। ऐसी संभावना भी है कि इस साल इन्हें कोई बड़ा अवार्ड भी मिले।

सलमान खान

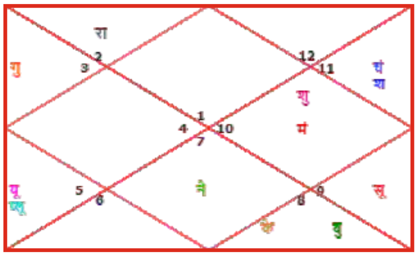

सलमान खान
(27-12-1965; 14:30; इंदौर)

मशहूर बॉलीवुड फिल्म अभिनेता सलमान खान वर्ष 2020 के दौरान शनि की महादशा और गुरु की अंतर्दशा से गुज़र रहे हैं, जो कि इनका दशा छिद्र है और आने वाली दशा बुध की होगी। शनि इनकी कुंडली में दशम और एकादश भाव का स्वामी होकर एकादश भाव में चंद्रमा के साथ विराजमान है और देव गुरु बृहस्पति कुंडली के नवम और एक द्वादश भाव के स्वामी होकर तीसरे भाव में विराजमान हैं तथा वहां से एकादश भाव में बैठे दशमेश शनि और चतुर्थेश चंद्रमा को देखते हैं और एक प्रकार का बड़ा राजयोग निर्माण कर रहे हैं। इनकी स्थिति इस साल भी काफी अच्छी रहने वाली है और पैसे के मामले में इनकी फिल्म काफी आगे रहेगी। 2020 इनके लिए काफी अच्छे परिणाम देगा, लेकिन एक बात ध्यान देने योग्य है कि इस साल इनका अपना कोई निर्णय इन को हानि

पहुंचा सकता है, इसलिए इन्हें सोच समझ कर चलना होगा। ग़ौरतलब है कि इस साल 24 जनवरी से इनकी साढ़ेसाती शुरू हो रही है, जो कि इनके जन्मकालीन शुक्र और मंगल पर होगी और जिसकी वजह से मानसिक तनाव काफी रहेगा और खर्चे भी इतने होंगे कि इन्हें सोचना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त इस दौरान इन्हें विशेष रूप से कानून के विरुद्ध जाकर कोई कार्य करने से बचना चाहिए, अन्यथा कष्ट उठाना पड़ सकता है।

आलिया भट्ट

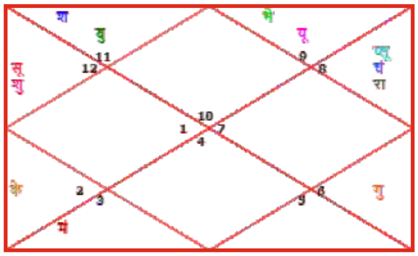

आलिया भट्ट
(15-3-1993, 4:10; मुंबई)

भारतीय फिल्म जगत की नवोदित एवं मशहूर फिल्म अभिनेत्री आलिया भट्ट वर्ष 2020 के दौरान शुक्र की महादशा और बुध की अंतर्दशा से गुजरेंगी। शुक्र इनकी कुंडली में पंचम और दशम भाव का स्वामी होकर तीसरे भाव में सूर्य के साथ विराजमान है और प्रबल योग कारक है तथा देव गुरु बृहस्पति की दृष्टि भी उस पर है। वहीं बुध इन की कुंडली के छठे और नए भाव का स्वामी होकर दूसरे भाव में लग्नेश शनि के साथ विराजमान है। इस प्रकार राजयोग का निर्माण कर रहा है शुक्र और बुध इस कुंडली के लिए बहुत अनुकूल है और कहा जा सकता है कि इनके नाम और शोहरत में बढ़ोतरी होगी। ये संभवत: इस वर्ष अपनी फिल्म को लेकर काफी चर्चा में रहेंगी और इसके बाद हो सकता है कि अपनी फ़ीस बढ़ाने का ऐलान कर दें। कई फिल्म अवार्डों में इनका जलवा देखने को मिलेगा और दर्शकों के बीच भरपूर प्रेम और उत्साह देखने को मिलेगा। विवाह बंधन में बँधने के योग भी शुरू हो चुके हैं।

शाहरुख खान

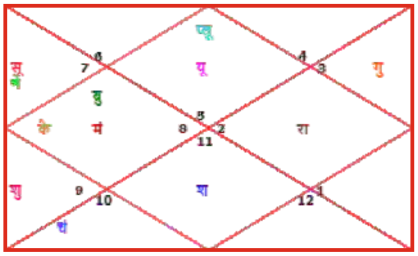

शाहरुख खान
(2-11-1965; 02:30;दिल्ली)

बाजीगर और दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे जैसी मशहूर फिल्मों से बॉलीवुड में अपनी अमिट पहचान बनाने वाले रोमांटिक एक्टर शाहरुख खान इस साल 2020 के दौरान शनि की महादशा और चंद्रमा की अंतर्दशा से गुजरेंगे, जो कि 9 सितंबर 2020 तक चलेगी और उसके बाद शनि में मंगल की अंतर्दशा प्रारंभ होगी। शनि इनकी कुंडली में छठे और सातवें भाव का स्वामी होकर बली अवस्था में सातवें भाव में विराजमान है और चंद्रमा बारहवें भाव का स्वामी होकर छठे भाव में विपरीत राजयोग का निर्माण कर रहा है। वहीं शनि ने भी उनकी कुंडली में शश नामक पंच महापुरुष योग बना रखा है तथा मंगल चतुर्थ भाव में अपनी ही राशि वृश्चिक में होने से रुचक नामक पंच महापुरुष योग बनाता है और बुध तथा केतु के साथ होने

तथा शनि और मंगल की परस्पर दृष्टि होने से इन दोनों ही योगों में थोड़ी कमी आई है, फिर भी इसका फल तो मिलेगा ही। शनि में चंद्रमा की दशा अधिक अनुकूल परिणाम देने वाली नहीं दिखाई दे रही और वैसे भी मकर राशि होने से इनकी साढ़ेसाती का दूसरा चरण चल रहा है, जिसमें इन्हें आंशिक तौर पर लाभ होगा, लेकिन खर्चों में बढ़ोतरी और मानसिक तनाव से जूझना पड़ सकता है। संभव है कि वर्ष 2020 के अंतिम भाग में इन्हें कुछ अच्छे समाचार मिलें और यदि यदि ये साल के अंतिम महीनों में अपनी कोई फिल्म लेकर आते हैं, तो उसमें आंशिक तौर पर इन्हें सफलता मिल सकती है।

मुकेश अम्बानी

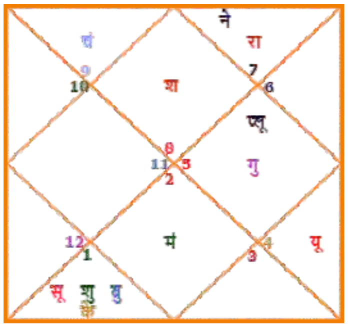

मुकेश अम्बानी (19.04.1957; 19:53; अदन बेरेक)

भारत के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी वर्ष 2020 के दौरान बृहस्पति की महादशा और बृहस्पति की अंतर्दशा से गुजरेंगे। बृहस्पति इनकी कुंडली के लिए दूसरे और पांचवे भाव का स्वामी है तथा दशम भाव में सिंह राशि में विराजमान है और इस पर मंगल और शनि की दृष्टि भी है। यह बृहस्पति सूर्य के नक्षत्र उत्तरा फाल्गुनी में है, जो कि दशम भाव का स्वामी है और छठे भाव में उच्च राशि मेष में शुक्र बुध और केतु के साथ विराजमान है। ऐसी स्थिति में यह निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि अपनी योजनाओं का अंजाम देने के लिए यह अधिक दिल खोलकर खर्च करेंगे। हालांकि इनका यह खर्च इनके लिए नए अवसरों को जन्म देगा और यह बेहतर प्रदर्शन करेंगे। ऐसी भी संभावना है कि इनकी कंपनी इस साल किसी नए प्रोजेक्ट में हाथ आजमाये और किसी बड़ी कंपनी के साथ साझेदारी भी करे। स्वास्थ्य पर इन्हें ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है।

उद्धव ठाकरे

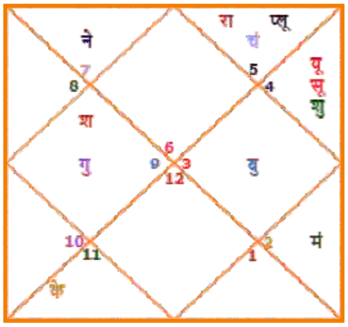

उद्धव ठाकरे (27-07-1960; 10:14; मुंबई)

महाराष्ट्र के चर्चित और नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे वर्ष 2020 के दौरान बृहस्पति की महादशा और केतु की अंतर्दशा के प्रभाव में नवंबर तक रहेंगे और उसके बाद शुक्र की अंतर्दशा प्रारंभ हो जाएगी। देव गुरु बृहस्पति इन की राशि में चौथे और सातवें भाव के स्वामी होकर चौथे भाव में शनि के साथ विराजमान हैं और इस पर मंगल और बुध की दृष्टि भी है तथा केतु कुंभ राशि में विराजमान है, जिसका राशि स्वामी शनि चतुर्थ भाव में है। केतु और बृहस्पति के बीच नक्षत्र परिवर्तन योग भी है और शुक्र इन की कुंडली के लिए भाग्य स्थान नवम और धन अर्थात दूसरे भाव का स्वामी होकर एकादश भाव में सूर्य के साथ विराजमान है। इन स्थितियों में यह कहा जा सकता है कि नवंबर तक का समय इनके लिए थोड़ा

परेशानी वाला हो सकता है और इन्हें इस दौरान अपने विरोधियों का सामना करना पड़ेगा। कुछ अपने भी विरुद्ध जा सकते हैं, जिससे इन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान इन्हें अपनी सरकार को बचाने के हर संभव प्रयास करने पड़ेंगे। हालांकि शुक्र की दशा आने के बाद स्थिति काफी हद तक इनके पक्ष में आ जाएगी।

अरविन्द केजरीवाल

अरविन्द केजरीवाल
(16-8-1968; 00:30; सिवानी)

दिल्ली के वर्तमान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वर्ष 2020 के दौरान गुरु की महादशा और शुक्र की अंतर्दशा से गुजरेंगे, जो कि अक्टूबर 2020 तक चलेगी और उसके बाद गुरु की महादशा में सूर्य की अंतर्दशा प्रारंभ होगी। गुरु बृहस्पति इनकी कुंडली में अष्टम और एकादश भाव का स्वामी होकर चतुर्थ भाव में शुक्र और बुध के साथ विराजमान है तथा शुक्र कुंडली का लग्नेश और छठे भाव का स्वामी है। बृहस्पति की दशा में शुक्र का यह अंतर कुछ समस्याओं को जन्म देगा और विशेष रूप से दिल्ली में महिलाओं को दी गई विशेष सुविधाओं का इन्हें लाभ मिलेगा। सूर्य जोकि इनकी कुंडली में चतुर्थ भाव का स्वामी होकर तृतीय भाव में मंगल के साथ विराजमान है। इनके साहस और पराक्रम को बढ़ाएगा। यदि इनकी दशा के साथ-साथ गोचर पर विचार किया जाए तो शनि का गोचर इनके लिए काफी महत्वपूर्ण साबित होगा, जो कि 24 जनवरी को होगा और दिल्ली में विधानसभा चुनाव भी होने वाले हैं। इनकी कोई गुप्त रणनीति इनके बहुत काम आएगी। हालांकि कुछ जगह इन्हें उलटफेर का शिकार होना पड़ेगा लेकिन कुछ जगह इनका प्रदर्शन पहले से भी बेहतर रहेगा। इनके लिए सबसे बड़ी चुनौती होगा अपने ही लोगों को पार्टी में बनाए रखना और यदि ऐसा कर पाने में सफल रहे तो इनकी कुर्सी भी बच सकती है, लेकिन जो वर्तमान स्थितियां हैं, उनको देखते हुए किसी बड़े उलटफेर से इनकार नहीं किया जा सकता है।

अमित शाह

अमित शाह
(22-10-1964; 5:25; मुंबई)

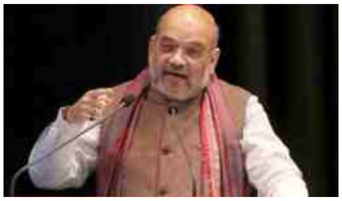

वर्तमान समय में भारतीय राजनीति के चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह वर्ष 2020 के दौरान 4 नवंबर तक राहु की महादशा में चंद्रमा की अंतर्दशा से प्रभावित रहेंगे और उसके बाद इनकी मंगल की अंतर्दशा प्रारंभ होगी। राहु इनकी कुंडली में मिथुन राशि में दशम भाव में मजबूत स्थिति में विराजमान है, जो इन्हें एक सफल कूटनीतिज्ञ बनाता है और राहु अधिष्ठित राशि का स्वामी बुध सूर्य के

साथ द्वितीय भाव में विराजमान है, जिस पर चंद्रमा और मंगल की दृष्टि भी है। चंद्रमा इनकी कुंडली में एकादश भाव का स्वामी होकर अष्टम भाव में विराजमान है, जिस पर बुध, सूर्य और शनि की दृष्टियां भी हैं। राहु की महादशा ने इनको एक सफल कूटनीतिज्ञ के रूप में स्थापित किया है और यह कूटनीति इनकी इस साल भी देखने को मिलेगी, लेकिन चंद्रमा की स्थिति देखने से लगता है कि इन्हें स्वास्थ्य परेशानियां घेर सकती हैं, जिसके प्रति उन्हें थोड़ा सावधान रहना होगा। इसके अतिरिक्त एकादश भाव में नीच का मंगल इन्हें परिस्थितियों से लड़ने वाला बनाएगा। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो यह अपने काम को बखूबी अंजाम दे पाएंगे, लेकिन इन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना चाहिए और साथ ही साथ इस साल यह किसी ऐसी स्थिति का निर्माण कर सकते हैं, जो इनके विरोधियों को चारों खाने चित करा दें, क्योंकि चंद्रमा और मंगल में राशि परिवर्तन योग भी है। महिलाओं के प्रति दुर्व्यवहार को रोकने के लिए यह कोई सख्त कदम उठा सकते हैं और कोई कठिन घोषणा भी कर सकते हैं, जिसके लिए इन्हें विरोध का सामना भी करना होगा।

आयुष्मान ख़ुराना

आयुष्मान खुराना
(14-9-1984; 12:00; चंडीगढ़)

एक के बाद एक लगातार हिट फिल्में देने वाले आयुष्मान ख़ुराना वर्ष 2020 में चंद्रमा की महादशा और शुक्र की अंतर्दशा के प्रभाव में होंगे। चंद्रमा इनकी कुंडली में नवम भाव का स्वामी होकर छठे भाव में विराजमान है और उस पर शनि तथा बृहस्पति की पूर्ण दृष्टि है और शुक्र इनकी कुंडली में सप्तम और द्वादश का स्वामी होकर एकादश भाव में विराजमान है। प्रयोगधर्मी सिनेमा में इन्हें वर्ष 2020 बहुत अच्छे परिणाम देगा और ऐसी कहानियां, जिनमें महिलाओं पर फोकस अधिक हो, इन्हें बेहतर सफलता दिलाएंगी। ऐसी संभावना भी है कि इस साल इनका नाम किसी के साथ जुड़ता हुआ सुनाई दे, लेकिन मुख्य रूप से यह साल इनके लिए काफी बेहतर परिणाम लेकर आएगा और इनकी छवि और मजबूत होगी। इनकी फिल्मों को क्रिटिक्स से भी काफी सराहना प्राप्त होगी।

रोहित शर्मा

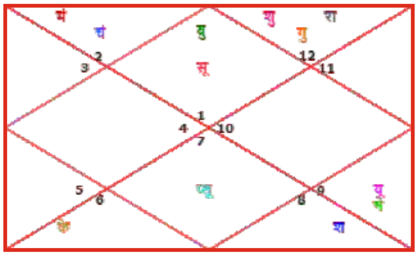

रोहित शर्मा
(30-4-1987; 06:00; नागपुर)

भारतीय क्रिकेटर जो रिकार्डो का अंबार लगाकर कप्तान विराट कोहली के साथ बराबर के दर्जे पर खड़े हैं, वर्ष 2020 में राहु की महादशा और सूर्य की अंतर्दशा से 20 जुलाई 2020 तक प्रभावित रहेंगे और उसके बाद चंद्रमा की

अंतर्दशा प्रारंभ होगी, जो वर्ष पर्यंत चलती रहेगी। राहु इन की कुंडली में द्वादश स्थान में शुक्र और गुरु के साथ मीन राशि में स्थित है तथा सूर्य इनकी कुंडली में पंचम भाव का स्वामी होकर लग्न में उच्च राशि मेष में बुध के साथ अवस्थित है। राहु में सूर्य की दशा आमतौर पर अनुकूल नहीं मानी जाती लेकिन यही सूर्य, जिस की अंतर्दशा चल रही है, एकादश भाव में 7 बिंदुओं के साथ अष्टक वर्ग में सबसे शक्तिशाली प्रभाव दिखा रहा है। इसके बाद आने वाली अन्तरदशा उच्च के चंद्रमा की होगी। वह भी एकादश भाव में 6 अंकों के साथ अष्टक वर्ग में अधिक अंक दे रहा है। यह दोनों ही स्थितियां उनके करियर को और भी बुलंदियों पर पहुंचाएंगी और ये विराट कोहली को पीछे भी छोड़ सकते हैं। हालांकि इस दौरान इन्हें अपने स्वास्थ्य पर ध्यान रखना होगा और किसी भी ऐसी कंट्रोवर्सी से बचने का प्रयास करना होगा, जो इनके करियर के लिए परेशानी का कारण बन सके। इन्हें अपनी फिटनेस पर फोकस करना चाहिए, खेल इनका बेहतर ही रहेगा।

कपिल शर्मा

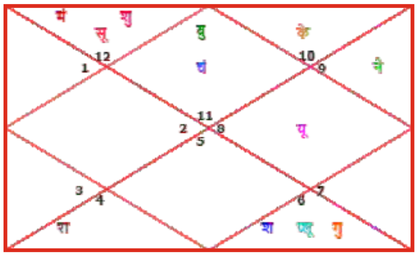

कपिल शर्मा
(2-4-1981; 4:30; अमृतसर)

जाने-माने कॉमेडियन कपिल शर्मा, जो फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का परिचय दे चुके हैं, वर्ष 2020 के दौरान शनि की महादशा में शुक्र की अंतर्दशा से गुजरेंगे। शनि इनकी कुंडली में लग्नेश और द्वादशेश होकर अष्टम भाव में गुरु के साथ विराजमान हैं और मंगल, सूर्य और शुक्र की दृष्टि उन पर है तथा शुक्र इन की कुंडली के लिए प्रबल योगकारक होकर द्वितीय भाव में उच्च राशि में विराजमान हैं। साल की शुरुआत में ही 24 जनवरी से इनकी साढ़ेसाती भी शुरु होने वाली है। हालांकि यह समय थोड़ा सा मानसिक रूप से इन्हें तनाव दे सकता है, लेकिन क्योंकि लग्नेश और योगकारक ग्रह की दशा मिलेगी, इसलिए इनके लिए आने वाला साल उम्मीदों से भरा रहेगा और जहां एक ओर इन्हें प्रबल धन लाभ होगा, वहीं कॉमेडी शो में भी इनका प्रदर्शन लाजवाब रहेगा। ऐसी भी संभावना है कि इन्हें शीघ्र ही कोई नया ऑफर मिले, जो इन्हें बहुत अधिक फ़ायदेमंद साबित हो। स्वास्थ्य के मामले में साल थोड़ा कमजोर रहेगा और इन पर संभव है, कुछ आरोप भी लग सकते हैं, इसलिए इन्हें थोड़ा सतर्क भी रहना चाहिए।

अर्नब गोस्वामी

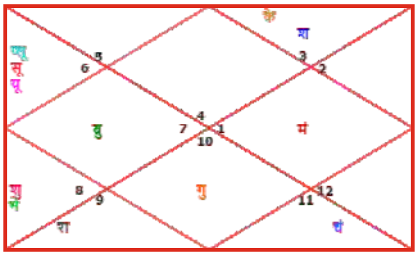

अर्नब गोस्वामी
(9-10-1973, 00:00; गुवाहाटी)

मशहूर टीवी जर्नलिस्ट अर्नब गोस्वामी वर्ष 2020 के दौरान शनि की महादशा और गुरु की अंतर्दशा से गुजरेंगे, जो कि

इनका दशा छिद्र है। आगे आने वाली महादशा बुध की होगी। शनि इनकी कुंडली में सप्तम और अष्टम भाव का स्वामी होकर द्वादश भाव में केतु के साथ विराजमान है और देव गुरु बृहस्पति छठे और नवें भाव के स्वामी होकर सप्तम भाव में नीच राशि मकर में विराजमान है, जहां से लग्न को पूर्ण दृष्टि से देखते हैं। गौरतलब है कि 24 जनवरी से इनकी साढ़ेसाती का भी प्रारंभ हो रहा है। इस प्रकार इनका मानसिक तनाव तो बढ़ेगा ही बढ़ेगा, खर्चे भी अधिक होंगे। इनके किसी कंट्रोवर्सी में फंसने की संभावना भी दिखाई दे रही है। हालांकि विशेष रुप से जुलाई से नवंबर तक का समय इनके लिए अधिक अनुकूल दिखाई नहीं दे रहा है और इस दौरान इन्हें किसी भी प्रकार की समस्या में फँसने से बचना चाहिए। एक जर्नलिस्ट के रूप में इनकी बात सुर्खियाँ बटोरेगी, लेकिन इन्हें थोड़ा क्रिटिसिजम भी अवश्य मिलेगा। इसलिए इन्हें इन चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सौरव गांगुली

सौरव गांगुली
(8-7-1972, 01:00; कोलकाता)

भूतपूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान में बीसीसीआई के अध्यक्ष पद को सुशोभित करने वाले

सौरव गांगुली वर्ष 2020 में गुरु की महादशा और राहु की अंतर्दशा से प्रभावित रहेंगे, जो कि नवंबर 2019 से ही शुरू हुई है। यह इनका दशा छिद्र है और आने वाली दशा शनि की होगी। गुरु इनकी कुंडली में वक्री होकर नवम भाव में अपनी ही राशि धनु में विराजमान हैं और राहु दशम भाव में मकर राशि में सूर्य के नक्षत्र में विराजमान है तथा राहु द्वारा अधिष्ठित राशि का स्वामी शनि द्वितीय भाव में शुक्र और चंद्रमा के साथ विराजमान है। लग्न पर बृहस्पति की पूर्ण दृष्टि है, इसलिए बृहस्पति इन के लिए काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आने वाले समय में 24 जनवरी से शनि का गोचर इनकी चंद्र राशि से नवम भाव में होगा, जिसकी वजह से ये अनेक प्रकार के ऐसे निर्णय लेंगे, जो थोड़े कठिन होंगे और संभवतः कुछ लोगों द्वारा इनकी आलोचना भी की जाएगी, लेकिन इनके लिए आने वाला वर्ष काफी मेहनत से भरा रहेगा। निःसंदेह इनकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी, लेकिन थोड़ा चुनौतीपूर्ण समय अवश्य है, जिसमें इन्हें अपनी मेहनत और लगन से काम करना होगा, तभी जाकर यह बीसीसीआई को एक नए मुकाम पर स्थापित कर पाएंगे।

अक्षय कुमार

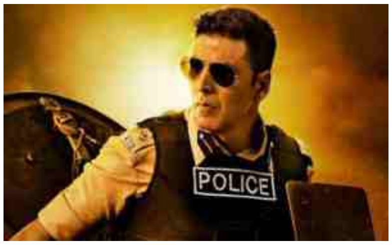

भारतीय सिने जगत के चर्चित सितारे अक्षय कुमार का जन्म 9 सितंबर 1967 को अमृतसर में हुआ था और इनका मूलांक 9 है। वर्ष 2020 इनके लिए उतार-चढ़ाव से भरा साल रहने वाला है। इन्हें इस वर्ष अति आत्मविश्वास का शिकार होने से बचना होगा। हालांकि सामाजिक सरोकार के कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और इस साल देश हित में कोई अच्छा काम अवश्य करेंगे, जैसा इन्होंने पूर्व में भी किया

है। इनके कुछ खास लोगों से झगड़ा होने की संभावना रहेगी, इसलिए इनको अपनी स्थिति पर काबू रखना चाहिए। इनकी ऊर्जा का स्तर बहुत ऊंचा रहेगा और इससे इन्हें काफी चमत्कारी परिणाम साल 2020 में मिल सकते हैं।

आनंद महिंद्रा

महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन और मुंबई के जाने-माने व्यवसायी आनंद महिंद्रा का जन्म 1 मई 1955 को मुंबई में हुआ और इनका मूलांक 1 है। साल 2020 इनके लिए चमत्कारिक रुप से उत्कृष्टता प्रदान करने वाला साबित होगा और इस साल ना केवल इन्हें अप्रत्याशित लाभ होगा बल्कि इनकी छवि भी पहले के मुकाबले बहुत तेजी से ऊपर जाएगी। यदि पारिवारिक तनाव को थोड़ा नियंत्रण में रख पाएंगे, तो इस साल कुछ जबरदस्त लाभ प्राप्त करने के अवसर इन्हें मिलेंगे और वर्ष 2020 इन के लिए बेहतरीन सालों में से एक साबित होगा। यदि इस साल के मध्य में कोई नई गाड़ी लाँच करते हैं, तो उसकी सफल होने की संभावना काफी अधिक रहेगी।

कुमार मंगलम बिड़ला

जाने-माने उद्योगपति और आदित्य बिड़ला ग्रुप के अध्यक्ष कुमार मंगलम बिड़ला का जन्म 14 जून 1967 को हुआ था। इनका मूलांक 5 है। साल 2020 में इन्हें विशेष रूप से मोबाइल क्षेत्र में कुछ लाभ होगा और जो समस्या का दौर अभी चल रहा है, उससे बाहर निकल कर आइडिया सेल्यूलर काफी अच्छा प्रदर्शन कर पाने में कामयाब होगी। केवल इतना ही नहीं अल्ट्राटेक सीमेंट को भी इस साल पूर्व के मुकाबले अच्छा लाभ होने की संभावना रहेगी। हालांकि अन्य क्षेत्रों में इनकी स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है, फिर भी इन्हें कोई अच्छा सम्मान इस वर्ष मिलने की पूरी संभावना है।

शुक्र का कुंभ में गोचर करेगा धमाल- 9 जनवरी, 2020

शुक्र ग्रह का गोचर एक प्रमुख घटना है और सभी ग्रहों की भांति शुक्र भी एक महत्वपूर्ण ग्रह है। यह जीवन में सभी प्रकार के सुखों का द्योतक है और यही वजह है कि, शुक्र का गोचर व्यक्ति के जीवन में अनेक शुभ घटनाओं की दस्तक लाता है। वास्तव में शुक्र एक ऐसा ग्रह है जो नैसर्गिक रूप से शुभ माना जाता है और आमतौर पर शुभ प्रभाव ही देता है जब तक की कुंडली में इसकी स्थिति अत्यधिक प्रतिकूल ना हो। शुक्र ग्रह को दैत्य गुरु शुक्राचार्य के रूप में भी जाना जाता है और ज्योतिष ग्रंथों में शुक्र ग्रह को काफी अधिक मान्यता दी गई है। यदि आपको जीवन में सुख चाहिए तो आपको शुक्र की कृपा अवश्य ही प्राप्त करनी होगी अन्यथा आप परेशान रह सकते हैं।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार नैसर्गिक रूप से शुभ ग्रह कहा जाने वाला शुक्र भौतिक सुखों का प्रदाता ग्रह है। यही शुक्र दांपत्य जीवन में ख़ुशियाँ भर देता है और यही आपके जीवन में सभी प्रकार के सुख साधनों की वृद्धि भी करता है। शुक्र को स्त्री तत्व प्रधान ग्रह कहा जाता है और यही वजह है कि शुक्र से प्रभावित जातक देखने में आकर्षक होते हैं और लोग उनकी तरफ खिंचे चले आते हैं। यह स्त्रियोचित गुण भी प्रदान करता है और अभिनय कला आदि के क्षेत्र में जबरदस्त सफलता प्रदान करवाता है। यदि शिक्षा के क्षेत्र में शुक्र का संबंध बन रहा हो तो व्यक्ति बुद्धिमान और ज्ञानी बनता है और उसकी गणना अच्छे लोगों में होती है।

ज्योतिष के क्षेत्र में वृषभ और तुला राशि का स्वामी शुक्र माना जाता है, वहीं तुला इसकी मूल त्रिकोण राशि भी होती है। कन्या राशि में शुक्र नीच अवस्था में तथा मीन राशि में उच्च अवस्था में होता है।

गोचर काल का समय

सभी लोगों को ख़ुशियां देने वाला यही शुक्र ग्रह 9 जनवरी, बृहस्पतिवार की सुबह 04:14 बजे मकर राशि से निकलकर अपने मित्र शनि के स्वामित्व वाली कुम्भ राशि में प्रवेश करेगा। वैदिक ज्योतिष की मानें तो किसी भी राशि में शुक्र के गोचर की अवधि काफी महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि इससे जीवन में ख़ुशियों की लहर दौड़ जाती है और शुभ कार्य संपन्न होते हैं। कुम्भ राशि में गोचर की इस अवधि में शुक्र के राशि परिवर्तन का प्रभाव कुम्भ के अतिरिक्त अन्य राशियों पर भी देखने को मिलेगा। तो आईये जानते हैं कि शुक्र के कुम्भ राशि में गोचर का सभी राशि के जातकों पर क्या सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है:

मेष राशि

आपके लिए शुक्र देव द्वितीय और सप्तम भाव के स्वामी हैं और इस गोचर की अवधि में आपके एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। एकादश भाव हमारी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति का भाव है और हमारे लिए लाभ स्थान है, इसलिए शुक्र देव के गोचर के प्रभाव से आपकी आमदनी में वृद्धि होगी और इस दौरान आप अपने बिज़नेस को विस्तार दे पाएंगे।यदि आप पहले से ही कोई बिज़नेस कर रहे हैं तो उसमें नई डील कर पाएंगे और आपको आर्थिक तौर पर लाभ मिलेगा। समाज के अच्छे और मजबूत लोगों से संपर्क बनेंगे मनोरंजन के साधनों में समय लगाएंगे। इस दौरान आपकी लव लाइफ भी अच्छे तरीके से आगे बढ़ेगी

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मेष राशि

वृषभ राशि

शुक्र देव आपकी राशि के स्वामी हैं इसलिए शुक्र देव का गोचर आपके लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। राशि स्वामी होने के अतिरिक्त आप के छठे भाव के स्वामी शुक्र देव इस गोचर की अवधि में कुंभ राशि में आपके दशम स्थान पर गोचर करेंगे। गोचर की इस अवधि में आपको अपने कार्यक्षेत्र पर विशेष ध्यान देना होगा व्यर्थ की गाॅसिपिंग करने में आपको समय नष्ट नहीं करना चाहिए अन्यथा आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आलस्य का त्याग करना बेहतर रहेगा और अपने काम पर फोकस करना ही आपको सफलता दिलाएगा। इसके अतिरिक्त महिला सहकर्मियों से भी अच्छा व्यवहार करना चाहिए इस दौरान पारिवारिक जीवन में खुशियां लौट कर वापस आएंगी

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - वृषभ राशि

मिथुन राशि

मिथुन राशि का स्वामी बुध ग्रह शुक्र का परम मित्र है। आपकी राशि के लिए शुक्र देव पंचम और द्वादश भाव के स्वामी हैं तथा गोचर की इस अवधि में आपके नवम भाव में प्रवेश करेंगे। नवम भाव से हमारी सुदूर यात्राएं, भाग्य अनुकूलता, धर्म पुनीत कार्य आदि तथा मान सम्मान का विचार भी किया जाता है। शुक्र के गोचर की इस अवधि में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और जो भी कार्य लंबे समय से अटके हुए थे वह पूरे होने लगेंगे, जिससे ना केवल आपको आर्थिक तौर पर लाभ होगा बल्कि आपका व्यापार भी रफ्तार पकड़ेगा। कार्य क्षेत्र में इस दौरान बदलाव के संकेत नजर आएंगे आपके स्थानांतरण का योग भी बनेगा।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मिथुन राशि

कर्क राशि

आपकी राशि के लिए शुक्र देव चतुर्थ भाव और एकादश भाव के स्वामी होकर गोचर की इस अवधि में आपके अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। अष्टम भाव को अदृश्य अथवा रंध्र भाव कहा जाता है और अचानक से होने वाली घटनाओं और जीवन के बड़े बदलावों को अष्टम भाव से संबंधित माना जाता है। शुक्र के गोचर की अवधि आपको गुप्त लालसों को पूरा करने में सफल बनाएगी आप गुप्त रूप से सुख भोगने की प्रवृत्ति रखेंगे जिससे धन को खर्च ने की प्रवृत्ति भी बढ़ेगी। इस दौरान कुछ बेवजह की यात्राएं भी होंगी जो आपका जिससे आपका धन खर्च होगा, इसलिए ऐसा करने से बचें।आमदनी में उतार और चढ़ाव दोनों प्रकार की स्थितियां बनेंगी माताजी से संबंधों पर असर पड़ सकता है

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कर्क राशि

सिंह राशि

आपकी राशि के लिए शुक्र देव तृतीय और दशम भाव के स्वामी हैं और कुंभ राशि में अपने इस गोचर के दौरान वे आपके सप्तम भाव में विराजमान होंगे। सप्तम भाव से दीर्घकालीन साझेदारी के बारे में पता लगता है और यह आपके व्यवहार और जीवनसाथी का भाव भी माना जाता है। शुक्र के इस गोचर के प्रभाव से आपके दांपत्य जीवन में प्रेम की बरसात होगी और आप अपने दांपत्य जीवन के सुखों का आनंद उठाएंगे इस दौरान आप अपने निजी प्रयासों से अपने व्यापार को भी लाभ पहुंचाएंगे और कार्यक्षेत्र में आप को प्रगति मिलेगी। प्रगति पथ पर आप आगे बढ़ेंगे और आपकी पदोन्नति होने की भी संभावना रहेगी

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - सिंह राशि

तुला राशि

शुक्र देव आपकी राशि के ही स्वामी हैं इसलिए आपके लिए शुक्र का गोचर काफी महत्वपूर्ण रहेगा। राशि स्वामी होने के अतिरिक्त शुक्र आपके लिए अष्टम भाव के स्वामी भी हैं और इस गोचर की अवधि में आप के पंचम भाव में गोचर करेंगे। पंचम भाव से हमारी शिक्षा का स्तर हमारी बुद्धि हमारे प्रेम संबंध हमारी संतान का विचार किया जाता है। शुक्र के इस गोचर से कुछ भाग्यशाली लोगों को कुंडली में दशम भाव अनुकूल होने पर संतान प्राप्ति हो सकती है। इसके अतिरिक्त संतान का सुख मिलेगा शिक्षा के क्षेत्र में इस दौरान आप का प्रदर्शन काफी सराहनीय रहेगा और विषयों पर आप की पकड़ मजबूत होगी।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - तुला राशि

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्र देव आपके द्वितीय भाव और नवम भाव के स्वामी हैं और कुंभ राशि में अपने इस गोचर की अवधि में वे आपके छठे भाव में प्रवेश करेंगे। छठा भाव जीवन में संघर्ष को दिखाता है और इसके अतिरिक्त आपके रोग, शत्रु और कर्ज के बारे में भी जानकारी देता है। शुक्र के छठे भाव में जाने से यह समय आपके लिए थोड़ा कमजोर रहेगा धन की हानि होने की संभावना रहेगी और खर्चों की बढ़ोतरी होगी। इस दौरान आपको सफलता प्राप्ति के लिए अत्यंत परिश्रम करना पड़ेगा महिलाओं से किसी भी प्रकार का झगड़ा मोल लेना आप के पक्ष में नहीं रहेगा। विरोधी इस दौरान थोड़े मजबूत रहेंगे इसलिए आपको उनके प्रति भी सतर्कता बरतनी होगी।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कन्या राशि

वृश्चिक राशि

आपकी राशि के लिए शुक्र देव सप्तम और द्वादश भाव के स्वामी हैं तथा गोचर की इस अवधि में आप के चतुर्थ भाव में स्थापित होंगे। चतुर्थ भाव हमारी सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला भाव है इसलिए शुक्र देव का गोचर इस भाव में आकर आपके जीवन में सुखों की वृद्धि करेगा केवल इतना ही नहीं आपकी माताजी का स्वास्थ्य भी अनुकूल होगा और घर में सुख सुविधाओं की वृद्धि होगी। इस दौरान आप कोई घरेलू वस्तु जैसे टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर या कोई भी घरेलू अप्लायंस खरीद सकते हैं। इस दौरान आपकी प्रवृत्ति सुख प्राप्ति की रहेगी पारिवारिक जीवन काफी बेहतर रहेगा और परिवार के लोगों में एक दूसरे के प्रति प्रेम की भावना बढ़ेगी

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें- वृश्चिक राशि

धनु राशि

धनु राशि के जातकों के लिए शुक्र महाराज छठे भाव के साथ-साथ ग्यारहवें भाव के स्वामी भी होते हैं और गोचर की इस अवधि में वे आप के तीसरे भाव में प्रवेश करेंगे। तीसरे भाव से हमारी मेहनत हमारे भाई-बहन, छोटी दूरी की यात्राएं और सहकर्मी तथा अन्य चीजों का पता लगता है। गोचर की इस अवधि में आप किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं जो आपके लिए आनंद का माध्यम बनेगी। छोटे भाई-बहनों को आपके पक्ष में मुड़ते हुए देखा जाएगा और वो आपकी हर संभव सहायता भी करेंगे। आपको सोशल मीडिया या ऑनलाइन कम्युनिकेशन चैनल के माध्यम से कोई खुशखबरी मिल सकती है

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - धनु राशि

मकर राशि

आपकी राशि के लिए शुक्र देव पंचम भाव और दशम भाव के स्वामी हैं और इस प्रकार आपके लिए एक योगकारक ग्रह की भूमिका निभाते हैं। गोचर की इस अवधि में भी आपके द्वितीय स्थान में प्रवेश करेंगे जिससे धन योग का निर्माण होगा और आपको अच्छे धन की प्राप्ति होगी। इस दौरान द्वितीय भाव में आपकी वाणी विकसित होगी और आप अपनी वाणी में आकर्षण महसूस करेंगे जिससे लोग आपकी बातों के प्रभाव में आएंगे और आपके काम बनने लगेंगे। आपको उत्तम भोजन और व्यंजनों का स्वाद ग्रहण करने का अवसर मिलेगा इसके अतिरिक्त आपके परिवार में कोई फंक्शन या कोई शुभ कार्य संपन्न हो सकता है जिससे परिवार में खुशी आएगी।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मकर राशि

कुंभ राशि

शनि देव के स्वामित्व वाली कुंभ राशि में ही शुक्र देव का गोचर हो रहा है अर्थात आपके प्रथम भाव में शुक्र देव का गोचर होगा, और शुक्र देव आपके लिए चतुर्थ और नवम भाव के स्वामी होने के वजह से योगकारक ग्रह हैं और आपके लिए काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आपकी राशि में शुक्र का गोचर आपके लिए अनेक बदलाव लेकर आएगा और यह सकारात्मक बदलाव होंगे। इस दौरान आप मानसिक रूप से काफी प्रसन्न रहेंगे और हर कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे आपका जोश देखते ही बनेगा आपके व्यक्तित्व में सुधार होगा और आप खुद को और बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कुंभ राशि

मीन राशि

आपकी राशि के लिए शुक्र देव तृतीय और अष्टम भाव के स्वामी होते हैं तथा गोचर की इस अवधि में आपके द्वादश स्थान में गोचर करेंगे। इस अवधि में आपके खर्चों में अचानक वृद्धि होगी, कुछ खर्चे ऐसे होंगे जो व्यर्थ के कार्यों पर भी होंगे और कुछ आपके आपसी सुख-सुविधाओं की पूर्ति हेतु खर्च होंगे। ससुराल पक्ष के लोगों पर भी आपको कोई खर्च करना पड़ सकता है। वहीं भाई-बहन भी आपसे धन की मांग कर सकते हैं। इस प्रकार आर्थिक स्थिति पर थोड़ा असर पड़ेगा अचानक यात्राओं की संभावना बनेगी जो आपके लिए अनुकूल नहीं होंगे इस दौरान आपका स्वास्थ्य पीड़ित हो सकता है इसलिए विशेष रूप से अपने खान-पान पर ध्यान दें। किसी भी यात्रा पर जाने से पूर्व पूरी तैयारी कर लें

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मीन राशि

स्फटिक की माला से हर समस्या का होगा हल

आयुषी चतुर्वेदी

इंसान का जीवन कैसे चलने वाला है इसका अंदाजा उनके ग्रह-चक्र और कर्मों के हिसाब से चलता है। अगर किसी इंसान की कुंडली में उसके ग्रहों की दशा अच्छी होती है तो इससे उस इंसान का जीवन सफल हो जाता है, लेकिन अगर उसके ग्रह विपरीत परिणाम देते हैं तो उससे इंसान को अपने जीवन में काफी दिक़्क़तों का सामना करना पड़ता है। किसी भी इंसान के सुख को प्रभावित करने वाला ग्रह शुक्र ग्रह को माना जाता है। अगर आपका शुक्र ग्रह अच्छा है तो इससे आपको धन,संपत्ति, ऐश्वर्य और सुख की प्राप्ति होती है।

ऐसे में अगर किसी का शुक्र कमज़ोर है तो उसे स्फटिक की माला पहनने का सुझाव दिया जाता है। माना जाता है कि स्फटिक का संबंध शुक्र ग्रह से होता है और स्फ्टिक का प्रयोग करने से ना केवल शुक्र ग्रह को बेहतर किया जा सकता है बल्कि इसके साथ-साथ आप सुख-संपदा की प्राप्ति भी कर सकते हैं। ज़रूरी नहीं है इसके लिए आपको स्फटिक की माला ही पहननी पड़े। इसके लिए आपको और भी विकल्प मिल सकते हैं जैसे स्फटिक का शिवलिंग, स्फटिक श्री-यंत्र, स्फटिक पिरामिड। ये सभी चीज़ें चमत्कारी मानी जाती है और इसे इस्तेमाल करने वाले इंसान के जीवन में चमत्कारी परिणाम देखे जाते हैं। कहा जाता है कि सुखों की प्राप्ति और घर में माँ लक्ष्मी के आगमन के लिए स्फटिक से बनी वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है। ऐसे में आज हम बात करेंगे स्फटिक की माला के कुछ खास चमत्कारों की।

बेहद ख़ास है स्फ़टिक, जानें वजह

स्फटिक को प्रकाश और ऊर्जा का एक बेहद शक्तिशाली माध्यम माना जाता है। यह परिवर्तक और विस्तारक के रूप में विभिन्न ऊर्जाओं को जैव ऊर्जाओं में परिवर्तित करके हमारे शरीर तंत्र को संतुलित करने में बहुत ही ज़्यादा लाभदायक होता है। कहते हैं कि स्फटिक के स्पर्श मात्र से से इंसान के कोशिकीय, मस्तिष्कीय, भावनात्मक, और आध्यात्मिक स्तर पुनः ऊर्जा-वान बन जाते हैं।

स्फटिक की माला से मिलने वाले फ़ायदे:

अगर स्फटिक की माला का विधिवत पूजन करके कोई इंसान इसे अपने गले में धारण करता है तो इससे उससे धन-दौलत में बेहिसाब वृद्धि मिलती है।

इसके अलावा स्फटिक की माला का सीधा संबंध शुक्र ग्रह से बताया गया है। ऐसे में अगर किसी को शुक्र ग्रह से संबंधित पीड़ा है तो उसे नियमित रूप से शुक्र ग्रह के मंत्रों का जाप करन चाहिए। इससे शुक्र ग्रह अच्छा फल देने

लगता है। किसी के घर में अगर कलह चल रही है तो उसको भी मिटाने के लिए स्फटिक की माला बेहद उपयोगी मानी जाती है। घर का कलेश मिटाने के लिए स्फटिक की माला से देवी पार्वती के मंत्र 'ॐ गौरये नम:' का जाप करें और इस माला को गले में धारण करें। इससे आपको बहुत ही जल्द सकारात्मक बदलाव दिखने लग जायेंगे।

किसी भी विद्यार्थी को अगर शिक्षा के क्षेत्र में सफलता हासिल करने में किसी भी तरह की कोई भी बाधा आ रही है तो
उन विद्यार्थियों को स्फटिक की माला से 'ॐ ऐं नम:' मंत्र का जाप करना चाहिए। इससे उनकी समस्या भी दूर होती है और उन्हें हर परीक्षा में सफलता भी अवश्य ही मिलती है।

स्फटिक की माला शीतलता देने वाली मानी जाती है, इसलिए उच्च रक्तचाप (हाई ब्लड-प्रेशर) और गुस्सैल स्वभाव वाले लोगों को स्फटिक की माला गले में पहनने से काफी लाभ मिलता है।

अगर आपके दाम्पत्य जीवन में किन्ही भी कारणों से खटास आ गई है और पति-पत्नी के बीच दूरियाँ बढ़ गई है तो पति-पत्नी दोनों को ही स्फटिक की माला गले में धारण कर लेनी चाहिए इससे उन्हें अवश्य ही लाभ होता है और धीरे-धीरे दोनों के बीच प्यार भी बढ़ने लगता है।

कैसे धारण करें स्फटिक की माला?

स्फटिक की माला पहनने की सबसे सटीक विधि यह है कि इसे शुक्ल पक्ष के प्रथम शुक्रवार को पहले जल और दूध में डाल कर रख दें। उसके बाद गायत्री मंत्र की कम से कम एक माला का जाप करें और फिर सूर्योदय होने के तकरीबन 3 घंटे के अंदर दूध-पानी से निकालकर इस माला को गले में पहन लेना चाहिए।

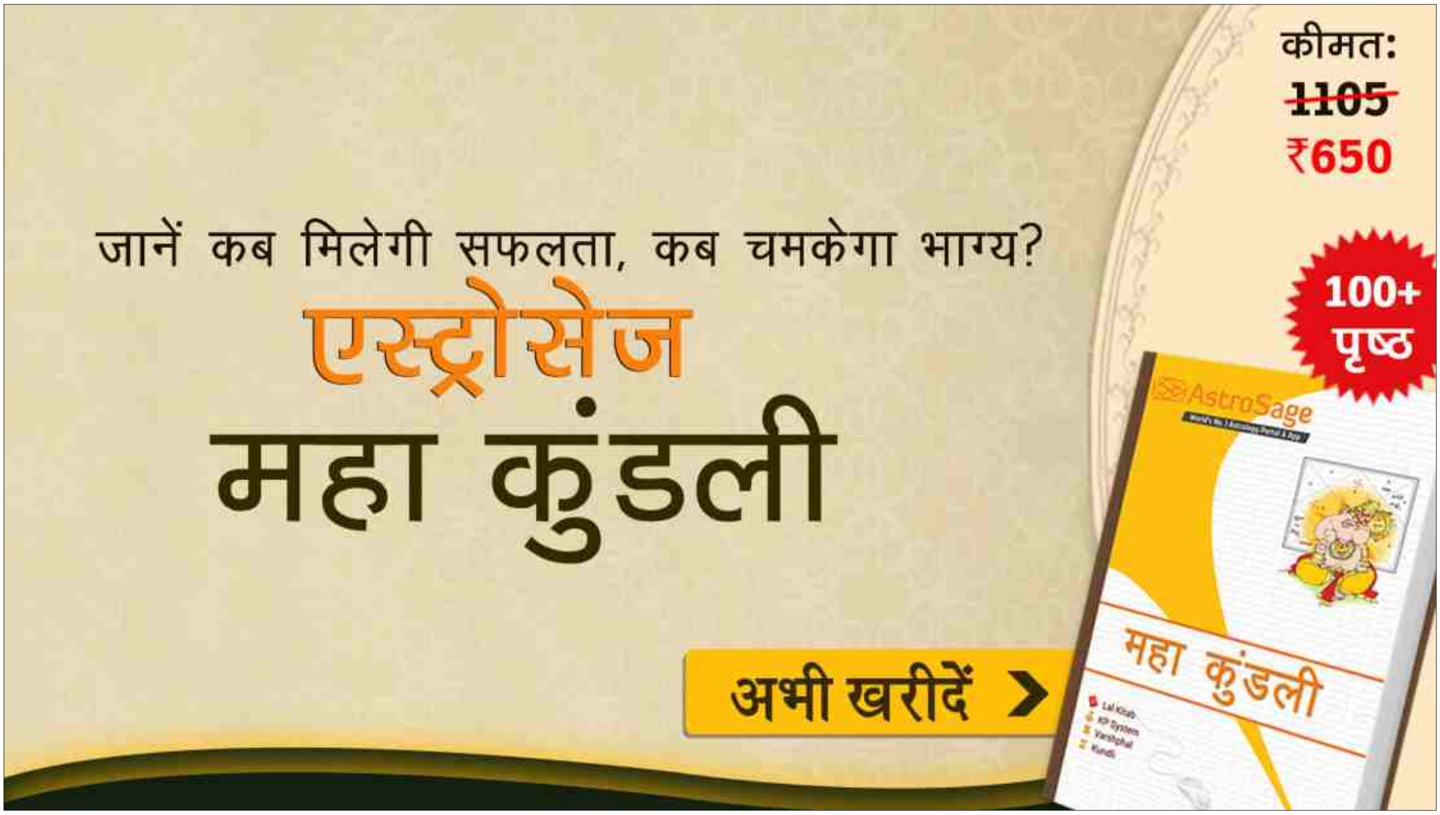

मकर संक्राति

15
जनवरी, 2020 (बुधवार)

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति एक प्रमुख पर्व है। भारत के विभिन्न इलाकों में इस त्यौहार को स्थानीय मान्यताओं के अनुसार मनाया जाता है। इस दिन सूर्य उत्तरायण होता है, जबकि उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है।

ज्यादातर हिंदू त्यौहारों की गणना चंद्रमा पर आधारित पंचांग के द्वारा की जाती है लेकिन मकर संक्रांति पर्व सूर्य पर आधारित पंचांग की गणना से मनाया जाता है। मकर संक्रांति से ही ऋतु में परिवर्तन होने लगता है। शरद ऋतु क्षीण होने लगती है और बसंत का आगमन शुरू हो जाता है। इसके फलस्वरुप दिन लंबे होने लगते हैं और रातें छोटी हो जाती है।

मकर संक्राति का महत्व

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण

भारत में धार्मिक और सांस्कृतिक नजरिये से मकर संक्रांति का बड़ा ही महत्व है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव अपने पुत्र शनि के घर जाते हैं। चूंकि शनि मकर व कुंभ राशि का स्वामी है; लिहाजा यह पर्व पिता-पुत्र के अनोखे मिलन से भी जुड़ा है।

एक अन्य कथा के अनुसार असुरों पर भगवान विष्णु की विजय के तौर पर भी मकर संक्रांति मनाई जाती है। बताया जाता है कि मकर संक्रांति के दिन ही भगवान विष्णु ने पृथ्वी लोक पर असुरों का संहार कर उनके सिरों को काटकर मंदरा पर्वत पर गाड़ दिया था। तभी से भगवान विष्णु की इस जीत को मकर संक्रांति पर्व के तौर पर मनाया जाने लगा।

फसलों की कटाई का त्यौहार

नई फसल और नई ऋतु के आगमन के तौर पर भी मकर संक्रांति धूमधाम से मनाई जाती है। पंजाब, यूपी, बिहार समेत तमिलनाडु में यह वक्त नई फसल काटने का होता है, इसलिए किसान मकर संक्रांति को आभार दिवस के रुप में मनाते हैं। खेतों में गेहूं और धान की लहलहाती फसल किसानों की मेहनत का परिणाम होती है, लेकिन यह सब ईश्वर और प्रकृति के आशीर्वाद से संभव होता है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर में मकर संक्रांति को 'लोहड़ी' के नाम से मनाया जाता है। तमिलनाडु में मकर संक्रांति 'पोंगल' के तौर पर मनाई जाती है, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार में 'खिचड़ी' के नाम से मकर संक्रांति मनाई जाती है। मकर संक्रांति पर कहीं खिचड़ी बनाई जाती है तो कहीं दही चूड़ा और तिल के लड्डू बनाये जाते हैं।

अगर आप एस्ट्रोसेज की साइट पर जाना चाहते हैं तो यहाँ क्लिक करें

लौकिक महत्व

ऐसी मान्यता है कि जब तक सूर्य पूर्व से दक्षिण की ओर चलता है, इस दौरान सूर्य की किरणों को खराब माना गया है, लेकिन जब सूर्य पूर्व से उत्तर की ओर गमन करने लगता है, तब उसकी किरणें सेहत और शांति को बढ़ाती हैं। इस वजह से साधु-संत और वे लोग जो आध्यात्मिक क्रियाओं से जुड़े हैं उन्हें शांति और सिद्धि प्राप्त होती है। अगर सरल शब्दों में कहा जाए तो पूर्व के कड़वे अनुभवों को भूलकर मनुष्य आगे की ओर बढ़ता है। स्वयं भगवान कृष्ण ने गीता में कहा है कि, इस 6 माह के शुभ काल में, जब सूर्य देव उत्तरायण होते हैं, तब पृथ्वी प्रकाशमय होती है, अत: इस प्रकाश में शरीर का त्याग करने से मनुष्य का पुनर्जन्म नहीं होता है और वह ब्रह्मा को प्राप्त होता है। महाभारत काल के दौरान भीष्म पितामह जिन्हें इच्छामृत्यु का वरदान प्राप्त था; उन्होंने भी मकर संक्रांति के दिन शरीर का त्याग किया था।

मकर संक्रांति से जुड़े त्यौहार

भारत में मकर संक्रांति के दौरान जनवरी माह में नई फसल का आगमन होता है। इस मौके पर किसान फसल की कटाई के बाद इस त्यौहार को धूमधाम से मनाते हैं। भारत के हर राज्य में मकर संक्रांति को अलग-अलग नामों से मनाया जाता है।

पोंगल

पोंगल दक्षिण भारत में विशेषकर तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण हिंदू पर्व है। पोंगल विशेष रूप से किसानों का पर्व है। इस मौके पर धान की फसल कटने के बाद लोग खुशी प्रकट करने के लिए पोंगल का त्यौहार मानते हैं। पोंगल का त्यौहार 'तइ' नामक तमिल महीने की पहली तारीख यानि जनवरी के मध्य में मनाया जाता है। 3 दिन तक चलने वाला यह पर्व सूर्य और इंद्र देव को समर्पित है। पोंगल के माध्यम से लोग अच्छी बारिश, उपजाऊ भूमि और बेहतर फसल के लिए ईश्वर के प्रति आभार प्रकट करते हैं। पोंगल पर्व के पहले दिन कूड़ा-कचरा जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे दिन पशु धन को पूजा जाता है।

उत्तरायण

उत्तरायण खासतौर पर गुजरात में मनाया जाने वाला पर्व है। नई फसल और ऋतु के आगमन पर यह पर्व 14 और 15 जनवरी को मनाया जाता है। इस मौके पर गुजरात में पतंग उड़ाई जाती है साथ ही पतंग महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जो दुनियाभर में मशहूर है। उत्तरायण पर्व पर व्रत रखा जाता है और तिल व मूंगफली दाने की चक्की बनाई जाती है।

लोहड़ी

लोहड़ी विशेष रूप से पंजाब में मनाया जाने वाला पर्व है, जो फसलों की कटाई के बाद 13 जनवरी को धूमधाम से मनाया जाता है। इस मौके पर शाम के समय आग जलाई जाती है और तिल, गुड़ और मक्का अग्नि को भोग के रूप में चढ़ाई जाती है।

माघ/भोगाली बिहू

असम में माघ महीने की संक्रांति के पहले दिन से माघ बिहू यानि भोगाली बिहू पर्व मनाया जाता है। भोगाली बिहू के मौके पर खान-पान धूमधाम से होता है। इस समय असम में तिल, चावल, नरियल और गन्ने की फसल अच्छी होती है। इसी से तरह-तरह के व्यंजन और पकवान बनाकर खाये और खिलाये जाते हैं। भोगाली बिहू पर भी होलिका जलाई जाती है और तिल व नरियल से बनाए व्यंजन अग्नि देवता को समर्पित किए जाते हैं। भोगली बिहू के मौके पर टेकेली भोंगा नामक खेल खेला जाता है साथ ही भैंसों की लड़ाई भी होती है।

मकर संक्रांति पर परंपराएं

हिंदू धर्म में मीठे पकवानों के बगैर हर त्यौहार अधूरा सा है। मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ से बने लड्डू और अन्य मीठे पकवान बनाने की परंपरा है। तिल और गुड़ के सेवन से ठंड के मौसम में शरीर को गर्मी मिलती है और यह स्वास्थ के लिए लाभदायक है। ऐसी मान्यता है कि, मकर संक्रांति के मौके पर मीठे पकवानों को खाने और खिलाने से रिश्तों में आई कड़वाहट दूरी होती है और हर हम एक सकारात्मक ऊर्जा के साथ जीवन में आगे बढ़ते हैं। कहा यह भी जाता है कि मीठा खाने से वाणी और व्यवहार में मधुरता आती है और जीवन में खुशियों का संचार होता है। मकर संक्रांति के मौके पर सूर्य देव के पुत्र शनि के घर पहुंचने पर तिल और गुड़ की बनी मिठाई बांटी जाती है।

तिल और गुड़ की मिठाई के अलावा मकर संक्रांति के मौके पर पतंग उड़ाने की भी परंपरा है। गुजरात और मध्य प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में मकर संक्रांति के दौरान पतंग महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर बच्चों से लेकर बड़े तक पतंगबाजी करते हैं। पतंग बाजी के दौरान पूरा आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से गुलजार हो जाता है।

तीर्थ दर्शन और मेले

मकर संक्रांति के मौके पर देश के कई शहरों में मेले लगते हैं। खासकर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और दक्षिण भारत में बड़े मेलों का आयोजन होता है। इस मौके पर लाखों श्रद्धालु गंगा और अन्य पावन नदियों के तट पर स्नान और दान, धर्म करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि, जो मनुष्य मकर संक्रांति पर देह का त्याग करता है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है और वह जीवन-मरण के चक्कर से मुक्त हो जाता है।

मकर संक्रान्ति मुहूर्त New Delhi, India के लिए

पुण्य काल मुहूर्त : 07:15:14 से 12:30:00 तक
अवधि : 5 घंटे 14 मिनट
महापुण्य काल मुहूर्त : 07:15:14 से 09:15:14 तक
अवधि : 2 घंटे 0 मिनट
संक्रांति पल : 01:53:48

जहाँ करते हैं भगवान हनुमान भक्तों को हैरान

लीशा चौहान

भारत वर्ष में धर्म और आस्था ने सालों से लोगों के मन में एक अपना विशेष स्थान रखा हुआ है। भारत अकेला ऐसा देश है जहाँ के लोग भगवान का हर स्वरूप पूजते हैं, जिस कारण ही आज भगवान से जुड़े चमत्कारों मे भक्तों का विश्वास होता है। इतिहास गवाह है कि स्वयं भगवान भी अपने भक्तों के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए समय-समय पर अपनी महिमा दिखाते रहते हैं।

कलयुग में भी दिखाते हैं बजरंगबली अपने चमत्कार

अगर भगवान हनुमान की बात करें तो मंगलकारी माने जाने वाले और भगवान शिव के ही अवतार बजरंगबली की महिमा और चमत्कारों का उल्लेख भी आपको कई पौराणिक कथाओं में मिल जाएगा। शास्त्रों के अनुसार बजरंग बली बहुत शक्तिशाली और चमत्कारी हैं, जिनके किस्सों से ये युग भी वंचित नहीं है। आज भी वर्तमान समय में वो अपने चमत्कारों से अपने भक्तों पर सदैव अपनी दया दृष्टि बनाए रखते हैं, जिसका उदाहरण आज हम आपको देते हुए हनुमान जी के उन मुख्य चमत्कारी मंदिरों के बारे में बताएँगे, जहाँ चमत्कारों को देखने रोज़ लाखों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं। चलिए जानते हैं उन मंदिरों के बारे में विस्तार से:-

1. इस मंदिर से गुजरते हुए ही कम हो जाती है ट्रेन की रफ्तार

मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में एक ऐसा हनुमान जी का अनोखा मंदिर स्थित हैं, जिसके प्रति लोगों में अपनी एक अनोखी आस्था और विश्वास है। लेकिन फिर भी शायद कम ही लोग हनुमान जी के इस चमत्कारी मंदिर के चमत्कार से वाक़िफ़ होंगे। इस मंदिर की आस्था को लेकर माना जाता है कि यहाँ पास से गुजरने वाली हर ट्रेन की रफ्तार अपने आप ही कम हो जाती है। जिसके चलते ही आज कई वर्षों के बाद भी लोगों की इस मंदिर के प्रति आस्था कम नहीं हो रही है। मंदिर के इस चमत्कार को देखने यहाँ दूर-दूर से लोग आते हैं, जहाँ उन्हें हनुमान जी के भी दर्शन करने को मिलते हैं। ये मंदिर लोगों के बीच इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां आपको हनुमान जी की एक सुन्दर प्रतिमा के बायीं ओर भगवान गणेश जी की एक मूर्ति के दर्शन होते हैं। गाँववालों का इसे लेकर मानना है कि ये अकेला ऐसा मंदिर है, जहाँ हनुमान जी और भगवान गणेश दोनों एक साथ विराजमान है और इन दोनों ही देवों की इस अनोखे अंदाज़ में उपस्थिति शुभ संकेत देती है; जिस कारण यहाँ दर्शन करने के बाद सभी भक्तों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

2. यहाँ बजरंगबली कराते हैं हाथ पीले

मध्यप्रदेश के जबलपुर में स्थिति हनुमान जी के इस अनोखे मंदिर के बारे में माना जाता है कि यहाँ विवाह के लिए प्रार्थना करने पर जल्द ही कुंवारे लड़के-लड़कियों के हाथ पीले हो जाते हैं। इस मंदिर में शादी की मनोकामना पूरी करने की प्रक्रिया भी बेहद दिलचस्प है, जिसके अनुसार जिन भी लड़के-लड़कियों की शादी नहीं हो रही होती उन्हें तीन बार महावीर के दरबार में आना पड़ता है। इस दौरान सर्वप्रथम यहां आने वाले लोग पहले लाल कपड़े में जल्द शादी की हनुमान जी से मनोकामना मांग कर नारियल बांधते हैं। जब उनकी मनोकामना पूरी हो जाती है तो इस नारियल को बजरंगबली को अर्पित किया जाता है। जैसे ही बजरंग बली द्वारा श्रद्वालु की अर्जी पूरी कर दी जाती है, उसके पश्चात यहां हवन का आयोजन किया जाता है। हालांकि यह हवन मंदिर समिति ही करवाती है। मंदिर के इस चमत्कार के चलते ही यहाँ हर रोज लाखों की संख्या में श्रद्वालु अपनी-अपनी शादी की मनोकामनाएँ लेकर भगवान हनुमान के चरणों में हाजिरी लगाते हैं। माना जाता है कि यहां हनुमान जी की कृपा से सैकड़ों जोड़े अब तक परियण-सूत्र में बंध चुके हैं।

3. यहाँ मंदिर में भविष्य बताते हैं हनुमान

शाजापुर जिले के बोलाई गांव में स्थित हनुमान जी का एक पौराणिक मंदिर देशभर में बेहद प्रसिद्व है। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहाँ हनुमान जी अपने भक्तों को भविष्य बताते हैं। जी हाँ, हम बात कर रहे हैं उस सिद्ववीर खेड़ापति मंदिर की जो करीब 600 साल पुराना बताया जाता है। हालांकि इस मंदिर के चमत्कारों पर यकीन करना पहली दफा थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन देशभर के लोगों में इस मंदिर की आस्था इतनी गहरी है कि यहाँ आने वाले श्रद्वालुओं को लगता है कि इस मंदिर में विराजमान बजरंग बली उन्हें भविष्य के बारे में आगाह करते हैं। मान्यता अनुसार इस मंदिर में जो भी भक्त दर्शन करने के लिए आता है, उसे यहाँ आते ही अपने जीवन में घटित होने वाली हर घटना का पूर्वाभास हो जाता है। इसी चमत्कार को सच मानते हुए यहाँ आने वाले कई लोग बताते हैं कि यहां आने के बाद उन्हें खुद ऐसा महसूस हुआ है। बजरंगबली के इस चमत्कार को देखने हर साल लाखों की तादाद में भक्त यहाँ हनुमान जी के दर्शन के लिए आते हैं।

4. हनुमान जी के इस मंदिर में होता है टूटी हड्डियों का इलाज

मध्यप्रदेश के ही कटनी जिले से लगभग 35 किलोमीटर दूर मोहास गांव में हनुमान जी का एक बेहद चमत्कारी मंदिर स्थित है। इस मंदिर में आपको हनुमान जी के एक और चमत्कारी स्वरुप के दर्शन करने को मिलते हैं। इस मंदिर में हनुमान जी का अनोखा चमत्कार दिखाई देता है, जिसे देखने रोज़ाना यहाँ हजारों श्रद्वालुओं की भीड़ उमड़ी रहती है। इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां आने वाला कोई भी भक्त खाली हाथ नहीं जाता है। दरअसल

इस मंदिर में हनुमान जी किसी वैद्य या डॉक्टर की तरह यहाँ आए मरीज़ों का इलाज करते हैं। जी हाँ जिन भी लोगों के शरीर की हड्डियाँ किसी भी दुर्घटनावश टूट-फूट जाती हैं वे लोग मुख्यतौर से इस मंदिर में उपचार के लिए आते हैं, जिन्हें माना जाता है कि स्वयं हनुमान जी स्वस्थ कर देते हैं। लोगों के बीच इस मंदिर को लेकर श्रद्धा भाव इस कदर देखने को मिलता है कि यहाँ हनुमान जी से अपनी टूटी हड्डियों को ठीक कराने कई लोग तो यहां एंबुलेंस और स्ट्रेचर से भी आते हैं। कहा जाता है कि महावीर हनुमान स्वयं अपनी दिव्य शक्ति से यहाँ आने वाले लोगों की हड्डियाँ जोड़ते हैं। इसलिए हनुमान जी का यह मंदिर 'हड्डी जोड़ने वाले हनुमान' के नाम से भी विख्यात है। यहाँ पर हड्डियों के दर्द से राहत पाने के लिए तेल भी मिलते हैं।

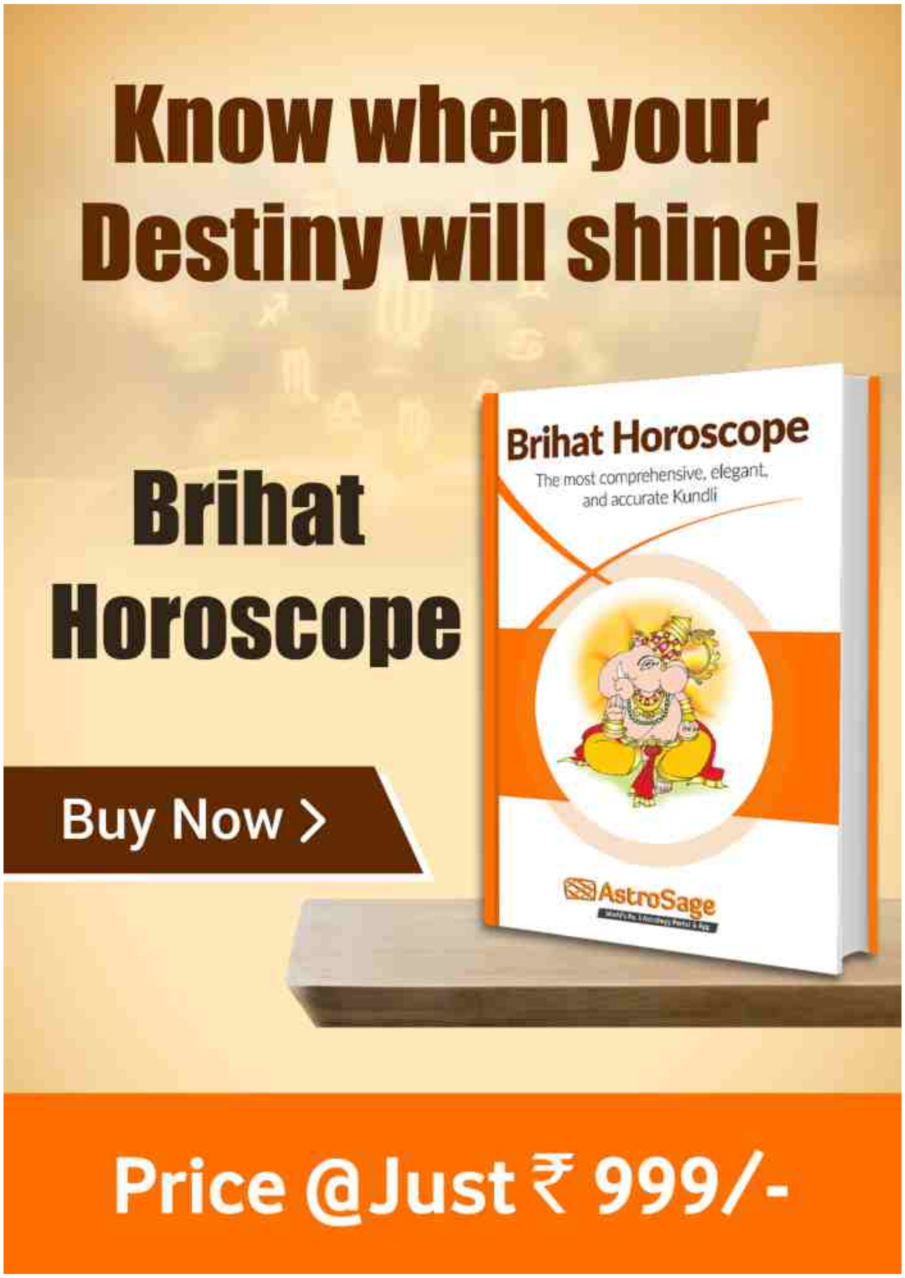

शनि गोचर 2020
प्रभाव, राशिफल एवं उपाय

न्यायकारक शनि गोचर 2020 में धनु राशि से अपनी स्वराशि मकर में 24 जनवरी को होने जा रहा है। इसी वर्ष 11 मई 2020 से 29 सितम्बर 2020 तक शनि मकर राशि में वक्री अवस्था में गोचर करेगा। इसी वर्ष शनि 27 दिसम्बर 2020 को अस्त भी हो जाएंगे, जिससे शनि के प्रभाव कुछ कम हो जाते हैं। धनु और मकर राशि में पहले से ही शनि की साढ़े साती का प्रभाव चल रहा था। अब कुम्भ राशि पर भी शनि की साढ़े साती का पहला चरण शुरु हो जाएगा। शनि मकर और कुम्भ दो राशियों के स्वामी हैं। शनि की दो राशियों में से एक राशि मकर में शनि का गोचर होने जा रहा है और शनि की दूसरी राशि कुम्भ शनि की स्व राशि और मूल त्रिकोण राशि है।

शनि एक अनुशासनात्मक और न्याय कारक ग्रह हैं। जिस प्रकार से एक शिक्षक हमारी ऊर्ज़ाओं को समझ कर हमें सही मार्ग पर लें जाने की कोशिश करते हैं और गलत करने पर दण्डित भी करते हैं, उसी प्रकार ये शनि भी अनुशासन में रह कर कर हमें हमारी सीमाओं से बांधते हैं। शनि के मकर राशि में आने से हमें समझ आएगा कि प्रयास करने से ही सफलता और लाभ प्राप्त होगा। यही समय होगा जब हम अपनी भविष्य के लिए सही योजना बना कर अपनी नींव मज़बूत करें ंगे। मकर में शनि के गोचर होने से हमारी निगाह अपने लक्ष्य पर होनी चाहिए, ताकि हम ठोस परिणाम तक पहुंच पायें। आईये जानते हैं शनि गोचर 2020 में आप सभी की राशियों के अनुसार आपके व्यवसाय, नौकरी, विवाह, प्रेम, संतान, शिक्षा और स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मेष राशिफल

शनि गोचर 2020: मेष राशि में शनि दशम और एकादश भाव का स्वामी हो कर राशि से दशम भाव में ही गोचर करेगा। दशम भाव कर्म का भाव हैं और शनि भी कर्म का स्वामी हैं। इस गोचर में आपकी मेहनत और संघर्ष बहुत बढ़ जाएगा। नये काम के लिए सोच रहे हैं तो अप्रैल तक कर लें क्योंकि 11 मई से शनि के वक्री होने की वज़ह से नये काम में रुकावट आ सकती हैं और जिस लाभ की आशा कर रहे थे वह भी समय से नही मिल पायेगा।

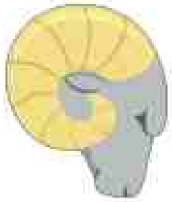

आपकी सेहत के हिसाब से ये वर्ष सामान्य रहेगा। कोई त्वचा से जुड़ी बीमारी परेशान कर सकती है इसलिए लापरवाही न करें। शनि के पराक्रम भाव में गोचर करने से आपके अंदर उत्साह की कोई कमी नही रहेगी और किसी भी काम को आप बिना डरे करेंगे। माता-पिता का सहयोग पूर्ण रुप से बना रहेगा और आप उनके साथ

धार्मिक यात्रा के लिए जा सकते हैं। घर से जुड़े किसी कार्य में धन का खर्च हो सकता है और आपका अपने घर का सपना भी इस शनि के गोचर में अवश्य सफल होगा।

वृषभ राशिफल

शनि गोचर 2020 वृषभ राशि में शनि नवम और दशम भाव का स्वामी हो कर वृषभ राशि से नवम भाव में ही गोचर करेगा। शनि का भाग्य स्थान में गोचर होने से पिता के साथ कुछ मतभेद हो सकता है। आपको उनकी सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। कार्य-स्थल में मेहनत अधिक होने के बाद लाभ के आसार कम नज़र आ रहे हैं। सब्र और धैर्य से ही काम करें तो बेहतर रहेगा। प्रमोशन के बारे सोच रहे हैं तो ये शनि का गोचर अभी और इंतज़ार करवायेगा। नई नौकरी के लिए भी साल की शुरुआत ही बेहतर रहेगी साल के मध्य में आ कर कोई बदलाव न करें। इस वर्ष आलस को भी अपने से दूर रखें नही तो कल पर काम टालने की आदत से कुछ महत्वपूर्ण कार्य हाथ से निकल जाएंगे। राहू का भी वाणी भाव में गोचर करने से आपको बहुत ही सोच समझ कर अपनी वाणी का प्रयोग करना होगा और कोई भी ऐसा वादा न करें जिसे आप समय पर पूरा न कर पायें।

मिथुन राशिफल

मिथुन राशि में शनि अष्टम और नवम भाव का स्वामी हो कर मिथुन राशि से अष्टम भाव में ही गोचर कर रहा है। इस वर्ष शनि का प्रभाव आपके कर्म भाव पर रहेगा, जिस वजह से कार्य-स्थल में देरी के साथ रुकावट बनी रहेगी और अष्टम भाव में शनि का प्रभाव होने से अचानक ही परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं। आर्थिक स्थिति भी कुछ कमजोर नज़र आ रही है और धन से जुड़े कार्य में भी ये शनि आय व लाभ में कमी करेगा। ये वर्ष विदेश यात्रा के लिए बेहतर रहेगा और वहां से जुड़े सभी कार्य समय पर बनेंगे। यदि बीते वर्ष में ज़मीन से जुड़े किसी वाद-विवाद से अब तक जूझ रहे थे तो इस वर्ष वहां से भी निज़ात मिलती नज़र आ रही है। शनि के आपकी राशि से अष्टम भाव में गोचर करने से कभी-कभी खुद को भ्रमित सा महसूस करोगे। अगर किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय ऐसा हो तो किसी सीनियर की सलाह लें लें या कुछ समय के लिए टाल दें तो बेहतर रहेगा। ये था शनि गोचर 2020 का मिथुन राशि के लिए राशिफल।

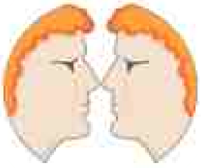

कर्क राशिफल

शनि गोचर 2020 के अनुसार कर्क राशि में शनि सप्तम और अष्टम भाव का स्वामी हो कर कर्क राशि से सप्तम भाव में ही गोचर करेगा। इस वर्ष आलस को अपने से दूर ही रखें क्योंकि आलसी लोगों को शनि शुभ फल नही देते हैं। साल की शुरुआत में व्यापार से जुड़े कुछ ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे, जो आप बीते वर्ष में नही ले पा रहे थे। विदेश से जुड़े भी ऐसे प्रोजेक्ट मिलेंगे जिससे आपको लाभ मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान अवश्य रखें और वाहन भी बेहद सावधानी से चलाना आवश्यक होगा। इस वर्ष किसी महिला मित्र की वज़ह से आपको फायदा होगा। आपके घर में किसी तरह की साज़-सजावट पर धन का खर्च हो सकता हैं जिसमें आपके परिवार वाले आपको पूर्ण रुप से सहयोग देंगे। साल के मध्य में अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें कोई पुरानी बीमारी परेशान कर सकती है।

बिलकुल भी लापरवाही न भी बरतें। किसी से वाद-विवाद भी हो सकता हैं जिसको सुलझाने में आपका धन खर्च हो सकता है, सावधान रहने की जरुरत है।

सिंह राशिफल

सिंह राशि में शनि षष्टम और सप्तम का स्वामी हो कर सिंह राशि से षष्टम भाव में ही गोचर कर रहे हैं। यह शनि आपको इस वर्ष सही दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देगा और आपको आपके लक्ष्य तक पहुंचाने में पूरी मदद करेगा। शनि गोचर 2020 के अनुसार इस वर्ष आपकी मेहनत और संघर्ष बहुत बढ़ जाएगा जिससे आप खुद को बहुत व्यस्त महसूस करोगे। किसी ज़मीन में निवेश करने की सोच रहे हैं तो बहुत ही सोच समझ कर करें, नहीं तो वर्ष के मध्य में आपके साथ धोखा हो सकता है। नौकरी से जुड़ा कोई बदलाव कर रहे हैं तो साल के मध्य में नही करें। किसी अच्छे पद की चाहत में जल्दबाज़ी न करें, संयम से ही चलेंगे तो प्रमोशन भी मिलेगा। स्वास्थ्य से जुड़ी समस्यायें दिखाई दे रही हैं। किसी पुरानी बीमारी की वज़ह से मानसिक तनाव बना रहेगा। कोई पुराना रुठा हुआ साथी वापिस आ सकता हैं, जिससे आपको अपनापन मिलेगा।

कन्या राशिफल

कन्या राशि में शनि पंचम और षष्टम भाव का स्वामी हो कर कन्या राशि से पंचम भाव में ही गोचर कर रहा है। शनि के इस गोचर से आप इस वर्ष किसी रुकी हुई शिक्षा को दोबारा शुरु कर सकते हैं या किसी शोध में भी खोज कर सकते हैं। शनि की स्थिति आपकी सोच को गंभीर बना देगी, जिससे आप बहुत ही गहराई में जा कर कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। शनि गोचर 2020 के अनुसार व्यापार को लेकर इस वर्ष कुछ भ्रम सा बना रहेगा और नये कार्य को लेकर भी कशमकश बनी रहेगी। कर्मचारियों के बीच मतभेद भी हो सकता हैं। कोई पुराना सरकारी कार्य अटका हुआ था वह भी इस वर्ष पूरा होगा। माता-पिता का पूर्ण रुप से आपको सहयोग मिलेगा। किसी महंगी भौतिक वस्तु पर आपका धन खर्च हो सकता हैं। आप अपनी महिला मित्र के लिए आभूषण भी ख़रीद सकते हैं। वाहन और घर से जुड़े खर्चे के लिए साल के मध्य का समय बेहतर नही है।

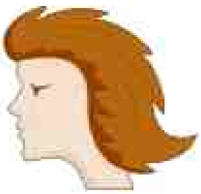

तुला राशिफल

शनि गोचर 2020 में तुला राशि में शनि चतुर्थ और पंचम भाव का स्वामी हो कर तुला राशि से चतुर्थ भाव में गोचर करेगा। तुला राशि वालों को इस वर्ष व्यापार में शनि नये अवसर देगा लेकिन किसी तरह का अहम आपके लिए नुकसान का कारण भी बन सकता है। अगर विदेश से जुड़े किसी प्रोजेक्ट का इंतज़ार कर रहे थे तो आपको उसके मिल जाने से लाभ की प्राप्ति होगी। किसी के कहने से कोई बड़ा निवेश न करें और न ही वर्ष के मध्य में भूमि में निवेश के बारे में सोचें। शनि के वक्री होने से माता से भी किसी तरह का मतभेद बना रहेगा। क्योंकि इस वज़ह से आपको मानसिक रुप से भी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। इस वर्ष छोटी-छोटी यात्राओं का योग भी बना हुआ है और सितम्बर के बाद विदेश यात्रा का सपना भी सच होगा। किसी तरह का वाद-विवाद होता दिखाई दे तो आप समय रहते ही दूरी बना लें तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशिफल

वृश्चिक राशि में शनि तृतीय और चतुर्थ भाव का स्वामी हो कर वृश्चिक राशि से तृतीय भाव में गोचर करेगा। इस शनि के गोचर से आपके ऊपर चल रही साढ़े साती अब समाप्त हो जाएगी। शनि गोचर 2020 के अनुसार इस वर्ष आप कुछ आलस सा महसूस करेंगे और अगर काम को कल पर टालने की सोचेंगे तो नुकसान भी आपका ही होगा। व्यापार में कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो यह समय कार्य के लिए बेहतर रहेगा। आर्थिक स्थिति भी सामान्य बनी रहेगी और कार्य में आर्थिक स्थिति को लेकर कोई रुकावट नहीं आएगी। साल के मध्य में माता से किसी बात को लेकर वाद-विवाद हो सकता है। किसी मित्र की सहायता से आपके रुके काम सुचारु रुप से बनने लगेंगे लेकिन उसी मित्र के साथ किसी नये काम की शुरुआत न करें। कोई पुरानी रुकी हुई शिक्षा इस वर्ष फिर से शुरु होगी और पूर्ण भी होगी।

धनु राशिफल

धनु राशि में शनि दूसरे और तृतीय भाव का स्वामी हो कर धनु राशि से दूसरे भाव में गोचर करेगा। इस वर्ष कोई भी कार्य शुरु करना चाहें तो अपने आप पर पूरी तरह से ध्यान लगा कर ही करें, तभी यह शनि आपको सफलता दिलाएगा। शनि की साढ़े-साती का आखिरी चरण होने से ये शनि जाते जाते आपको सोने की तरह तपा कर उजला बना देगा। व्यापार के लिए यह वर्ष बहुत मेहनत और संघर्ष भरा रहेगा, लेकिन इसका परिणाम भी बेहतर ही होगा। आर्थिक स्थिति के लिए यह गोचर कुछ तंगी लाएगा और धन से जुड़ी समस्या बनी रहेगी, लेकिन आपका कोई काम नही रुकेगा। ज़मीन से जुड़ा कोई फायदा ये शनि आपको दे सकता है। विदेश जाने का सोच रहे हैं तो इस वर्ष बहुत ही रुकावटों का सामना करना पड़ सकता है। पिता से आर्थिक मदद मिलेगी और माता का आशीर्वाद बना रहेगा। ये था शनि गोचर 2020 के अनुसार धनु राशि का राशिफल।

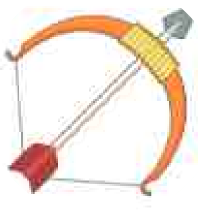

मकर राशिफल

मकर राशि में शनि मकर राशि और दूसरे भाव का स्वामी हो कर मकर राशि में ही गोचर कर रहा है। शनि की साढ़े साती का दूसरा चरण शुरु हो रहा है। जिस से मानसिक परेशानी तो बनी रहेगी पर शनि के अपनी ही राशि में गोचर करने से इस मानसिक तनाव से लड़ने की प्रेरणा भी यही शनि ही देगा। इस गोचर से आपकी निर्णय शक्ति में संतुलन और गहराई आएगी और आपको अपनी नई मंज़िल मिलेंगी। व्यापार के लिए यह गोचर नए अवसर लाएगा और आर्थिक स्थिति में भी लाभ बना रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आने से आप विदेश जाने का सपना भी पूरा कर पाएंगे और अपना घर लेने की सोच रहे हैं तो वह सपना भी अवश्य पूरा होगा। जीवन साथी के साथ कुछ मतभेद बना रह सकता है पर आप अपनी सूझबूझ से इस परेशानी से भी निज़ात पा लेगे। साल के अंत में अपनी सेहत का ध्यान रखें किसी तरह की दुर्घटना का योग बन रहा है इसलिए वाहन भी बेहद सावधानी से चलाएँ।

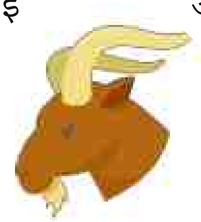

कुंभ राशिफल

कुम्भ राशि में शनि बारहवें और प्रथम भाव का स्वामी हो कर कुम्भ राशि से बारहवें भाव में गोचर करेगा। कुम्भ राशि वालों को शनि की साढ़े साती का प्रथम चरण शुरु होगा। जिससे आपकी राशि में संघर्ष व मेहनत बढ़ जाएगी और आपको अपनी जिंदगी की हकीक़त पता चलेगी। इस समय में आपके अपने दूर जाने लगेंगे और कुछ ऐसे रिश्ते करीब आएँगे, जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी नहीं था। जीवन साथी के साथ किसी बात को लेकर दूरी हो सकती है। नये कार्य को करने से पहले किसी सीनियर की सलाह अवश्य ले लें। व्यवसाय में किसी बड़े निवेश के लिए सोच समझ कर ही आगे बढ़ें। नौकरी को बदलने के लिए साल के मध्य का समय बेहतर नही है। घर की साज़ सजावट में धन का खर्च होगा और आपका नये वाहन का सपना भी सच होगा।

मीन राशिफल

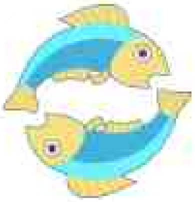

शनि गोचर 2020 में मीन राशि में शनि एकादश और बारहवें भाव का स्वामी हो कर मीन राशि से एकादश भाव में ही गोचर करेगा। शनि का एकादश भाव में गोचर करने पर इसका पूर्ण प्रभाव आपकी राशि पर बना रहेगा। इस समय में आलस को अपने पर हावी न होने दें नहीं तो बहुत ही महत्वपूर्ण अवसरों से वंचित रह जाओगे। व्यापार से जुड़े बहुत से नये अवसर आएँगे और आपको आगे बढ़ने का का मौका मिलेगा। इस वर्ष आप कुछ नया कर दिखाओगे। समाज में भी आपकी नई पहचान बनेगी। आपका वैवाहिक जीवन इस साल ख़ुशहाल बना रहेगा और किसी नये साथी के जीवन में आने से आपके जीवन में ख़ुशियों की बहार आ जाएगी। सेहत के हिसाब से यह गोचर बेहतर रहेगा पर आलस से दूर रहें। इस साल माता-पिता का सहयोग पूर्ण रुप से बना रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में भी वह आपकी मदद करेंगे।

2020 में कामयाबी के अचूक उपाय

एस्ट्रोगुरु मृगांक

साल 2020 शुरू हो चुका है और अब हमारे सामने कुछ नई चुनौतियाँ हैं और कुछ उपलब्धियाँ भी हैं, जो हमें हासिल करनी हैं। इस साल हमारे साथ बहुत कुछ अच्छा होगा और कुछ ऐसे जगह होंगी, जहां हमें बदलाव करने की आवश्यकता होगी। खुद में कुछ इंप्रूवमेंट भी करने होंगे और कुछ चुनौतियों से लड़ने के लिए हमें तैयार भी रहना होगा। तो इसी संबंध में इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं साल 2020 का सक्सेस मंत्र:

मेष राशि

आपके लिए कार्यक्षेत्र में स्थितियां इस साल जबरदस्त रहने वाली हैं और आने वाला समय आपको स्थिरता देगा। पारिवारिक जीवन में भी खुशहाली देगा और आप अपने कार्य में जमकर मेहनत करेंगे, जिसका आपको लाभ आवश्यक रुप से प्राप्त होगा।

यह तो हुई अच्छी बात। अब हम आपको बताने जा रहे हैं कि आपको इस साल सबसे ज्यादा किस बात का ध्यान रखना होगा। इस साल आपको विशेष रुप से वर्कहोलिक होने से बचना होगा क्योंकि यह आपको शारीरिक तौर पर बहुत ज्यादा थकान दे सकता है और आपको स्वास्थ्य परेशानियां भी आ सकती हैं।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

आपको काम के बीच में कुछ समय आराम के लिए भी निकालना होगा और अपनी व्यस्त दिनचर्या में से दिन में कम से कम एक घंटा स्वयं को देना होगा तभी आप इन चुनौतियों से आगे बढ़ पाएंगे।

वृषभ राशि

आपके लिए इस साल भाग्य के दरवाज़े खुलने वाले हैं और जनवरी के बाद से ही आप भाग्य के सहारे अनेक कामों को निपटा पाएंगे और आपकी आमदनी में भी बढ़ोतरी होगी, लेकिन इस साल जिस बात का आप को सबसे ज्यादा ख्याल रखना है, वह है अपने आप पर फोकस करना। यानि कि अपने काम को, अपने जीवन को और अपने लोगों को अहमियत देना।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

आपको अपने काम से काम रखना और दूसरों के काम में हस्तक्षेप से बचना आपके लिए बेहतर रहेगा। ऐसा करके आप दूसरो की नज़र में भी सम्मान प्राप्त करेंगे और सफलता आपके कदम चूमेगी।

मिथुन राशि

आपके लिए यह साल आर्थिक तौर पर काफी लाभदायक रहेगा और अनेक ऐसे मौके आएँगे, जब आपको सफलता की सीढ़ी चढ़ने का मौका मिलेगा। साल 2020 में आपके बिज़नेस में जबरदस्त लाभ के योग बनेंगे, लेकिन विशेष रुप से आपके दांपत्य जीवन में उथल-पुथल होने की संभावना रहेगी, जिसका असर आपके जीवन से जुड़े हर क्षेत्र पर पद सकता है।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अपने जीवन में उन्हें महत्व देना सीखें। उन्हें बताएं कि वे आपके लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। उनके साथ वक़्त बिताएं और निजी ज़िंदगी को बेहतर बनाने में कोई कसर बाकी न रखें।

कर्क राशि

इस साल आप अपने रास्ते में आने वाली हर चुनौती से जीतेंगे और जीवन के लगभग हर क्षेत्र में, चाहे वह आपका कार्य क्षेत्र हो या निजी लाइफ हो, आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और आप ऊर्जावान होकर काम करेंगे। हालांकि इस साल आपको जिस चीज पर सबसे ज्यादा ध्यान देना है, वह है आपके खर्च क्योंकि ये हद से ज्यादा बढ़ सकते हैं और आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकते हैं।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

धन का निवेश सोच-समझकर करें और अपने खर्चों को नियंत्रण में रखना सीखें। इससे आपकी बचत करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी और आप आर्थिक रूप से मजबूत बनेंगे।

सिंह राशि

सिंह राशि के विद्यार्थियों को यह साल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने वाला साबित होगा और यदि आप राजनीति से सम्बंधित हैं, वकील हैं या कानून से सम्बद्धिहत पढ़ाई कर रहे हैं या फिर चुनाव में भाग ले रहे हैं, तो आपको जबरदस्त लाभ मिलने वाला है, लेकिन इस राशि वाले लोगों के लिए साल 2020 में सबसे कमजोर पक्ष रहेगा आपकी नौकरी क्योंकि आप अपनी नौकरी करते हैं तो उससे संतुष्ट नहीं होंगे और उसको बदलने का प्रयास करेंगे, लेकिन ऐसा आसानी से नहीं होगा और उसके लिए आपको प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए अपने काम पर फोकस करें और जब तक कोई अच्छा अवसर आपके हाथ में ना हो नौकरी ना बदलें। यही आपकी सफलता के लिए आवश्यक है।

कन्या राशि

आपके लिए साल 2020 पारिवारिक जीवन से जुड़ी अनेक ख़ुशियाँ लेकर आने वाला है और आपके दांपत्य जीवन में भी आपको सुखों की प्राप्ति होगी। इस साल आपके जीवन साथी को किसी प्रकार का लाभ भी होगा, जिससे आपकी ख़ुशी में वृद्धि होगी। हालांकि आपकी राशि के ही कुछ लोगों के लिए साल कमजोर रहने वाला है, विशेष रूप से उनकी लव लाइफ अथवा संतान को लेकर। लव लाइफ में बड़े उतार चढ़ाव आएँगे और यदि आपकी संतान है, तो इस साल उन्हें आप की बहुत आवश्यकता होगी।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

अपने प्रियतम को भरपूर सम्मान दें और अपने जीवन में उन्हें महत्व देना सीखें। उनके साथ वक़्त बिताएं और उनकी समाया के मूल को पहचान कर रिश्ते को बेहतर बनाने का प्रयास करें। शादीशुदा जातक अपनी संतान के बारे में विशेष रूप से विचार करें और उनकी संगति का भी ध्यान रखें।

तुला राशि

साल 2020 आपको एक टीम के रूप में काम करने को प्रोत्साहित करेगा। इस साल आपको कार्य क्षेत्र में अपने सहकर्मियों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। इसके अतिरिक्त इस साल लंबी यात्राओं के द्वारा सफलता प्राप्त होगी। हालांकि जिस दिशा में आपको इस साल काम करना होगा, वह होगा आपका अपना घर और आपके माता पिता क्योंकि इस दौरान उनका स्वास्थ्य कमजोर रहने की संभावना भी है और आपके पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति भी आ सकती है। यदि आपका अपना मकान नहीं है तो इस साल आपको इस बारे में काफी प्रयास करने चाहियें।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

आप को अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें चिकित्सक को भी दिखाएं तथा काम के बीच से समय निकालकर पारिवारिक जीवन पर भी ध्यान दें, इससे आपको मकान खरीदने में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि

साल 2020 आपके लिए एक बेहतरीन साल साबित होने वाला है और इस साल कुटुंब के लोग आपकी हर संभव सहायता करेंगे और आपको उचित मार्गदर्शन भी देंगे। केवल इतना ही नहीं, आपके कार्य क्षेत्र में आपकी की हुई मेहनत अब आपके काम आएगी और आपको जीवन में आगे बढ़ने में सहायता करेगी, लेकिन आपको इस साल जिस क्षेत्र में विशेष रूप से काम करना होगा, वह है आप स्वयं अर्थात खुद पर अपने शरीर पर ध्यान देना कि आवश्यक होगा।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

इस साल आपको वाहन बेहद सावधानी पूर्वक चलाना चाहिए और बासी अथवा तले भुने भोजन से परहेज करना चाहिए, ताकि स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं परेशान न करें। स्वयं में बदलाव लाने का प्रयास करें।

धनु राशि

आपको इस साल जीवन में कुछ नया करने का मौका मिलेगा और आपकी स्मरण शक्ति तथा कार्यकुशलता आपको हर जगह आगे रखेगी। आप अपने किसी उद्देश्य को पूर्ण कर पाने में सफल होंगे और इससे आप मज़बूती के साथ जीवन में खड़े होंगे। एडवेंचर यात्रा पर जाने के मौके मिलेंगे और आप इसका भरपूर आनंद भी लेंगे, लेकिन इस साल काम की भागदौड़ में आप अपने परिवार से दूर हो सकते हैं और यही कमी आपको मायूस भी कर सकती है।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

आपको किसी भी तरह अपने परिवार को समय देना चाहिए और घरेलू ज़रूरतों को भी ध्यान में रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त विशेष रुप से कड़वा बोलने से बचना होगा। याद रखें अपनों का साथ ही आपको आगे बढ़ने में सहायक होगा।

मकर राशि

इस साल आपके जीवन में काफी बड़े बदलाव आएँगे और आपकी सोचने समझने की शक्ति का विकास होगा। आपके आइडिया जीवन में आपको बहुत सहायता करेंगे और आपको अपनी जॉब में तरक्की भी मिलेगी। आपकी सोच अब गहरी होगी और आप भविष्य के प्रति काफी

आशान्वित होंगे और सही दिशा में प्रयास करेंगे, लेकिन दांपत्य जीवन आपका कमजोर पक्ष रहने वाला है क्योंकि इस साल जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव बना रह सकता है, जिस पर आपको फोकस करना होगा।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

संभव हो तो अपने जीवनसाथी को कहीं घुमाने लेकर जाएं और उनसे किसी भी बात पर खुलकर बात करें ताकि उनके मन की बातों को बाहर निकाल सकें। ऐसा करने से वह खुश होंगे और आप भी प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

कुम्भ राशि

आपके लिए इस साल अनेक योजनाएं इंतजार करेंगी, जो आपसे मेहनत भी करवाएंगी, इसलिए साल 2020 में आपको काफी पसीना भी बहाना पड़ेगा। ख़ुशी की बात यह है कि इस साल आपको विदेश जाने का मौका भी मिल सकता है और वहाँ जाकर आप बेहतर तरीके से जीवन यापन कर पाएंगे, लेकिन इस साल आप आमदनी से ज्यादा खर्च में लगे रहेंगे, जिन पर आपको नियंत्रण पाना ही होगा अन्यथा आप आर्थिक स्थिति से कमजोर हो सकती है। इस वर्ष आपको क़र्ज़ लेने से बचना चाहिए और अपना धन किसी को उधार देना भी सही नहीं रहेगा।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

अपना एक बजट बनाइए और प्रति माह या खर्चों के हिसाब से एक सूची तैयार करें और खर्चों को धीरे धीरे निपटाएं, तभी आप इस बड़े दलदल से बाहर निकल पाएंगे।

मीन राशि

साल 2020 आपके लिए आर्थिक तौर पर काफी बढ़िया रहने वाला है। इस साल आपकी आमदनी में जबरदस्त बढ़ोतरी होगी और दांपत्य जीवन में भी सुख आएगा। केवल इतना ही नहीं, आपका पारिवारिक जीवन भी खुशनुमा बनने वाला है और परिवार के लोग आपस में मिलजुलकर रहेंगे और प्रेम व स्नेह की वृद्धि होगी। हालाँकि इस साल केवल आपको ध्यान देना होगा अपनी लव लाइफ पर क्योंकि प्रियतम से मतभेद खुल कर सामने आने वाले हैं। यदि आप विद्यार्थी हैं, तो शिक्षा में रुकावटें भी आ सकती हैं।

आपके लिए गोल्डन टिप्स

सबसे पहले अपने उन दोस्तों को बाय-बाय कहें जो पढ़ाई में विघ्न डालते हों। अपनी पढ़ाई पर फोकस करें और स्वयं पर पूर्ण विश्वास रखें। जो लोग लव रिलेशनशिप में हैं, उन्हें अपनी लव लाइफ को संभालने का प्रयास करना चाहिए और इसके लिए आपकी क्रिएटिविटी बेहतर जरिया हो सकती है।

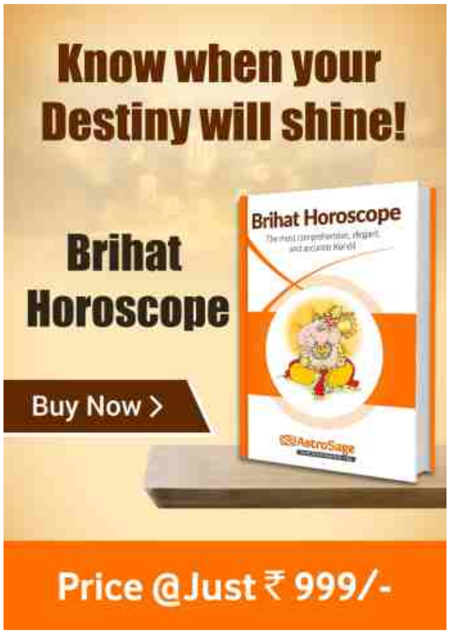

2020 में किस करवट बैठेगा शेयर बाजार

राजीव खट्टर

स्टॉक मार्केट जनवरी 2020 भविष्यवाणी के अनुसार, महीने की शुरुआत में, सूर्य ग्रह, बुध, बृहस्पति, शनि और केतु के साथ धनु राशि में स्थित रहेगा। वहीं मंगल ग्रह वृश्चिक राशि में रहेगा, राहु मिथुन राशि में रहेगा, शुक्र मकर राशि में रहेगा और चंद्रमा कुंभ राशि में रहेगा और यूरेनस मेष राशि में रहेगा।

साल के पहले दिन धनु राशि में पांच ग्रहों (सूर्य, बुध, बृहस्पति, शनि और केतु) का मिलन होगा। यह ग्रहों की यह युति तेजड़ियों के लिए अच्छी लग रही है। बुध साल 2020 के दूसरे दिन पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश करेगा और सूर्य के साथ इसी नक्षत्र में बुध की युति होगी। शुरु में मामूली गिरावट के बाद कमोडिटीज और सोना-चाँदी मार्केट में तेजी देखने को मिलेगी। अष्टम घर में कुंभ राशि में शुक्र के आगमन के साथ, कपड़ा (रेमंड), एफएमसीजी (एचयूएल, आईटीसी) और चीनी (ईआईडी) के शेयरों में उछाल देखने को मिल सकता है, जबकि कपास, चीनी और घी से संबंधित स्टॉक में भी तेजी देखने को मिलेगी। 13 वें दिन बुध के मकर राशि में प्रवेश करते ही सोना और चाँदी सट्टेबाजों के प्रिय बन जाएंगे।

15 तारीख को मकर राशि में बुध के साथ सूर्य की युति बनेगी, यह स्थिति आग में घी डालने का काम करेगी। गेहूं, गुड़, चीनी, कपास, कपड़ा और सोना-चाँदी की मांग में और वृद्धि होगी। पूंजीगत माल (क्रॉम्पटन ग्रीव्स) के स्टॉक डिमांड में रहेंगे। शनि 24 तारीख को मकर राशि में प्रवेश करेगा और बुध और सूर्य के साथ युति बनाएगा। इससे बाजार के माहौल में अस्थिरता पैदा होगी। व्यापारियों और सट्टेबाजों को प्रत्येक वृद्धि पर मुनाफे की उम्मीद करनी चाहिये। 31 तारीख को कुंभ राशि में शुक्र के साथ बुध की युति बनेगी और इन दोनों ग्रहों पर मंगल की दृष्टि होगी। ग्रहों की इस स्थिति से तेजड़ियों की अस्थिरता में वृद्धि होगी।

सूर्य का मकर राशि में गोचर

15 जनवरी, 2020

ज्योतिष के अनुसार जन्म कुंडली में सूर्य की स्थिति काफी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। मेष राशि में 10 अंशों पर सूर्य पूर्ण उच्च तथा तुला राशि में 10 अंशों पर सूर्य पूर्ण नीच अवस्था में माना जाता है। सिंह राशि में 1 से 20 अंश तक सूर्य मूल त्रिकोण तथा 20 अंश के बाद स्वराशि में स्थित माना जाता है। सूर्य को क्रूर ग्रहों की श्रेणी में रखा गया है। साथ ही सूर्य को काल पुरुष की आत्मा माना गया है। इसे पूर्व दिशा का स्वामी तथा लाल रंग का द्योतक माना जाता रहा है वहीं इसे पुरुष ग्रह भी माना गया है। सूर्य मानव शरीर में हड्डियों पर अधिकार रखता है तथा पित्तकारक होता है। यह मनुष्य को आत्मबल देता है और इसे आरोग्य का कारक भी माना जाता है। यह अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। चंद्र, मंगल और बृहस्पति सूर्य के मित्र माने जाते हैं। बुध ग्रह सूर्य के लिए सम है तथा शुक्र और शनि को सूर्य का शत्रु माना जाता है।

वैदिक ज्योतिष में सूर्य ग्रह को काफी महत्व दिया गया है। क्योंकि यह जगत की आत्मा है। सूरज जब गोचर वर्ष मकर राशि में प्रवेश करता है तो इसका काफी अच्छा प्रभाव माना गया है। मकर राशि सूर्य देव के पुत्र शनि देव की राशि है इसलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सूर्य देव अपने पुत्र से मिलने जाते हैं। मकर राशि में प्रवेश के साथ ही सूर्य देव उत्तरायण हो जाते हैं और इसी दिन से शुभ कार्यों की शुरुआत हो जाती है। इस दिन को विभिन्न स्थानों पर मकर संक्रांति के पर्व के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। भारतवर्ष के तमिलनाडु राज्य में सूर्य का मकर राशि में गोचर पोंगल के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। वहीं राजस्थान और गुजरात में इसे उत्तरायण के नाम से जाना जाता है। जब मकर संक्रांति सूर्यास्त के बाद होती है तो संक्रांति संबंधी समस्त शुभ कार्य अगले सूर्योदय के बाद संपन्न किए जाते हैं। इस बार सूर्य का मकर राशि में प्रवेश 15 जनवरी 2020 को प्रातः काल 1:54 बजे होगा इसलिए मकर संक्रांति, पोंगल और उत्तरायण पर्व 15 जनवरी 2020 को मनाये जायेंगे।

मेष

सूर्य आपके पंचम भाव का स्वामी है और इसका गोचर आपके दशम भाव में होगा। सूर्य का यह गोचर आपके लिए काफी अच्छा रहेगा। इस दौरान आपको कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपको उच्च पद की प्राप्ति अथवा पदोन्नति हो सकती है। सरकारी क्षेत्र से धन लाभ होने के मार्ग खुलेंगे और आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। इस दौरान आपको अपने मित्रों, परिजनों तथा समाज के सम्मानित व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें – मेष राशि

वृषभ

सूर्य आप के चतुर्थ भाव का स्वामी हैं और इस का गोचर आपके नवम भाव में होगा। इस दौरान आपके पिताजी का स्वास्थ्य कुछ कमजोर रह सकता है अथवा आप से उनका मतभेद होने की भी संभावना है। इस दौरान आपकी आमदनी में किसी प्रकार की कमी आ सकती है लेकिन यह कमी आने वाले धन लाभ की ओर इशारा कर रही है। इस दौरान समाज में आपकी स्थिति पर अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। मानसिक रूप से आप काफी अशांत रह सकते हैं। हालांकि गोचर की इस अवधि में आप तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं अथवा धार्मिक क्रियाकलापों में आप का बहुत मन लगेगा। आप के किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के संयोग बनेंगे...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें – वृषभ राशि

कर्क

सूर्य आप के द्वितीय भाव का स्वामी है और सूर्य का गोचर आपके सप्तम भाव में होगा। इस दौरान आपके दांपत्य जीवन में परेशानी आ सकती हैं और आपके जीवन साथी का स्वास्थ्य भी पीड़ित हो सकता है। हालांकि इस दौरान आपको धन संबंधी कोई परेशानी नहीं आएगी। इसके अतिरिक्त अपने परिवार वालों एवं मित्रों से मतभेद होने की भी संभावना रहेगी। विभिन्न कार्यों में असफलता मिलने से आपका मन उदास रह सकता है। इस दौरान यात्रा होने की भी संभावना रहेगी तथा आपको अपने पेट का ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान आप अपने जीवन साथी पर धन खर्च करेंगे। धन अर्जन करने की इच्छा के कारण आप किसी नए कार्य को शुरु करने का प्रयास कर सकते हैं...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें – कर्क राशि

मिथुन

सूर्य आपके तृतीय भाव का स्वामी होकर आपके अष्टम भाव में गोचर करेगा। इस दौरान आपके पुराने राज खुलकर सामने आ सकते हैं। यदि पूर्व में आपने कोई विधि के विरुद्ध कार्य किया है तो आपको शासन द्वारा दंडित भी किया जा सकता है। आपका अपने शत्रुओं से झगड़ा हो सकता है तथा खांसी आदि शारीरिक व्याधि आपको परेशान कर सकती है। जीवनसाथी से रिश्ते में तनाव की वृद्धि हो सकती है और लोगों द्वारा किसी प्रकार निंदा की जा सकती है। रिसर्च से जुड़े लोगों को इस दौरान अच्छे परिणामों की प्राप्ति होगी। किसी गुप्त विद्या को सीखने की आपकी इच्छा बलवती होगी...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें – मिथुन राशि

सिंह

सूर्य आपकी राशि का स्वामी है और गोचर की अवधि में सूर्य आपके षष्ठम भाव में होगा। सूर्य के गोचर की यह अवधि आपके लिए बेहतरीन सिद्ध होगी। सरकारी नौकरी हेतु प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी सफलता प्राप्त होगी। आप अपने विरोधियों पर हावी रहेंगे और कोर्ट कचहरी जैसे मामलों में आपको सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे लेकिन उसके लिए आपको कठिन परिश्रम भी करना होगा और अपने आप को सिद्ध करना होगा। दूसरी और आपके खर्चों में भी वृद्धि हो सकती है जिस पर ध्यान देना आपके लिए आवश्यक होगा। कार्य में अत्यधिक व्यस्तता के कारण...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें – सिंह राशि

कन्या

सूर्य आपके द्वादश भाव का स्वामी है और सूर्य का गोचर आपके पंचम भाव में होगा। इस दौरान आपके मन में व्याकुलता बनी रहेगी। आपको अपने मित्रों से किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान को शारीरिक रुप से कष्ट हो सकते हैं तथा आपकी शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। यदि आप शिक्षा के उद्देश्य से विदेश जाना चाहते हैं अथवा किसी विदेशी विश्वविद्यालयों में दाखिला पाना चाहते हैं तो इस दौरान प्रयास करने पर सफलता मिल सकती है। इसके अतिरिक्त विदेशी संपर्कों से अथवा मल्टीनेशनल कंपनियों के माध्यम से आपको अच्छा धन लाभ होगा। इस दौरान आपको अपने कार्यों में आने वाली रुकावटओं का सामना करना पड़ेगा...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कन्या राशि

वृश्चिक

सूर्य आपके दशम भाव का स्वामी है और गोचर की अवधि में सूर्य आपके तृतीय भाव में स्थित होगा। इस दौरान आपको स्वास्थ्य लाभ होगा और आपको अपने प्रयासों के उचित परिणाम प्राप्त होंगे। आपके भाई बहनों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी तथा कोई पुराना रोग अगर अभी भी चल रहा है तो उससे निजात मिलेगी। अपनी मित्र मंडली में आप की प्रशंसा होगी तथा संतान के माध्यम से लाभ और सुख की प्राप्ति होगी। इस दौरान अपने कार्य में स्वयं के अलावा अन्य किसी पर भरोसा ना करें और ना ही किसी पर निर्भर रहें। आप जहां काम करते हैं वहां आपके सहकर्मी आपको अपेक्षित सहयोग नहीं देंगे...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - वृश्चिक राशि

तुला

सूर्य आपके एकादश भाव का स्वामी होकर गोचर के दौरान आपके चतुर्थ भाव में विराजमान होगा। इस गोचर अवधि के समय आपके पारिवारिक जीवन में कुछ शांति का वातावरण रहेगा। आपकी माताजी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है तथा घर में स्वयं को सबसे ऊपर सिद्ध करने की आपकी प्रवृत्ति के कारण लड़ाई झगड़ा हो सकता है। इस दौरान प्रॉपर्टी रेंटल के माध्यम से आप अच्छा धन अर्जित कर सकते हैं। साथ ही ऐसी संभावना बनेगी की वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आप कोई प्रॉपर्टी अथवा वाहन खरीद पाएं। आपको अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए। कोई पुरानी चली आ रही बीमारी...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - तुला राशि

धनु

सूर्य आपके नवम भाव का स्वामी है। सूर्य का गोचर आपके द्वितीय भाव में होगा। इस गोचर की अवधि में आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा क्योंकि उसमें कर्कशता बढ़ने के कारण आपको परेशानी हो सकती है। आपके कुटुंब में किसी बात को लेकर बहस हो सकती है तथा सिर एवं नेत्र में पीड़ा होने की भी संभावना रहेगी। खाने पीने में अच्छे भोजन का ध्यान रखें और अधिक तेल मसाले वाला भोजन अथवा बासी व गरिष्ठ भोजन से बचें अन्यथा स्वास्थ्य कष्ट हो सकता है। पिताजी के माध्यम से इस दौरान आपको धन लाभ हो सकता है। यदि आप नौकरी करते हैं तो इस दौरान अपने प्रदर्शन को और अच्छा करें...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - धनु राशि

मकर

सूर्य आप के अष्टम भाव का स्वामी होकर आपकी ही राशि में गोचर के दौरान प्रवेश करेगा, इसलिए इस गोचर का विशेष रूप से प्रभाव आपके ऊपर पड़ेगा। इस गोचर के दौरान आप को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा क्योंकि आपको पेट संबंधित रोग, बुखार आदि होने की संभावना रहेगी और इस दौरान आपकी मानसिक चिंताएं बढ़ सकती हैं। लेकिन आपको चिंतित नहीं होना है और स्वयं धैर्य धारण करना है ताकि स्थितियों का सामना करने के लिए आप सबल रह सकें। आपको कुछ अचानक सामने आने वाली यात्राओं पर जाना पड़ सकता है तथा किसी से झगड़ा होने की भी संभावना रहेगी। आपका मन रहस्यमयी और गूढ़ विद्याओं की ओर आकर्षित होगा...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मकर राशि

मीन

सूर्य आपके षष्ठम भाव का स्वामी होकर गोचर के दौरान आपके एकादश भाव में प्रवेश करेगा। गोचर की इस अवधि में आपके लिए विभिन्न प्रकार के लाभ के मार्ग खुलेंगे। वरिष्ठ अधिकारी आपके पक्ष में रहेंगे और इससे आपको विशेष आर्थिक तथा सामाजिक लाभ मिलेगा। आपके बड़े भाई बहनों का सहयोग आपको प्राप्त होगा तथा आपकी महत्वाकांक्षाओं और अभिलाषाओं की पूर्ति होगी। नौकरी पेशा लोगों को वेतन में वृद्धि होने से अत्यंत प्रसन्नता हो सकती है। पुराने समय से अटके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। शत्रुओं पर विजय की प्राप्ति होगी तथा विवाद के द्वारा धन की प्राप्ति के माध्यम दिखाई देंगे...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मीन राशि

कुम्भ

सूर्य आपके सप्तम भाव का स्वामी है और इस गोचर के दौरान सूर्य आपके द्वादश भाव में प्रवेश करेगा। इस दौरान आप विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। कुछ समय के लिए संभव है कि आपको अपने परिजनों से दूर जाना पड़े। जीवनसाथी से रिश्ते में तनाव बढ़ सकता है तथा उनका स्वास्थ्य भी कमजोर होने की संभावना है। आपके खर्चों में अप्रत्याशित वृद्धि होने के योग बनेंगे जिस पर नियंत्रण रखना आपके लिए आवश्यक होगा, अन्यथा आर्थिक रूप से कुछ परेशानियां आप के सामने प्रस्तुत हो सकती हैं। धर्म संबंधित कार्यों पर आप अधिक धन खर्च कर सकते हैं। हल्की फुल्की आमदनी बनी रहेगी...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कुंभ राशि

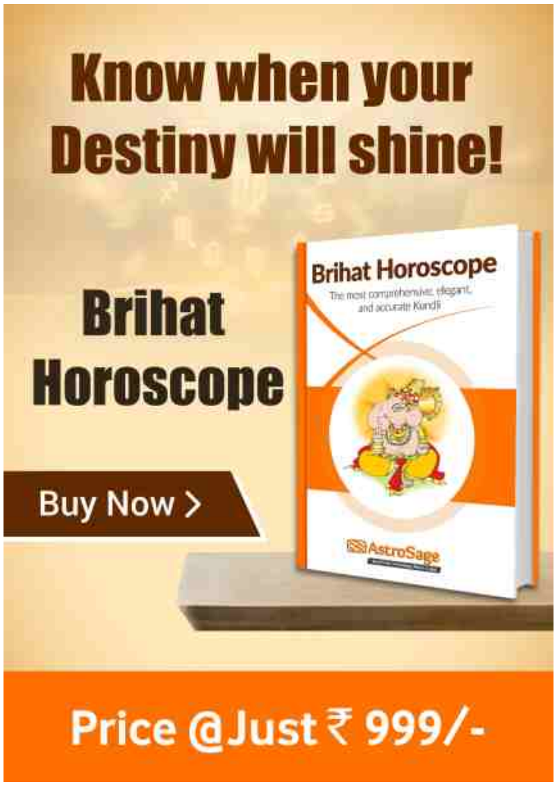

अंकों के आइने में आपका भविष्य

अंक ज्योतिष 2020 (Ank Jyotish 2020) के द्वारा प्रत्येक मूलांक का आकलन करके साल 2020 की भविष्यवाणी की गयी है। अंक ज्योतिष जिसे अंग्रेजी में न्यूमेरोलॉजी (Numerology) कहा जाता है, संख्याओं का विज्ञान है। इसमें हर मूलांक का कोई न कोई ग्रह स्वामी होता है और हर मूलांक संबंधित ग्रह की उर्जा और प्रभाव को दर्शाता है। हर मूलांक संख्या पर किसी न किसी ग्रह का स्वामित्व होता है, जिसका मानव जीवन पर प्रभाव पड़ता है। अंक ज्योतिष की मदद से हम साल 2020 में हमारे जीवन में आने वाली परेशानियों और विपरीत परिस्थितियों के बारे में जान सकते हैं। केवल इतना ही नहीं जीवन में क्या-क्या नया होने वाला है और हमारे जीवन में किस क्षेत्र में नई संभावनाएं उत्पन्न होंगी, इस बात का पता भी हमें अंक ज्योतिष राशिफल 2020 के माध्यम से पता चल सकता है। आइये जानते हैं कि अंक ज्योतिष आपके बारे में क्या कहता है:

भविष्यवाणी

अंक ज्योतिष 2020 (Numerology 2020) भविष्यवाणी के अनुसार साल 2020 का मूलांक '4' है और इसी संख्या के गुणों के अनुसार साल 2020 को ऊर्जा मिलेगी। अगर आप 2020 के अंकों को जोड़ें (2+0+2+0 = 4) तो हमें मूलांक '4' मिलता है। मूलांक '4' पर राहु ग्रह का स्वामित्व है, जिसे अंकज्योतिष तथा वैदिक ज्योतिष दोनों में ही महत्वपूर्ण माना जाता है। राहु के गुणो पर नजर डालें तो यह एक ऐसा ग्रह है जिसके प्रभाव से जातक पुराने रीति रिवाजों को तोड़ते हैं, नये नियम बनाते हैं, हदें पार कर जाते हैं और कई बार ऐसे काम भी कर बैठते हैं, जिनके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है। राहु को राजनीति और जोड़ तोड़ करने वाले ग्रह के रुप में भी देखा जाता है, इसलिये जिन लोगों का संबंध राजनीति, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, वायरलेस, संचार और किसी भी तरह के क्रांतिकारी काम से है, उनके लिये यह साल बहुत महत्वपूर्ण रहेगा।

न्यूमेरोलॉजी भविष्यवाणियों को कैसे पढ़ें

अंक शास्त्र की भविष्यवाणियां आपके मूलांक के आधार पर दी जाती हैं। आपके मूलांक का पता आपकी जन्म की तारीख से पता चलता है। उदाहरण के लिये यदि आपका जन्म दिन 22- 01-2001 को है तो आपका मूलांक 4 होगा। इसके लिये आपको केवल जन्म की तारीख को देखना है। जन्म की तारीख 22 है, अब मूलांक पाने के लिये आप इन दोनों संख्याओं को जोड़ देंगे(22 = 2+2=4) ऐसा करके आपको अपना मूलांक मिल जाएगा। अंक ज्योतिष के अनुसार आपका मूलांक 4 हुआ। आप अपने मूलांक को हमारे न्यूमेरोलॉजी केलकुलेटर से भी जान सकते हैं।

आइये अब आपके जन्म की तारीख और मूलांक की मदद से जानते हैं कि अंकज्योतिष की भविष्यवाणी आपके बारे में क्या कहती है।

मूलांक 1 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

मूलांक 1 का स्वामी ग्रह सूर्य है और इसलिये इस मूलांक वाले व्यक्तियों में गजब की ऊर्जा देखी जाती है और यह लोग शाही जिंदगी जीना पसंद करते हैं। अंक ज्योतिष 2020 के अनुसार साल 2020 इस मूलांक वालों के लिये अच्छा रहेगा। मूलांक 1 के लोग नौकरी और व्यवसाय के क्षेत्र में इस साल उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यस्थल पर इस मूलांक वालों को सफलता मिल सकती है। आपके विचार आपको आगे बढ़ाने में मदद करेंगे और उच्च पदाधिकारियों के साथ आपके अच्छे संबंध आपको अच्छे फल देंगे। साल 2020 आपके अंदर ऊर्जा का संचार करेगा और इस साल आप प्रतियोगी परीक्षाओं को पास कर पाने में भी सक्षम होंगे। इस मूलांक के छात्र इस साल शिक्षा के क्षेत्र में जबरदस्त प्रदर्शन करेंगे, यदि सरकारी सेवाओं की तैयारी कर रहे हैं तो मनमाफिक फल मिलने की उम्मीद है। आपको बस एकाग्रता के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करनी चाहिये।

अंक ज्योतिष के अनुसार साल 2020 में आपको दांपत्य जीवन को लेकर थोड़े तनाव का सामना करना पड़ सकता है और इसका असर आपके स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है, इसलिए इसके प्रति आपको सावधान रहना चाहिए और यदि आप और आपके जीवनसाथी के मध्य किसी प्रकार का तनाव चला रहा है, तो उसे दूर करने का यथासंभव प्रयास करें, ताकि समय रहते चुनौतियों से छुटकारा पाया जा सके, अन्यथा स्थितियां बिगड़ भी सकती हैं। यदि आपका जीवनसाथी कार्यरत है, तो उन्हें इस साल अपने कार्यक्षेत्र में अच्छे लाभ मिलने की संभावना रहेगी।

मूलांक 2 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

मूलांक 2 का स्वामित्व चंद्र ग्रह को प्राप्त है। चंद्र के प्रभाव से आप भावुक और लोगों की परवाह करने वाले होते हैं। अंक ज्योतिष 2020 (Numerology 2020) की भविष्यवाणी के अनुसार साल 2020 में आप अपनी अंदरुनी दुनिया से बाहर निकल कर जीवन को बेहतर बनाने के लिये लोगों के साथ मिलकर काम करेंगे। इस साल आपको टीम प्रबंधन पर ज्यादा ध्यान देना चाहिये और अपने लक्ष्यों के प्रति स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाना चाहिये। अपने साथियों के साथ काम करना आपको कार्यक्षेत्र में सफलता दिलवाने वाला साबित होगा अर्थात अकेले दम पर काम करने के लिए लोगों के साथ मिलकर काम करेंगे तो बेहतर रहेगा।

अंक ज्योतिष 2020 राशिफल के अनुसार आपने बीते कल में ज्यादा सोच-विचार करने की वजह से कई अच्छे मौके गंवाए हैं। अब वो समय आ गया है कि जब आपको मुद्दे की गंभीरता को समझते हुए उसके अनुसार ही काम करना चाहिये। यह साल आपकी घरेलू जिंदगी में

सकारात्मकता लेकर आएगा। वहीं इस मूलांक के कुछ जातकों द्वारा नया घर भी ख़रीदा जा सकता है। इस साल अचल संपत्ति खरीदने के जबरदस्त योग बनेंगे और यदि आप परिवार के लोगों को साथ रखकर काम करेंगे तो जीवन में तरक्की सुनिश्चित होनी चाहिए परिवार का वातावरण भी शांतिपूर्ण रहेगा और आपके कार्यों में परिवार के लोग साथ देंगे प्यार के मामले में आपको अत्यधिक भावुक होने से बचना चाहिए और व्यवहारिक पक्ष को समझते हुए ही व्यवहार करेंगे तो बेहतर रहेगा अन्यथा आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं।

मूलांक 3 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

अंक ज्योतिष 2020 की भविष्यवाणी के अनुसार अगर आपकी मूलांक संख्या 3 है तो साल 2020 में आपको सतर्क रहने की जरुरत है। आपके जीवन में कुछ ऐसी चुनौतियाँ आ सकती हैं, जिनको लेकर आपको काफी सोच विचार करना पड़ेगा। आपका मूलांक स्वामी ग्रह देव गुरु बृहस्पति हैं। इस साल आपको स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को लेकर बहुत सावधान रहने की जरुरत है आपकी सेहत इस साल बिगड़ सकती है, इसका कारण खराब खान पान हो सकता है। बृहस्पति शरीर में चर्बी और वसा पर भी नियंत्रण रखते हैं। यदि आप खाने पीने में लापरवाही बदलेंगे तो आपको मोटापे का शिकार भी होना पड़ सकता है

कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव की वजह से आप इस साल बहुत ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। अगर आप कारोबारी हैं तो इस साल आपको निवेश बहुत सोच समझकर करना चाहिये। इस मूलांक के कई लोगों का मन इस साल घूमने-फिरने का करेगा इसलिये कई यात्राएं आप कर सकते हैं। विदेश जाने के भी आसार हैं। हालांकि इन सब यात्राओं के कारण इस साल आपके खर्चे काफी अधिक रहने वाले हैं, जो आपकी आर्थिक स्थिति पर बोझ डाल सकते हैं। इसलिए अपनी आमदनी को ध्यान में रखते हुए ही खर्चों को नियंत्रण में रखने का प्रयास करें, अन्यथा स्थितियां बिगड़ सकती हैं।

अंक ज्योतिष 2020 राशिफल के अनुसार किसी बड़े काम में हाथ डालने या किसी नए काम को शुरू करने से आपको फिलहाल बचना चाहिए क्योंकि इस साल अधिक संभावना है कि आपको इसका उचित लाभ ना मिल सके और आप अधिक निवेश कर बैठें। समझदारी से निर्णय लें और अपने कार्यों में किसी वृद्ध और अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेकर काम करेंगे तो आपको अनुकूल परिणामों की प्राप्ति हो सकती हैं।

मूलांक 4 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

अंक ज्योतिष 2020 की भविष्यवाणी के अनुसार यह वो साल है जिसका इंतजार आप लंबे समय से कर रहे थे। आप सर्वश्रेष्ठ हैं, यह साबित करने के लिये तैयार हो जाइये। आपका मूलांक आपको इस साल पूर्ण सहयोग करेगा। आप जो भी काम करेंगे, उसमें आपको सकारात्मक

परिणाम और सफलता मिल सकती है। इस साल आप विदेश यात्रा पर भी जा सकते हैं और आपके कई नये दोस्त भी बन सकते हैं। आपका स्वामी ग्रह राहु है। आप अपने परिवार और दोस्तों के साथ इस साल अच्छा समय बिता पाएंगे। इसके साथ ही अपने करियर क्षेत्र में भी आप अच्छे सुधार कर पाएंगे और सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ेंगे। ऐसे व्यक्ति से दूर रहें जो पहले आपका मित्र था और अब शत्रु है। ऐसा व्यक्ति समाज में आपकी छवि खराब कर सकता है। हालांकि आपको अति आत्मविश्वास से बचना चाहिये और चीजों को सकारात्मक बनाये रखने के लिये अपने बड़ों का सम्मान करना चाहिये।

अत्यधिक आवेश में आकर अथवा दूसरों के व्यर्थ झगड़ों में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप ना करें क्योंकि यह सब करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है और आपको इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। अंक ज्योतिष राशिफल 2020 के अनुसार यदि आप राजनीति के क्षेत्र से संबंध रखते हैं तो इस साल आपको जबरदस्त सफलता मिल सकती है और आप ऊँचाइयों पर पहुँचेंगे। हालांकि याद रखें कि अति आत्मविश्वास कभी-कभी आदमी को बहुत ऊंचाई से नीचे गिरा देता है, इसलिए इसका शिकार होने से बचे रहेंगे तो यह साल आपके लिए बेहतर संभावनाएं लेकर आएगा।

मूलांक 5 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

अंक ज्योतिष 2020 (Numerology 2020) की भविष्यवाणी के अनुसार आपका ग्रह स्वामी बुध है जो कि संचार का कारक ग्रह है। अंक ज्योतिष के अनुसार साल 2020 में आपका जीवन अच्छा रहेगा। इस मूलांक

वाले जातकों की शादी की संभावनाएं इस साल बहुत ज्यादा हैं इसके साथ ही इस मूलांक के कुछ जातकों की मुलाकात किसी खास से इस साल हो सकती है और यह शख्स बहुत कम समय में ही आपके बहुत करीब आ जायेगा। अगर आप नया बिज़नेस शुरु करने के बारे में सोच रहे हैं या अपने बिज़नेस को विस्तार देने की सोच रहे हैं तो यह साल आपके लिये अच्छा है, नये कारोबार में आपको अच्छा मुनाफ़ा हो सकता है।

शादीशुदा जातकों के लिये भी यह साल अच्छा रहेगा, अपने जीवन साथी के साथ आप अच्छा समय बिता पाएंगे और उनके साथ मिलकर कोई नया काम भी शुरु कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा लेकिन बच्चों को लेकर आपको कुछ चिंताएं हो सकती हैं। उनकी संगति का ध्यान रखें क्योंकि गलत संगति के चलते हुए वे अपनी राह से भटक सकते हैं। इस साल आपकी संतान आपसे कोई बड़ी मांग कर सकती है जिसे पूरा करना आपके लिए मुश्किल हो सकता है।

यात्राओं की संभावना इस साल थोड़ी कम रहेगी और आपके खर्चे भी नियंत्रण में रहेंगे, जिसकी वजह से आप काफी हद तक इस साल में अनुकूलता हासिल करते हुए अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बना पाएंगे। समाज में आपका मान और सम्मान दोनों बढ़ेंगे जिससे आपकी पर्सनैलिटी का विकास होगा। कुल मिलाकर देखा जाए तो साल 2020 मूलांक 5 वालों के लिये काफी सुखद और प्रोडेक्टिव रहेगा। अंक ज्योतिष 2020:

मूलांक 6 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

मूलांक 6 का स्वामी ग्रह शुक्र है। इसलिये इस मूलांक वाले लोग विलासिता और आराम करना बहुत पसंद करते हैं। हालांकि इस साल आपका व्यवहार थोड़ा अलग रहेगा, इस साल आप शानोशौकत से दूर जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। अंक ज्योतिष 2020 की भविष्यवाणी के अनुसार इस साल आप अपने परिवार के इर्दगिर्द रहना पसंद करेंगे, आपके परिवार को इस साल आपकी ज्यादा जरुरत होगी। उनके साथ समय बिताना ना केवल आपको सुकून देगा बल्कि आपको अपने कामों में आगे बढ़ कर चुनौतियों का सामना करने का साहस भी देगा।

अंक ज्योतिष राशिफल 2020 के अनुसार आप घर के खर्चों पर भी पैसा खर्च कर सकते हैं और इसके साथ ही कुछ अन्य चीजों पर भी आपको खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि इस साल आपको अपने खर्चों में कटौती करने की जरुरत है, आपके खर्चों की अधिकता के कारण आपको आर्थिक समस्याओं से गुजरना पड़ सकता है।

इस मूलांक के नौकरी पेशा लोगों के लिये यह साल अच्छा रहेगा। आपको करियर के क्षेत्र में सफलता मिलने की इस साल पूरी उम्मीद है। हालांकि कार्यक्षेत्र में होने वाली राजनीति से आपको दूर रहने की सलाह दी जाती है। अपने सहकर्मियों के साथ अच्छा व्यवहार करें और वरिष्ठ अधिकारियों से अनुकूलता बनाए रखें तथा कार्यक्षेत्र में महिलाओं का सम्मान करें और यदि आप ऐसा करते हैं, तो उन्हीं के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में सफलता और ऊंचाइयां प्राप्त हो सकती है। इसके अतिरिक्त किसी महिला मित्र के माध्यम से आपको अच्छी सफलता हाथ लग सकती है।

मूलांक 7 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

मूलांक 7 वालों का स्वामी ग्रह केतु है और इस मूलांक के जातक हर किसी की मदद करने के लिये हर संभव कोशिश करते हैं। अंक ज्योतिष 2020 की भविष्यवाणी के अनुसार साल 2020 आपके लिये सकारात्मक रहेगा। इस साल किसी काम की वजह से आपकी वाहवाही हो सकती है, अगर आप विद्यार्थी हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले हैं तो आपको अपने पसंदीदा कॉलेज में इस साल दाखिला मिल सकता है।

आपकी सुलझी हुई लाइफ स्टाइल के कारण आपको कोई ऐसा रास्ता इस साल मिल सकता है जिस पर आगे बढ़ने का विचार आप बना सकते हैं। अंक ज्योतिष राशिफल 2020 के अनुसार इस साल भगवान की कृपा आप पर बनी रहेगी। अगर आप कोई कारोबार करते हैं, तो उसमें आपको अच्छे फलों की प्राप्ति होगी और इसके साथ ही पारिवारिक जीवन में भी सुख-शांति बनी रहेगी। ज़रूरतमंदों की ज्यादा से ज्यादा सहायता करना इस साल आपके लिये अच्छा रहेगा।

इस साल आपको अपने अंदर झांक कर यह देखना होगा कि पिछली ग़लतियों से आपने क्या सीख ली है और यदि आपने कुछ सीख ली है, तो उसका फायदा आपको अवश्य मिलेगा, अन्यथा आपको कुछ परेशानी जरूर हो सकती हैं। इस साल किसी पर भी आँख मूंद कर विश्वास करना आपके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त किसी भी व्यक्ति को बुधवार के दिन अपना धन ना दें, अन्यथा उस धन के वापस लौटने की संभावना नहीं होगी। आपके लिए किसी भी रूप में सामाजिक सरोकार के कार्य करना बेहतर रहेगा।

मूलांक 8 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

मूलांक 8 वाले जातकों की जिंदगी में शनि बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि शनि मूलांक आठ का स्वामी है। अंक ज्योतिष 2020 की भविष्यवाणी के अनुसार आप अपने कामों को लेकर थोड़े सुस्त हो सकते हैं, हालांकि इस साल आप जीवन में आगे बढ़ेंगे और कार्यक्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिये नयी पहल करेंगे।

आपको अपने आलस्य को त्यागना होगा और जो काम ज़रुरी हैं उनपर ध्यान केंद्रित करना होगा। लंबे समय से जो योजनाएं अटकी पड़ी थीं, वो अब चल सकती हैं और उनसे आपको अच्छा मुनाफ़ा हो सकता है। अपने टीम के साथियों का भरोसा जीतने के लिये आपको जी तोड़ मेहनत करनी चाहिये और सबको एक साथ लेकर चलना चाहिये। आपको अपने पिछले प्रयासों से लाभ हो सकता है और साथ ही इस साल आप अपने बच्चों की ग्रोथ को देखकर भी खुश होंगे। अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपको किसी भी परीक्षा में पास होने के लिये अथक प्रयास करने होंगे।

अंक ज्योतिष 2020 राशिफल के अनुसार आपको किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिये इस साल समयनिष्ठ होना पड़ेगा और यदि आप समय के महत्व को समझ पाए, तो आप को सफलता प्राप्त करने से कोई रोक नहीं पायेगा। अपने कार्य क्षेत्र में अपने काम के प्रति संजीदा रहें और अपने काम से फोकस ना हटाएँ ताकि किसी को आपके विरुद्ध बोलने का मौका ना मिले। अपने विरोधियों के प्रति सतर्क और सावधान रहें। यही आपके लिए बेहतर रहेगा। कुल मिलाकर देखें तो यह साल आपके लिये सामान्य रहेगा।

मूलांक 9 वालों के लिये अंकज्योतिषीय भविष्यवाणी

मूलांक 9 का स्वामी ग्रह मंगल है इसलिये आप ऊर्जावान और रिस्क उठाने वाले व्यक्ति हैं। इस साल आप अति आत्मविश्वास का शिकार हो सकते हैं क्योंकि राहु ग्रह आप में अत्यधिक ऊर्जा भर देगा और आप इस ऊर्जा का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। अंक ज्योतिष 2020 की भविष्यवाणी के अनुसार प्रॉपर्टी या प्रॉपर्टी से जुड़े किसी भी काम में निवेश करने से आपको इस साल मुनाफ़ा हो सकता है।

इस साल अपने प्रिय लोगों के साथ आपकी बहस और झगड़ा हो सकता है। इसलिये आपको ऐसी स्थित से बचने के लिये अपने पर काबू रखना चाहिये। इस साल आपको अपने जीवनसाथी से बहसबाजी और उनपर शक करने से भी बचना चाहिये। इस साल आपको अपने परिवार का दायित्व अपने कंधों पर लेना चाहिये और अपने माता-पिता को थोड़ा आराम देना चाहिये। कार्यक्षेत्र में आपकी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा जिससे आपको चमत्कारी परिणाम मिल सकते हैं। आपको अपने सीनियर्स की नजर में एक अच्छे कर्मचारी की तरह जगह बनानी चाहिये।

अंक ज्योतिष 2020 के अनुसार परिवार के लोगों को साथ रखकर चलना आपके लिए आवश्यक भी होगा और फ़ायदेमंद भी इसलिए जहां कहीं भी परिवार के लोगों को आपकी आवश्यकता पड़े, उनका साथ अवश्य दें। आपको अपने दांपत्य जीवन में मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी और जीवन साथी के साथ आपसी मतभेदों को भुलाकर नई शुरुआत करने का अवसर ज़रुर मिलेगा। ध्यान दें कि वह अवसर आपके हाथ से खाली ना जाए।

अगर आप एस्ट्रोसेज की साइट पर जाना चाहते हैं तो यहाँ क्लिक करें

नौकरी में उन्नति के ज्योतिषीय उपाय

कई बार ऐसा होता है कि जॉब कर रहे जातकों को उनकी मेहनत का फल नहीं मिलता है। उनके प्रमोशन में किसी न किसी प्रकार की रुकावट या बाधा देखने को मिलती है। ऐसे लोगों के लिए वैदिक ज्योतिष में नौकरी में तरक्की के उपाय बताए गए हैं। इन उपायों के माध्यम से नौकरी कर रहे जातक आसानी से अपनी मेहनत का फल प्रमोशन और इंक्रीमेंट के रूप में प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं नौकरी में तरक्की पाने के टोटके।

ज्योतिषीय दृष्टिकोण

वैदिक ज्योतिष में दशम भाव कर्म का भाव होता है। इस भाव से हमें नौकरी और व्यवसाय का बोध होता है। इसके अलावा दशम भाव और दशम भाव का स्वामी सांसारिक जीवन में हमारे प्रदर्शन के बारे में सूचित करता है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार कई ग्रह दशम भाव के लिए लाभकारी होते हैं और शुभ फल देते हैं। इनमें सूर्य कार्य क्षेत्र में हमारे लक्ष्य और महत्वाकांक्षा का कारक होता है। मंगल ग्रह हमारी व्यावसायिक आकांक्षा की पूर्ति के लिए ऊर्जा प्रदान करता है और बेहतर प्रयासों के लिए प्रेरित करता है। वहीं बुध ग्रह बुद्धि और ज्ञान का कारक होता है इसलिए बुध के प्रभाव से कार्य क्षेत्र में उन्नति मिलती है। बृहस्पति यानि गुरु की कृपा से नौकरी और व्यवसाय में कई अच्छे अवसर प्राप्त होते हैं, साथ ही करियर के क्षेत्र में बढ़ोत्तरी होती है। इसके अलावा शनि देव जिन्हें कर्म अधिकारी कहा जाता है। वे हर मनुष्य को उसके कर्म के आधार पर शुभ फल और दंड देते हैं। काल पुरुष राशि चक्र में शनि स्वयं दशम भाव के स्वामी हैं। इस वजह से शनि देव कर्म और कार्य क्षेत्र में मनुष्य को अनुशासन, समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए प्रेरित करते हैं।

कुंडली में दशम भाव के स्वामी और दशम भाव के पीड़ित रहने से हमारी प्रोफेशनल लाइफ में परेशानियां आती हैं। जब कोई क्रूर ग्रह दशम भाव में स्थित रहकर अशुभ फल देता है तो इसके परिणामस्वरुप नौकरी और व्यवसाय में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में जॉब मिलने में देरी, नौकरी से निकाला जाना, पदोन्नति नहीं होना, जॉब को लेकर असंतुष्ट रहना और करियर में तमाम तरह की परेशानी देखनी पड़ती है। जन्म कुंडली के अध्ययन से इस बात का पता लगाया जा सकता है।

नौकरी में प्रमोशन पाने के ज्योतिषीय उपाय:

कुंडली में दशम भाव के स्वामी से संबंधित मंत्रों का जप करना चाहिए।

यदि जातक विभिन्न ग्रहों के दुष्प्रभाव से पीड़ित रहता है तो भी नौकरी में परेशानी आती है। इसके निराकरण लिए घर पर नवग्रह हवन या मंदिर में नवग्रह अभिषेक करवाना

नौकरी में प्रमोशन पाने के ज्योतिषीय उपाय:

- कुंडली में दशम भाव के स्वामी से संबंधित मंत्रों का जप करना चाहिए।
- यदि जातक विभिन्न ग्रहों के दुष्प्रभाव से पीड़ित रहता है तो भी नौकरी में परेशानी आती है। इसके निराकरण लिए घर पर नवग्रह हवन या मंदिर में नवग्रह अभिषेक करवाना चाहिए। इसके प्रभाव से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। नवग्रह हवन व अभिषेक से राहु-केतु के दोषों से भी मुक्ति मिलती है।
- सूर्योदय के समय सूर्य देव को जल चढ़ाएं और गायत्री मंत्र या सूर्य मंत्र का जप करें। ऐसा करने से व्यावसायिक जीवन में उन्नति होती है। सूर्य के प्रभाव से मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा मनुष्य को जीवन में आने वाली कठिनाइयों से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है। इसके प्रभाव से आपको कार्य स्थल पर अपने वरिष्ठ सहकर्मियों और अधिकारियों के साथ तालमेल बनाकर चलने में मदद मिलेगी।
- शनिवार के दिन शनि मंदिर में तेल का दीया जलाने से भी नौकरी में आ रही परेशानियां दूर होती है। शनि मंत्र का जप करने से शनि से संबंधित दुष्प्रभाव कम होते हैं। शनि देव की कृपा से मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा से हमारी प्रोफेशनल लाइफ में एक नई ऊर्जा का संचार होता है।
- वे लोग जो व्यवसाय करते हैं उनके लिए व्यापार वृद्धि यंत्र एक वरदान है। इस यंत्र को अपने कार्य स्थल या ऑफिस में स्थापित करें। इस यंत्र के सकारात्मक प्रभाव से धन लाभ, संतुष्टि व आर्थिक हानि का संकट दूर होता है। साथ ही बिजनेस में पार्टनरशिप और व्यवसाय के विस्तार में मदद मिलती है।
- इसके अलावा फेंग शुई के सिद्धांतों के अनुसार उत्तरी दिशा करियर और प्रोफेशनल लाइफ में वृद्धि से संबंधित होती है अत: इससे संबंधित उपाय करने से कार्य क्षेत्र में उन्नति होती है। उत्तर दिशा जल, नीला, काला और बैंगनी रंग का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसे में यदि उत्तर दिशा में पानी का कंटेनर, फुव्वारा, एक्वेरियम और विभिन्न रंगों की मछली व अन्य समुद्री जीव रखना, साथ ही उत्तर दिशा में दीवार पर नीला या काला चित्र लगाना प्रोफेशनल लाइफ के लिए बहुत ही लाभकारी होता है।

नौकरी में प्रमोशन पाने के सरल टोटके:

1. शनि देव की आराधना करें

शनि देव हमारे कर्मों का फल देने वाले देव माने जाते हैं इसलिए नौकरी में प्रमोशन पाने वाले जातकों को शनिवार के दिन शनि देव की पूरे विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से उन्हें नौकरी में शीघ्र पदोन्नति प्राप्त होगी। शनि देव की आराधना करने की विधि:

- प्रत्येक शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त में उठें
- इसके बाद सभी नित्य कर्मों से निवृत्त होकर स्नान करें
- इसके बाद पूजा स्थल (घर, मंदिर) पर पूजन के लिए विशेष प्रबंध करें
- अब पूरे विधि-विधान के साथ पूजा करें
- तिल, तेल और छाया पात्र का दान करें
- धतूरे की जड़ धारण करें
- सात मुखी रुद्राक्ष धारण करें
- शनि मंत्र का जाप करें- “ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनिश्चराय नमः”

सूर्य देव की पूजा करें

सूर्य को समस्त ग्रहों का राजा कहा जाता है। यह जातक की कुंडली में सम्मान, सफलता, प्रगति एवं उच्च पदों को प्रदर्शित करता है इसलिए नौकरी में प्रमोशन की कामना करने वाले जातकों को रविवार के दिन सूर्य की आराधना करनी चाहिए। इससे उनके राजयोग का निर्माण होगा। सूर्य की आराधना के लिए विधिः

- सूर्योदय से पहले उठें और अपनी नग्न आँखों से उगते हुए सूरज का दर्शन करें
- रोज़ाना सुबह-सुबह सूर्य को तांबे के पात्र से जल अर्पित करें
- 12 मुखी रुद्राक्ष धारण करें
- बेल मूल धारण करें
- आदित्य हृदयम स्तोत्र का जाप करें
- सूर्य यंत्र को विधि विधान से स्थापित करें
- सूर्य बीज मंत्र का जाप करें- " ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः"

हनुमान जी की आराधना करें

वैदिक ज्योतिष के अनुसार यदि नौकरी-पेशा करने वाले जातकों को जॉब में प्रमोशन नहीं मिल रहा है अथवा उनकी तनख़्वाह में वृद्धि नहीं हो रही है तो उन्हें मंगलवार के दिन हनुमान जी की आराधना करना चाहिए।

- मंगलवार को शुभ मुहूर्त में हनुमान जी का चित्र/प्रतिमा खरीदें
- उस चित्र/प्रतिमा को घर लेकर आएँ
- अब जिस दिशा में आप सिर रखकर सोते हैं ठीक उसके सामने वाली दीवार पर हनुमानजी का फोटो लगाएँ
- प्रतिदिन उठने के तुरंत बाद बजरंग बली के दर्शन करें
- मंगलवार अथवा शनिवार को हनुमान मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएँ
- हनुमान चालीसा का जाप करें
- मंगलवार के दिन हनुमान मंदिर में सिंदूर चढ़ाएँ
- मंगलवार को बजरंग बाण का पाठ करें
- यदि जातक विदेश में नौकरी पाना चाहते हैं तो हवा में उड़ते हुए हनुमान जी का चित्र अपने घर में ऐसे स्थान पर लगाएँ जहाँ आप उस चित्र को ज्यादा से ज्यादा देख सकें

माँ काली की आराधना करें

नौकरी में तरक्की पाने वाले जातकों को माँ काली की आराधना करनी चाहिए। नौकरी में पदोन्नति पाने का यह अचूक उपाय है।

- सोमवार के दिन श्वेत वस्त्र में काले चावल बांधें
- फिर उन चावलों को माँ काली को अर्पित करें

शिव जी की पूजा करें

शास्त्रों के अनुसार शिव जी की आराधना करने से भक्तों को अखंड लक्ष्मी जी की भी प्राप्ति होती है इसलिए जो जातक अपनी नौकरी में पदोन्नति की कामना करते हैं उन्हें शिवजी की आराधना करनी चाहिए।

- प्रतिदिन शिवलिंग पर जल चढ़ाएँ
- शिवलिंग को अक्षत अर्पित करें
- शिवलिंग का कच्चे दूध से अभिषेक करें
- शिवजी पर बेल पत्र चढ़ाएँ

भगवान विष्णु की पूजा करें

भगवान विष्णु की आराधना करने से भक्तों की मन की मुराद पूरी होती है इसलिए नौकरी में प्रमोशन पाने के इच्छुक जातकों को भगवान विष्णु जी की आराधना करनी चाहिए।

- बृहस्पतिवार के दिन आप विष्णु भगवान की पूजा करें
- गुरुवार के दिन केले के पेड़ को जल चढाएँ
- गुरुवार के दिन किसी मंदिर में पीली वस्तुओं का दान करें

गाय की सेवा करें

गौ माता की सेवा करने से जातकों की मन की मुराद पूर्ण होती है। अतः नौकरी करने वाले को रोज़ाना गौ माता की सेवा करनी चाहिए। इससे आपकी जॉब में उन्नति होगी। फलस्वरुप आपका प्रमोशन अथवा सैलरी में वृद्धि होगी और नौकरी न मिलने से परेशान जातकों को नई नौकरी भी प्राप्त होगी। गौ सेवा के उपायः-

- ऑफिस के लिए घर से निकलते समय अपने साथ थोड़ा आटा व गुड़ लें
- फिर जहाँ रास्ते में गाय दिखें उसे आटा और गुड़ खिलाएँ

पक्षियों को मिश्रित अनाज खिलाएँ

नौकरी या प्रमोशन की इच्छा रखने वाले जातकों को रोज़ाना पक्षियों को मिश्रित अनाज खिलाना चाहिए। नौकरी में रुकावटों, तरक्की अथवा मनवांछित स्थानांतरण पाने के लिए एक दम सरल व अचूक उपाय है।

- सात प्रकार के अनाजों को एक साथ मिलाएँ
- मिश्रित अनाजों में गेहूं, ज्वार, मक्का, बाजरा, चावल, दालें शामिल कर सकते हैं
- अब रोज़ सबेरे इस मिश्रित अनाज़ को पक्षियों को खिलाएँ

नौकरी में तरक़्क़ी पाने, नई नौकरी पाने, सैलरी में वृद्धि के लिए एवं मनपसंद स्थानातंरण के अलावा नौकरी में आ रही रुकावटों को दूर करने के लिए अन्य ज़रुरी उपाय

- किसी ग़रीब को काले कंबल का दान करें
- पिसी हुई हल्दी को बहते पाने में डालें
- घर से निकलने से पूर्व पहले दाहिना पैर निकालें
- सोमवार को कनिष्ठिका अँगुली में चाँदी की अंगूठी में मोती धारण करें
- सुबह पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ाएँ एवं पदोन्नति की कामना करें
- रविवार या मंगलवार के दिन मन में पदोन्नति की कामना करते हुए लाल कपड़े में जटा वाला नारियल बांधें और उसे पूर्व दिशा की ओर बहते हुए जल में प्रवाहित करें
- शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले सोमवार के दिन सिद्ध योग में तीन गोमती चक्र को चाँदी के तार में बाँधकर अपने पास रखें
- घर से निकलते समय एक नींबू को अपने सिर के ऊपर से 7 बार घुमाएँ और चार लौंग इसके अन्दर डालें। अब इस नींबू को अपनी जेब या बैग में रखें और शाम को किसी बहते पानी में या किसी सुनसान जगह रख दें

- यदि मनचाहा स्थानांतरण चाहते हैं तो अपने तकिये के नीचे अनंतमूल की जड़ को रखकर सोएँ
- प्रत्येक शनिवार के दिन पीपल के वृक्ष के नीचे सरसो के तेल का दीपक जलाकर 7 परिक्रमा करें।
- प्रत्येक गुरुवार को पीपल के वृक्ष को जल चढ़ाएँ लेकिन वृक्ष को स्पर्श न करें
- पिता की सेवा करें और उन्हें यथासंभव कुछ उपहार दें
- पीपल के 11 साबुत पत्ते लेकर उन पर लाल सिन्दूर से राम-राम लिखकर प्रत्येक पत्ते को माथे से लगाकर साइड रखते जाएं। जब सभी पत्तों पर राम-राम लिख जाये तो मौली माला बनाकर हनुमान जी से अपनी नौकरी की प्रार्थना करते हुए उन्हें ये माला पहना दें। ऐसा लगातार 7 शनिवार तक करें
- नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जाते समय एक नींबू में 4 लौंग गाढ़कर ॐ हं हनुमंते नमः मंत्र का 21 बार जाप करके नींबू को जेब या पर्स में रखकर जाएं और वापिस आकर ,किसी पीपल के पेड़ के नीचे रख दें
- किसी अच्छे से ज्योतिषी को अपनी जन्म पत्रिका दिखाकर दशम भाव तथा दशमेश को मज़बूती प्रदान करें

अगर आप एस्ट्रोसेज की साइट पर जाना चाहते हैं तो यहाँ क्लिक करें

आपको मिल रहे हैं ये संकेत तो आपकी कुंडली में हैं पितृ-दोष

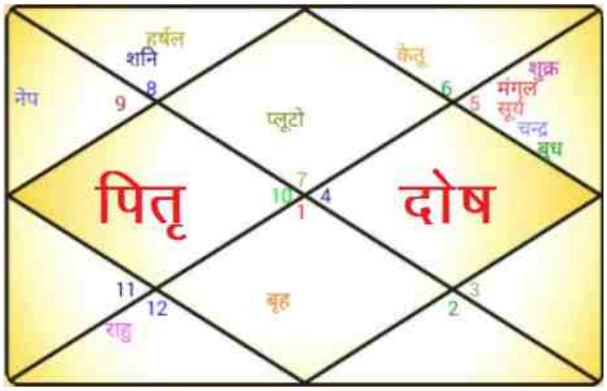

किसी भी जातक की कुंडली के नवम भाव को पूर्वजों का स्थान माना जाता है और नव-ग्रह में सूर्य स्पष्ट रूप से पूर्वजों के प्रतीक माने जाते हैं। ऐसे में जिस किसी भी व्यक्ति की कुंडली में सूर्य बुरे ग्रहों के साथ विराजमान होते हैं या फिर सूर्य पर बुरे ग्रहों की दृष्टि पड़ रही होती है उस जातक की कुंडली में पितृदोष होता है।

कहा जाता है कि यदि किसी की कुंडली में पितृ दोष आ जाता है तो उस व्यक्ति के जीवन में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न होने लग जाती हैं। फिर लगातार प्रयास और कड़ी मेहनत के बावजूद उस व्यक्ति को उसकी मेहनत का फल नहीं मिल पता है। सिर्फ इतना ही नहीं कुंडली में पितृ दोष की वजह से वो इंसान हमेशा दिक़्क़तों में घिरा रहता है। ऐसे इंसानों के घर में हमेशा धन की कमी बनी रहती है, उनके परिवार में कलह रहती है, और ऐसे लोगों के घर में कोई ना कोई हमेशा ही बीमार रहने लग जाता है। अगर इनमें से कोई भी लक्षण आपको आपकी ज़िंदगी में नज़र आने लगे तो समझ जाइये कि आपकी कुंडली में पितृ दोष है और आपको जल्द से जल्द इसका निवारण कर लेना चाहिए।

किस वजह से कुंडली में होता है पितृ-दोष?

ज्योतिषियों के अनुसार जन्म कुंडली में दूसरे, चौथे, पांचवें, सातवें, नौवें, और दसवें भाव में सूर्य, राहु या सूर्य शनि की युति हो तो इसे पितृदोष माना जाता है. अगर सूर्य तुला राशि में स्थित होकर राहु या शनि के साथ युति करें तो इससे व्यक्ति के जीवन में अशुभ प्रभावों में और ज्यादा वृद्धि होती है. इन ग्रहों की युति जिस भाव में होगी उस भाव से संबंधित व्यक्ति को कष्ट और परेशानी अधिक होगी और उनके जीवन में हमेशा ही परेशानी बनी ही रहेगी. इसके अलावा लग्नेश अगर छठे, आठवें, या बारह-वें भाव में हो और लग्न में राहु हो तो भी इससे कुंडली में पितृदोष बनता है.

जानिए किन लोगों को लगता है पितृ-दोष?

गरुड़ पुराण में उस बात का उल्लेख है कि जिन परिवारों में लोग अपने पितरों की पूजा और श्राद्ध नहीं करते हैं, उन्हें पितृदोष लग जाता है।

इसके अलावा पीपल के पेड़ पर पूर्वजों का वास माना जाता है। ऐसे में कहा जाता है कि पीपल के पेड़ को काटने या फिर उसके नीचे अशुद्धि फैलाने वाले लोगों को भी पितृ दोष लग सकता है।

अगर किसी व्यक्ति के पिता या माता की मृत्यु हो गयी हो और उसके बाद भी वो व्यक्ति दूसरे जीवित परिजनों का अनादर करता है तो भी उसपर पितृदोष लग जाता है।

पितृ-दोष के नुकसान

- जिस जातक की कुंडली में पितृ-दोष होता है उस व्यक्ति को हमेशा मानसिक परेशानी लगी रहती है तथा उसके जीवन में पारिवारिक संतुलन नहीं बैठ पाता है।
- ऐसे जातकों के जीवन में बहुत ज्यादा पैसा कमाने के बाद भी घर में बरकत नहीं हो पाती है।
- ऐसे जातकों को खुद से निर्णय लेने में बहुत परेशानी होती है तथा ऐसी हालत में उसको हर मामले में लोगों की सलाह लेनी पड़ती है जो कई बार उनके लिए अनुकूल साबित है होती है।
- ऐसे जातकों को परीक्षाओं तथा साक्षात्कार में भी असफलता ही मिलती है।
- पितृ-दोष से प्रभावित जातक अगर सरकारी या प्राइवेट नौकरी में है तो उन्हें हमेशा अपने उच्च अधिकारियों की नाराज़गी झेलनी पड़ती है और उन्हें प्रोमोशन में भी काफी दिक्कतें आती हैं।
- ऐसे इंसानों को संतान प्राप्ति में बहुत ज्यादा बाधाएं आती हैं जिससे उनके वंश की वृद्धि नही हो पाती है

पितृ-दोष दूर करने के उपाय

श्राद्ध पक्ष में तर्पण करने से इस दोष से मुक्ति मिलती है ज्योतिष में पितृ-दोष को इंसान की कुंडली का सबसे बड़ा दोष माना गया है। ये दोष जिस भी इंसान की कुंडली में आ जाता है उसका जीवन हमेशा के लिए कष्टकारी हो जाता है। जिस भी जातक की कुंडली में पितृ-दोष होता है उसे हमेशा ही धन का अभाव रहता है और इससे उसका मानसिक तनाव भी बढ़ जाता है। ऐसे में कहा जाता है कि श्राद्ध पक्ष में तर्पण करने से पितृ-दोष की शांति होती है.

पितरों को दें धूप

जिस भी जातक की कुंडली में पितृ-दोष के लक्षण नज़र आते हों उसे हर अमावस्या और पूर्णिमा के दिन अपने पितरों को धूप देना शुरू कर देना चाहिए। इसके लिए आप गोबर के कंडे पर शुद्ध घी और गुड़ से धूप करें। इसके अलावा पितरों की शांति के लिए सुबह-शाम पूरे मन में पूजा करें। पूजा में हनुमान चालीसा या अष्टक का पाठ करना फ़लदायी रहता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से पितृ-दोष भी दूर होते हैं, पितृ-पूर्वज लोगों को भी शांति मिलती है और इस दोष से प्रभावित मनुष्य के जीवन की सभी बाधाएं भी धीरे-धीरे ख़त्म होने लग जाती हैं।

शाम के समय में दीप जलाना बिलकुल ना भूलें

पितृ-दोष से प्रभावित इंसान को पीपल के पेड़ के नीचे दोपहर में जल, फूल, अक्षत,दूध, गंगा-जल, काला तिल, इत्यादि चढ़ाना चाहिए और स्वर्गीय परिजनों का ध्यान करके उनसे अपने सुखी जीवन का आशीर्वाद लेना चाहिए। शाम के समय भी दीपक जलाकर नाग स्त्रोत, महामृत्युंजय मंत्र या रुद्र सूक्त या पितृ स्त्रोत और नव-ग्रह स्त्रोत का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से भी जातकों को पितृ दोष से मुक्ति मिलती है।

अपना आचरण सदैव अच्छा रखें

पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए सबसे बेहतरीन उपाय है कि आप अपने जीवन में हमेशा सात्विकता बनाए रखें। अपना आचरण पवित्र रखें और अपनी भाषा में मधुरता लाएं। यहाँ ये भी बात जानने वाली है कि पितृ दोष को दूर करने के लिए किसी भी अमावस्या, पूर्णिमा या पितृ पक्ष में श्राद्ध कर्म किया जा सकता है। ऐसा करने से पितृ तृप्त होते हैं और हमें समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं और हमारे जीवन के सभी कष्ट भी दूर करते हैं।

गौ-माता को रोटी खिलाएं

इसके अलावा घर की महिलाएं रोज़ाना नहाने के बाद ही रसोई में भोजन बनाने के लिए जाएं और खाने की पहली रोटी गौ माता के लिए निकालकर उस पर घी-गुड़ रखकर गाय को खिलाना चाहिए। इसके अलावा चिड़ियों को बाजरे के दाने डालें और कौवों को भी रोटी डालें।

ये तो हो गयी वो बात जब आपको अपनी कुंडली से पितृ-दोष की बात का पता चल जाए लेकिन ऐसे भी कई लोग होते हैं जिनकी कुंडली किन्ही कारण-वश नहीं बन पाती है ऐसे में उन्हें कैसे पता चले कि उनकी कुंडली में पितृ-दोष है की नहीं।

बिना जन्म-कुंडली के पितृदोष के लक्षण पहचानने के तरीके

- अगर सुबह उठने के साथ ही परिवार में अचानक कलह क्लेश होता है तो ये संकेत है की परिवार के किसी ना किसी को पितृ-दोष है।
- अगर किसी इंसान की विवाह की बात अक्सर बनते-बनते बिगड़ जाती है तो उसपर भी पितृ-दोष का प्रभाव हो सकता है।
- अगर आपको बार-बार चोट लगती है और आप दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं तो भी ये इस बात की तरफ इशारा करता है कि आपकी कुंडली में पितृ-दोष है।
- अगर आपके घर मे मांगलिक कामों में विघ्न आता ही रहता है तो भी पितृ-दोष के लक्षण हैं।
- कुंडली में पितृ-दोष के लक्षण हैं वो इस बात से भी पता लगाया जा सकता है अगर अक्सर घर की दीवारों में दरारें भी आती है।
- पितृ-दोष से प्रभावित जातकों के परिवार में या घर मे मेहमान आना बंद हो जाते हैं और उनके दाम्पत्य जीवन के क्लेश के कारण जीवन के मुश्किलें आनी शुरु हो जाती हैं।

पितृ-दोष निवारण का महा-उपाय

हालाँकि यहाँ परेशान होने की ज़रूरत नहीं है। अगर कोई भी इंसान पितृदोष को अपनी कुंडली से खत्म करना चाहता है तो इसके लिए उसे हर अमावस्या पर अपने पूर्वजों और पितरों के नाम से जितना हो सके लोगों को दवा-वस्त्र और भोजन का दान करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें हर बृहस्पतिवार और शनिवार की शाम पीपल की जड़ में जल अर्पण करना चाहिए और पेड़ की सात परिक्रमा करनी चाहिए।

इसके अलावा ऐसे जातकों को शुक्ल-पक्ष के रविवार के दिन सुबह के समय भगवान सूर्य नारायण को तांबे के लोटे में जल, गुड़, लाल फूल, और रोली इत्यादि डालकर अर्पण करना शुरु कर देना चाहिए। इससे जल्द ही इस दोष से निवारण होता है। पितृ-दोष से प्रभावित लोगों को हमेशा

एक जिज्ञासु की प्रश्नावली

पण्डित दीपक शर्मा

आत्मा-परमात्मा, जीवन-मरण, मन-इन्द्रिय, सुख-दुःख, कर्म-अकर्म इत्यादि विषयों को लेकर एक जिज्ञासु व उसके गुरुवर के बीच के संवाद, एक आध्यात्मिक यात्रा.....

प्राय: जीवन की आपाधापी, उठा पठक के बीच ज़्यादातर मनुष्यों के जीवन में एक ऐसा समय भी आता है, जब व्यक्ति के मन में खुद की सच्चाई को जानने का बीज प्रस्फुटित होता है और यदि इस बीज को यथासमय विचार रूपी खाद, पानी मिल जाये तो वही बीज जिज्ञासा रूपी वृक्ष में परिवर्तित हो जाता है और यहीं से शुरु होती है जिज्ञासु की ईश्वर की ओर की यात्रा ! इस यात्रा में अनेकों पड़ाव आते हैं और इसी क्रम में प्रथम पड़ाव है प्रश्नों का। यदि व्यक्ति के मन में उठने वाले विचारों/ प्रश्नों के सही सही उत्तर मिल जाएं तो जिज्ञासा रूपी वृक्ष पर आध्यात्म रूपी फल लगने शुरु हो जाते हैं।
ऐसे ही एक जिज्ञासु और उसके गुरु के बीच के संवादों का एक छोटा सा संकलन यहाँ प्रस्तुत है:

जिज्ञासु: हे गुरुवर आत्मा क्या है, परमात्मा कौन हैं, मन क्या है, आत्मा और जीवात्मा में क्या अंतर है, कृपया बताइये !

गुरुवर:
परमात्मा- चेतना का महासागर, द्दष्टा, अकर्ता, अकर्मा, अनन्त, सर्वस्व, तेजोमय, ज्योति और श्रुति, सच्चिदानंद, सर्वेश्वर, काल रहित, अजन्मा, सम्पूर्ण, जिसके होने भर से सब कुछ होता है, वो बुद्धि-मन की परिधि से परे है, जो भाषित, कल्पित, स्थूल, सूक्ष्म इत्यादि सभी का रचेयता है, जो सम्पूर्ण जगत में एक समान व्याप्त है।

आत्मा - परमात्मा के सम्पूर्ण रुपों व विशेषताओं को लिए हुए उनका अंश।

जीवात्मा- संस्कारों एवं मन से संयुक्त आत्मा 'जीवात्मा' कही जाती है।

शरीर- मन की अतृप्त इच्छाओं के अनुरुप जीवात्मा शरीर धारण करती है।

जिज्ञासु : क्या आत्मा इच्छाओं के अधीन है ?
गुरुवर: 'आत्मा' अकर्ता, अकर्मणा होने के कारण इच्छाओं के अधीन हो ही नहीं सकती।

जिज्ञासु : तो फिर प्रश्न ये उठता है कि क्या आत्मा मन के अधीन है ?

गुरुवर : आत्मा तेजोमय ज्योतिर्पुंज है, शक्ति का साम्राज्य है। आत्मा स्वयं कुछ नहीं करती अपितु उसके होने भर से सब कुछ होता है। जैसे सूरज की किरणों से प्रकाश / रोशनी / उजियारा होता है, पेड़ पौधे समस्त वनस्पतियां जीव जंतु जीवन पाते हैं। ये सब स्वतः ही सूर्य के होने भर से होता है।

जिज्ञासु : शरीर प्राप्ति के कारण क्या हैं?

गुरुवर : मन एवं उसमे उठने वाले विचार ही शरीर प्राप्ति के कारण हैं।

जिज्ञासु प्: काल के तीन खंड कहे गए हैं, भूत, भविष्य और वर्तमान, क्या ये सत्य है?

गुरुवर : भूत एवं भविष्य दोनों मिथ्या हैं, भूतकाल मर चुका है और भविष्य अभी पैदा नहीं हुआ, वर्तमान ही शाश्वत है।

जिज्ञासु : मन क्या है?

गुरुवर : चेतना की विस्मृति ही मन है। वस्तुतः स्थिति यह है कि मन ही इच्छा करता है, मन ही पैदा करता है, जो पैदा किया है उसको भोगता है, और भोग के अनुसार ही सुखी या दुखी होता है।

जिज्ञासु : मन ऐसा क्यों करता है?

गुरुवर : शुद्ध तथा शांत मन में केवल चेतना की ही स्मृति रहती है, लेकिन जब ये विस्मृत हो जाती है, तो मन अपनी उसी शाश्वत सचिदानंद की खोज में क्रिया करता है और कर्मों के बंधन में बंध कर अंतहीन दुखों को भोगता है।

जिज्ञासु : तो इस जीवन मरण के अंतहीन चक्रव्हयू से मुक्ति कैसे पायी जा सकती है?

गुरुवर : अपने भीतर के आनंद और अपने भीतर की पूर्णता की खोज करो, अब बाहर भटकना छोड़ दो!

जिज्ञासु : ये बाहर क्या है और भीतर क्या है?

गुरुवर : बाहर छलावा है, बाहर की सृष्टि मिथ्या है, बाहर दुःख है। भीतर सत्य है, भीतर आत्मा-परमात्मा है, सच्चा आनंद है।

जिज्ञासु : भीतर कैसे जाएं?

गुरुवर : जैसे बाहर गए थे वैसे ही भीतर जाओ!

जिज्ञासु : भीतर जाते ही बाहर की याद सताती है, संसार के विचार आते हैं, क्या करें?

गुरुवर : अब क्रिया करनी छोड़नी होगी, ये विचार भी छोड़ना होगा की विचार आते हैं।

जिज्ञासु : तो क्या अपना परिवार घर संसार छोड़ दूँ?

गुरुवर : किसने कहा ? भीतर जाने का ये मतलब कतई नहीं है कि अपने कर्तव्यों से विमुख हो जाया जाये अपितु भीतर प्रवेश करने के उपरांत ही परिवार के प्रति अपने कर्तव्य सुचारु रूप से निष्पादित कर पायेगा और वो भी प्रसन्नता और आनंद के साथ।

जिज्ञासु : कर्तव्य क्या हैं, क्या कर्त्तव्य ही कर्म का दूसरा नाम है ?

गुरुवर : मनुष्य जन्म लेने के साथ ही जीव कर्तव्यों के बंधन में बंध जाता है और इन सभी कर्तव्यों के निर्वहन हेतु हमें निश्चित कर्म करने होते हैं, अर्थात दायित्वों की पूर्ति हेतु किये गए कार्य 'कर्म' कहलाते हैं।

जिज्ञासु : तो क्या कर्तव्यों को पूरा करने के पश्चात कर्मों के बंधन से मुक्ति मिल जाती है?

गुरुवर : इन सांसारिक कर्तव्यों के अलावा भी जीवात्मा के कुछ और अतिविशेष कर्तव्य होते हैं, जिनमें सर्वोपरि है.. आत्मा को परमात्मा से मिलाने का कर्त्तव्य।

जिज्ञासु : तो क्या इसका अर्थ यह है कि मनुष्य कभी इन कर्मों के बंधन से मुक्त हो ही नहीं सकता ?

गुरुवर : आत्मा के परमात्मा से मिलन के पश्चात कर्म नाम की कोई चीज़ शेष नहीं रह जाती।

हृदय रेखा का महत्व और इसके द्वारा प्रकट होने वाले परिवर्तन

अरुण कुमार मेहरा

एक सशक्त हृदय रेखा जातक की मानसिक व शारीरिक ऊर्जा, दूसरों के प्रति प्रगाढ़ प्रेम की भावना व आकर्षण, संबंधों की मधुरता, आत्मविश्वास और संवेदनशीलता को दर्शाती है। दूसरी ओर एक निर्बल हृदय रेखा आपसी संबंधों में शुष्कता, व्यवहार में स्वार्थता, व्यक्तित्व में धूर्तता और उदासीनता एवं जातक की मानसिक और शारीरिक दुर्बलता को प्रकट करती है। अक्सर यह देखा गया है की हृदय रेखा का उद्गम बृहस्पति अथवा शनि पर्वत एवं उंगलियों से प्रारंभ होता है और यह सूर्य व बुध पर्वत के समानांतर बढ़ते हुए हाथ के किनारे पर समाप्त होती है।

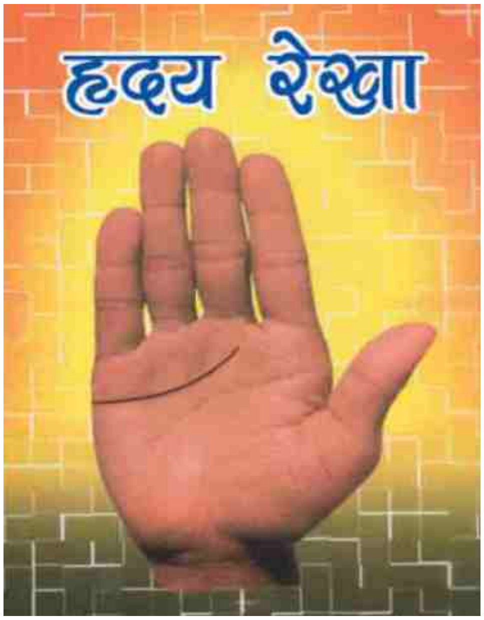

अपवाद स्वरुप कई हाथों में यह देखा गया है कि हृदय रेखा विद्यमान ही नहीं होती, जो कि एक अशुभ संकेत है। ऐसे जातक पाषाण हृदय और असहनशील अमर्यादित, अविश्वसनीय, लोभी और अमानुष प्रवृत्ति के होते हैं। हृदय रेखा स्पष्ट एवं सुघड़ स्थिति में नजर आए तो यह सामान्य व शुभ स्थिति है। अगर यह रेखा अति पतली अथवा बहुत लाल रंग की हो या असामान्य रुप से गहरी व खोखली या श्रृंखला कार प्रतीत हो तो जातक का व्यवहार मानसिक रुप से निर्बल, हिंसक प्रवृत्ति व तनावपूर्ण होता है।

जातक के जीवन में आने वाली मानसिक व शारीरिक घटनाओं को उसकी आयु के अनुपात में या आयु स्थिति निर्धारित करके हृदय रेखा के परिवर्तनीय आकार के आधार द्वारा समझा जा सकता है।

इस से यह निष्कर्ष निकलता है की हृदय रेखा हाथ की प्रमुख रेखाओं में से एक है एवं महत्वपूर्ण मार्गदर्शक है।

हस्तरेखा शास्त्र में हृदय रेखा को अगर समझना हो तो निम्न उदाहरण से उसको आसानी से समझा जा सकता है:

हृदय रेखा की शुरुआत बृहस्पति पर्वत से होती है और वह जैसे जैसे हाथ पर अपने मार्ग पर अग्रसर होती है, तो कई तरह के आकार ले सकती है। यह आकार जातक की मनोदशा या व्यवहार में आए परिवर्तन को उसकी उम्र के हिसाब से अंकित करते हैं।

इस प्रकार के परिवर्तन को हम जातक की आयु से जोड़कर यह अनुमान लगा सकते हैं कि कब-कब इस प्रकार के परिवर्तन हुए हैं या होने वाले हैं।

यदि हृदय रेखा बृहस्पति पर्वत से आरंभ होकर शनि पर्वत तक पहुंचते हुए गहरी हो जाये और सामान्य स्थिति में अग्रसर हो और शनि पर्वत से सूर्य पर्वत की दूरी तय करते वक्त वह चौड़ी और खोखली बन जाए और उसके पश्चात आगे बढ़ते हुए बुध पर्वत तक का मार्ग तय करते हुए

पतली हो जाए और अन्त तक का रास्ता तय करते हुए वह श्रृंखला कार बन जाए तो इसे आयु की दृष्टि से इस प्रकार समझा जा सकता है कि शुरुआत से 24 वर्ष की आयु तक हृदय रेखा सामान्य रूप में स्थापित थी, 24 वर्ष से 43 वर्ष तक का समय चौड़ी और खोखली हो गई और 43 वर्ष से 60 वर्ष की अवधि में यह रेखा पतली होती हुई 60 वर्ष के बाद श्रृंखला कार हो गई है।

इसे हम इस तरह विवेचित कर सकते हैं कि जातक अपनी जिंदगी के शुरु के 24 वर्ष पूरे होने तक बहुत आत्मविश्वासी, कोमल हृदय व अपने संबंधों में प्रेम करने वाला होगा। 24 वर्ष से 43 वर्ष की आयु की अवधि में जातक की प्रवृत्ति में मन की दुर्बलता, चिंता व आत्मविश्वास की कमी हो जाएगी। 43 वर्ष की आयु से लेकर 60 वर्ष तक की आयु पहुंचने तक जातक बेईमान, दुष्ट प्रवृत्ति और स्वार्थी हो जाएगा व केवल अपना उल्लू साधेगा और 60 वर्ष से लेकर अपने बाकी समय के जीवन पर्यंत जातक कमजोर व अपने संबंधों में संकीर्ण प्रवृत्ति वाला हो जाएगा और वृद्वावस्था की ओर बढ़ते हुए वह परेशानियों और तकलीफों में घिर जाएगा।

तो इस प्रकार हम जातक की हृदय रेखा के आकार व गति के हिसाब से जातक की उम्र व मनोस्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

जनवरी 2020 मासिक राशिफल

जनवरी का महीना हमेशा नई नई उम्मीद लेकर आता है क्योंकि यह वर्ष का पहला महीना होता है। इस महीने में आप पूरे वर्ष के लिए अपनी प्लानिंग करते हैं इसलिए यह आवश्यक है कि आप जाने की इस महीने ऐसे कौन से ग्रह अपने स्थान परिवर्तन करेंगे जो आप पर प्रभाव डालेंगे और वह प्रभाव सकारात्मक होगा या नकारात्मक यह भी आप जान पाएँ। इस महीने में सबसे बड़ा गोचर शनि देव का होगा जो लगभग ढाई वर्ष की अवधि व्यतीत करने के बाद 24 जनवरी को अपनी स्वराशि मकर में प्रवेश करेंगे। इस गोचर के साथ ही वृश्चिक राशि के जातकों को शनि की साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी और जीवन में सुख शांति की वृद्धि होगी तथा मानसिक चिंताओं का ह्रास होगा। जनवरी के मध्य तक सूर्य देव धनु राशि में रहेंगे और उसके बाद 15 जनवरी को मकर राशि में प्रवेश कर जाएंगे और मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। इस प्रकार सूर्य का गोचर धनु और मकर राशियों पर अधिक प्रभाव दिखाएगा। इसी महीने में 9 जनवरी को शुक्र देव की कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे और बुध देव 13 जनवरी को मकर में और उसके बाद 31 जनवरी को कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। ग्रहों का यह बदलाव आपके जीवन में अनेक प्रकार के परिवर्तनों को लेकर आएगा। तो आइये यह जानते हैं कि वर्ष 2020 के पहले महीने जनवरी का मासिक राशिफल आपके लिए क्या सौगात लेकर आया है?

मेष राशि

मेष राशि के लोग काफ़ी मेहनती होते हैं और हर काम में खुद को आगे रखकर पहल करना पसंद करते हैं। कभी कभी जल्दबाजी के कारण यह ऐसे कार्य कर बैठते हैं, जिनके कारण बाद में पछताना पड़ता है। लेकिन दिल से बहुत अच्छे होते हैं और जिनसे प्यार करते हैं उनके लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यही खूबी इनको सबसे आगे रखती हैं और लोग इन्हें पसंद करते हैं। यह जल्दी किसी निर्णय पर पहुंचना पसंद करते हैं। हालांकि इनकी खासियत यह है कि यह बुरी बातों को ज्यादा याद नहीं रखते जिससे इनके दोस्त अधिक रहते हैं। आपकी पर्सनालिटी में एक आकर्षण होता है जिससे लोग आपकी ओर खिंचे चले आते हैं।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मेष राशि

वृषभ राशि

वृषभ राशि में जन्म लेने के कारण आप अपनी धुन के पक्के होते हैं और अत्यधिक मेहनत करने वाले होते हैं। इनका चिन्ह वृषभ होता है जो धर्म का प्रतीक है और मेहनत करने की ओर इशारा करता है। जब तक इन्हें कोई परेशान ना करें यह अपने काम से काम रखते हैं लेकिन अगर किसी ने ने परेशान किया तो फिर भी उसका पीछा नहीं छोड़ते। आप ज़मीन से जुड़े होते हैं क्योंकि वृषभ एक पृथ्वी तत्व की राशि है। आप स्वभाव से रोमांटिक होते हैं इसलिए आपकी प्रेम की सीमा का कोई अंत नहीं। आप जीवन के सभी सुख भोगना चाहते हैं और उसके लिए मन लगाकर मेहनत करते हैं आपकी यही खूबी आपको सबसे अलग बनाती है

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - वृष राशि

मिथुन राशि

आपकी राशि आपको अपने विचारों को दूसरों के सामने प्रकट करने में माहिर बनाती है। आप बोलने की कला में निपुण हैं और इसके द्वारा आपको समय समय पर फायदा मिलता रहता है। आप एक प्रैक्टिकल व्यक्ति हैं जो स्थिति और परिस्थिति के अनुसार ही कार्यों को अंजाम देते हैं। आपकी यह खूबी आपको व्यावहारिक रूप से काफी उन्नत बनाती है लेकिन दूसरी ओर कभी-कभी आपका बड़बोलापन आप के नुकसान का कारण भी बन जाता है। कभी-कभी आप शारीरिक रूप से उसने स्वस्थ नहीं होते लेकिन आपका दिमाग बहुत तेज होता है और अपने हाजिर जवाब स्वभाव के कारण आप हर जगह से प्रशंसा बटोरते हैं।आपकी आंखों में एक चमक होती है,

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मिथुन राशि

सिंह राशि

सिंह राशि में जन्म लेने के कारण आप स्वभाव से ही सिंह के गुण अपने अंदर रखते हैं अर्थात एक राजा की भांति आपका स्वभाव होता है और आप राजसी वैभव भोगना चाहते हैं। अक्षर आप आलस्य का शिकार होते हैं और कई बार आपके हाथ से अवसर निकल जाते हैं। लेकिन आपकी खूबी यह है कि आप मैं जब एक बार ठान लिया कि कुछ करना है तो आप उसे करके ही मानते हैं। आपके अंदर नेतृत्व करने की क्षमता जन्म से ही विद्यमान होती है इस कारण आप पूरे समूह को आसानी से नियंत्रित कर सकते हैं। सिंह एक अग्नि तत्व राशि होने से आपके अंदर गुस्सा भी होता हैऔर स्थिर स्वभाव राशि होने के कारण आप अपने निर्णयों पर एक बार पहुंचने के बाद उन्हें आसानी से परिवर्तित करना

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - सिंह राशि

कर्क राशि

कर्क राशि के लोग स्वभाव से भावुक, परिवार के प्रति समर्पित और एक अच्छे प्रेमी होते हैं। ये बुद्धिमान होते हैं, लेकिन अक्सर दिमाग की जगह दिल का इस्तेमाल करते हैं, जिसकी वजह से कई बार इन्हें मानसिक आघात पहुँचता है। यह किसी की भी बात को बहुत जल्दी दिल से लगा कर बार-बार उसी बात को सोचकर स्वयं को परेशान करते हैं। लेकिन जिन्हें यह अपना मानते हैं उनके लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करना इनकी खूबी है। हालांकि आप कई बार स्वार्थी भी हो सकते हैं और अत्यधिक भोजन करने की आदत के कारण आप मोटापे का शिकार भी हो सकते हैं। जनवरी का महीना कई मामलों में आपके लिए स्पेशल होने वाला है।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कर्क राशि

कन्या राशि

कन्या राशि होने के कारण आप काफी व्यवहारिक हैं और अपनी भावनाओं को प्रदर्शित करना बखूबी जानते हैं। आप भावना के स्तर पर नहीं बल्कि हक़ीक़त के स्तर पर जीते हैं। इसलिए आप जीवन में अच्छी सफलता अर्जित करते हैं। आप हर महफिल की जान होते हैं और उम्मीद करते हैं कि आपके चारों ओर रहने वाले लोग आपकी प्रशंसा भी करें। लेकिन ऐसा नहीं है कि आप केवल व्यर्थ नहीं ऐसा करते हैं बल्कि आप इस योग्य हैं कि आप प्रशंसा प्राप्त करें। आपको अपनी तारीफ सुनने में अच्छा महसूस होता है और आप खुद को सजाने संवारने पर भी अच्छा ध्यान देते हैं।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कन्या राशि

तुला राशि

तुला राशि के अंतर्गत जन्म लेने के कारण आप शुक्र गृह से प्रभावित होते हैं और इस के कारण देखने में खूबसूरत और अच्छे नैन नक्श वाले होते हैं और लोग आप की ओर सहज रूप से ही आकर्षित हो जाते हैं। आप अपने जीवन में सामंजस्य को महत्व देते हैं और हर बात को उसकी तह तक जाकर जाँचना चाहते हैं और फिर किसी निर्णय पर पहुंचते हैं। हालांकि तुला चर स्वभाव की राशि है इसलिए आप परिस्थितियों और वातावरण के अनुसार भी खुद को ढालने में माहिर होते हैं लेकिन कभी-कभी इस सामंजस्य बिठाने के कारण यह वास्तविकता से थोड़ा दूर हो जाते हैं, जिसका ख़ामियाज़ा आपको समय समय पर भुगतना पड़ता है। आप के अंदर गजब की चुंबकीय क्षमता है

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - <u>तुला राशि</u>

धनु राशि

धनु राशि का स्वामित्व होने के कारण आप अपने लक्ष्य के प्रति केंद्रित और सदैव गति मान रहना पसंद करते हैं। आपकी अग्नि तत्व राशि होने के कारण और गुरु उस का स्वामी होने के कारण आप ज्ञान के बल पर हर स्थिति का अवलोकन करते हैं और उसके बाद परिस्थितियों का सामना करते हैं। यहां शारीरिक और मानसिक तथा ज्ञान के स्तर पर आप हर तरीके से अपनी चुनौतियों से आगे बढ़ते हैं। आपको आज़ादी पसंद है और आप अपनी स्वतंत्रता में किसी का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करते। यही वजह है कि कई बार आपके निजी जीवन में परेशानियां आ जाती हैं क्योंकि आप अपने रिश्तो में इतनी गहराई तक नहीं जा पाते जितनी की आवश्यकता होती है।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - <u>धनु राशि</u>

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि से संबंधित होने के कारण आपके अंदर मंगल का प्रभाव स्पष्ट रुप से देखा जा सकता है जिसकी वजह से आप किसी भी कार्य को करने से पीछे नहीं हटते। एक बार जो करें अपने मन में ठान लिया आप से कर के रहेंगे। आप अपनी लाइफ में लक्ष्य के प्रति समर्पित होते हैं और उस लक्ष्य को पाने के लिए किसी भी बड़ी से बड़ी कुर्बानी के लिए तैयार रहते हैं। आपकी इसी अच्छाई से आप करियर में बहुत ऊँचे मुकाम तक पहुंचते हैं हालांकि कई बार आपकी सफलता आपके विरोधियों को आपके विरुद्ध कुछ कहने का मौका दे देती है। आप अपने साथ की गई किसी भी धोखेबाजी को बर्दाश्त नहीं करते

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - <u>वृश्चिक राशि</u>

मकर राशि

मकर राशि में जन्म लेने के कारण आप व्यवहारिक हैं और गहरी सोच रखते हैं। आपकी सबसे बड़ी कमज़ोरी है आप का आलस्य और आपका किसी भी कार्य के लिए उतावलापन। इस वजह से आप जल्दबाजी में कुछ ना कुछ गड़बड़ कर देते हैं, जिससे कोई अच्छी अपॉर्चुनिटी आपके हाथ में आते आते चली जाती है। आप की खास बात यह है कि आप धैर्य रख सकते हैं और यह आपकी सबसे बड़ी पूँजी है क्योंकि उस के बल पर आप अनेकों काम बना पाते हैं। कभी-कभी आपको अकेलापन काफी पसंद आता है लेकिन इस महीने आपको इससे दूर रहना चाहिए नहीं तो आप मानसिक अवसाद का शिकार हो सकते हैं।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - <u>मकर राशि</u>

कुंभ राशि

कुंभ राशि के अंतर्गत जन्म लेने के कारण आपके अंदर शनिदेव की कुछ विशिष्ट ख़ूबियाँ पाई जाती हैं जिनमें धैर्य और संयम सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। आप अपने विचारों के प्रति दृढ़ होते हैं और आसानी से जब तक बिना कोई पुख्ता बुनियाद हो, आप अपना विचार बदलना पसंद नहीं करते। आप जीवन में तरक्की करते हैं लेकिन धीरे-धीरे इसलिए आपकी तरक्की और उसके बाद होती है लेकिन जब एक बार आपने तरक्की करनी शुरू कर दी तो फिर आप पीछे पलट कर नहीं देखते। आप अक्सर लंबे कद के और गहरी सोच रखने वाले होते हैं। आपके व्यवहार में और आपके जीवन में दृढ़ता और ठहराव पाया जाता है

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कुंभ राशि

मीन राशि

गुरु बृहस्पति के आधिपत्य में आने वाली मीन राशि में जन्म लेने से आपके अंदर सभा के रूप से ज्ञान होना स्वभाविक है और ज्ञान के प्रति लालायित रहना भी आप की एक खूबी है। आप नई से नई चीज सीखना चाहते हैं जिससे आपके ज्ञान की वृद्धि हो और आप उसके आने को आगे और लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। इसी कारण आपकी राशि के लोग अधिकतर टीचर और प्रोफेसर बनते हैं। जल तत्व की राशि होने के कारण आप काफी भावुक है और अक्सर आपकी इस भावुकता का लोग लाभ उठा जाते हैं। वहीं दूसरी और आप भी अपनी इस भावना के खुद भी शिकार होते हैं

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मीन राशि

एस्ट्रोसेज पत्रिका में विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें

9810881743, 9560670006

केरल के इस अनोखे मंदिर में दूध चढ़ाने पर उसका रंग सफ़ेद से हो जाता है नीला

लीशा चौहान

देवों के देव महादेव के भक्त उन्हें खुश करने के लिए देश-दुनिया में स्थित अलग-अलग मंदिरों में जाकर उनकी पूजा-अर्चना करते हैं।

देश के हर कोने में मौजूद हैं शिव मंदिर

भारत की बात करें तो उसके करीब-करीब हर राज्य में ही प्राचीन व अनोखे शिव मंदिर है, जिनके दर्शन करने हर वर्ष देश-विदेश से लाखों भक्त पहुंचते हैं। इन मंदिरों में से कई शिव मंदिर ऐसे भी हैं, जहां तक पहुँचना कोई आसान काम नहीं होता बल्कि भोले बाबा के दर्शन के लिए भक्तों को बेहद दुर्गम यात्रा करनी पड़ती है।

केरल का नागनाथस्वामी मंदिर है बेहद अनोखा

इसी कड़ी में आज हम आपको महादेव के एक ऐसे अनोखे एवं बेहद रहस्मयी मंदिर के बारे में बताएँगे, जिसके चमत्कार के चर्चे देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध हैं। हम जिस मंदिर के बारे में आपको बता रहे हैं वो मंदिर मुख्य रूप से केतु को समर्पित बताया जाता है। यह मंदिर केरल के कीजापेरूमपल्लम गांव में स्थित नागनाथस्वामी मंदिर है जिसे केति स्थल के नाम से भी जाना जाता है। कावेरी नदी के तट पर बने इस अनोखे मंदिर के पीछे का रहस्य ही हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करता है।

ग्रह डालते हैं मानव जीवन पर बहुत असर

हिंदू धर्म में कई देवी-देवताओं को मानने का प्रचलन पौराणिक काल से ही चला आ रहा है। देवी-देवताओं के साथ-साथ सनातन धर्म में नव ग्रह की भी पूजा किये जाने का विधान है। जिनमें राहु और केतु का भी अपना एक विशेष महत्व बताया गया है। जिस प्रकार वैदिक शास्त्र अनुसार हर ग्रह का उससे संबंधित जातक के ऊपर कुछ न कुछ प्रभाव अवश्य ही पड़ता है। ठीक इसी तरह छाया ग्रह मानें जाने वाले राहु-केतु भी जातक के जीवन को प्रभावित करने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं।

केतु को समर्पित है ये मंदिर

ऐसे में भले ही ये अनोखा मंदिर केतु को समर्पित हो लेकिन यहाँ मंदिर के प्रमुख भगवान शिव जी बताए जाते है और यही मुख्य वजह है कि ये मंदिर विश्व भर में नागनाथ के नाम से भी प्रसिद्ध है।

यहाँ दूध का रंग बदलकर हो जाता है नीला

इस रहस्यमय मंदिर में अपने जीवन में केतु के दुष्प्रभावों को खत्म करने के लिए लोग दूर-दूर से यहाँ आकर केतु के

ऊपर दूध चढ़ाते हैं; लेकिन सबसे ज्यादा हैरान कर देने वाली बात इस मंदिर की ये है कि इस मंदिर में कुछ लोगों के द्वारा केतु को दूध चढ़ाए जाने पर उस दूध का रंग बदलकर नीला हो जाता है। दूध के बदलते रंग के पीछे लोगों की ऐसी मान्यता है कि जो लोग केतु ग्रह के किसी भी प्रकार के दोष से पीड़ित होते हैं केवल उनके द्वारा चढ़ाया गया दूध ही रंग बदलकर नीला हो जाता है।

इस मंदिर से जुड़ी पौराणिक कथा

ऐसे में यहाँ की इस अनोखे केति स्थल से संबंधित एक पौराणिक कथा भी बेहद प्रसिद्ध है। जिसके अनुसार एक बार एक महान ऋषि के श्राप से मुक्त होने के लिए केतु ने यही पर भगवान शिव की आराधना प्रारंभ की थी। जिसके बाद भगवान शिव ने केतु की तपस्या से खुश होकर शिवरात्रि के दिन उसे ऋषि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी।

तभी से केतु को समर्पित इस मंदिर के प्रमुख भगवान शिव को ही माना जाता है। कई लोग इसके पीछे की एक अन्य वजह भी मानते हैं कि केतु को सांपों का देवता भी कहा जाता है, जिसके प्रमुख भी भगवान शिव ही है।
ऐसे में इस अदभुद मंदिर में दूध के इस तरह बदलते रंग वाली घटना से यहां सभी लोग अच्छी तरह वाक़िफ़ है और इसी मुख्य व रहस्यमय वजह के चलते यहाँ हर साल सावन के माह में भक्तों का तांता लगा रहता है।

अगर आप एस्ट्रोसेज की साइट पर जाना चाहते हैं तो यहाँ क्लिक करें

राशिफल 2020: नए साल का लेखा जोखा

वैदिक ज्योतिष पर आधारित इस भविष्यफल में आपकी सभी संभावनाओं को बताया गया है। इस फल कथन के द्वारा जानें अपने व्यवसाय, नौकरी, धन, स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक जीवन से जुड़ी सभी भविष्यवाणियां। यदि आप जानना चाहते हैं कि वर्ष 2020 में आपकी आर्थिक स्थिति कैसी रहेगी? या धन संबंधी मामलों में आपको किन किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और उन चुनौतियों से निपटने के लिए क्या कारगर उपाय होंगे? तो यह सब कुछ इस राशिफल 2020 (Horoscope 2020) के द्वारा आप जान सकते हैं।

हम आशा करते हैं कि इस लेख की सहायता से आप नए साल में नए लक्ष्य तय करें और जीवन में किसी भी प्रकार के जोख़िम लेने से पहले एक बार ज्योतिषीय सलाह अवश्य लें क्योंकि बाद में पछताने से अच्छा है कि आप जानकारी पाकर पहले से ही सतर्क हो जाएं और किसी भी चुनौती का डटकर सामना कर पाएँ। तो चलिए अधिक जानकारी पाने के लिए पढ़ें राशिफल 2020 और जानें अपना भविष्यफल व अपनी समस्याओं को दूर करने के विशेष उपाय। यक़ीन मानिए हमारे द्वारा बताए गए उपायों से आपका आने वाला वर्ष न केवल काफी सुख शांति से परिपूर्ण रहेगा बल्कि इस वर्ष आपका जीवन भी ख़ुशियों से भरपूर हो जाएगा।

मेष राशिफल

राशिफल 2020 के अनुसार मेष राशि के जातकों को इस वर्ष उत्तरार्ध में स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। वर्ष की शुरुआत में स्थितियां उतार-चढ़ाव से भरी रहेंगे इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान तो आपको रखना ही होगा। प्रेम जीवन में कुछ कठिनाई आ सकती हैं लेकिन आपका प्रेम मजबूत है जिस कारण चुनौतियों के बावजूद भी आप दोनों अच्छे से परिस्थितियों को संभाल लेंगे।

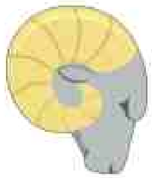

- मेष राशि

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें

वृषभ राशिफल

वृषभ राशिफल 2020 के अनुसार आपका स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आपको काम और आराम के बीच संतुलन साबित करने की आवश्यकता होगी क्योंकि आपको शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें

- वृषभ राशि

मिथुन राशिफल

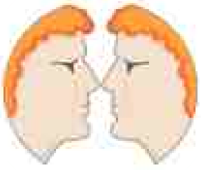

मिथुन राशिफल 2020 के अनुसार वर्ष की शुरुआत स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगी हालांकि आपको समय-समय पर चिकित्सीय परामर्श की आवश्यकता पड़ेगी। इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें और छोटी से छोटी समस्या को बिल्कुल भी नज़रअंदाज़ ना करें। प्रेम संबंधों के लिए वर्ष काफी अच्छा रहेगा और इस दौरान प्रेम जीवन में उत्तम फलों की अनुभूति होगी।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - मिथुन राशि

कर्क राशिफल

कर्क राशिफल 2020 के अनुसार इस वर्ष आपको अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए और संतुलित दिनचर्या का पालन करें। आपको पित्त संबंधित शारीरिक समस्याएं होने की संभावना है। प्रेम जीवन में कई दीर्घकालीन बदलाव आ सकते हैं जिससे आप एक आदर्शवादी प्रेमी के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे। ध्यान इस बात का रखें कि एक से अधिक लोगों में आपकी रुचि बढ़ने से आपके रिश्ते पर प्रभाव पड़ेगा।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कर्क राशि

सिंह राशिफल

सिंह राशिफल 2020 के अनुसार इस वर्ष आपको आरोग्य की प्राप्ति होगी और उत्तम स्वास्थ्य का आप आनंद उठाएंगे। बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि समय अनुसार ध्यान अथवा योग करते रहे और एक्सरसाइज करें ताकि मोटापा, डायबिटीज़ की समस्याओं से आप मुक्त रहें। प्रेम जीवन में बदलाव आ सकते हैं

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - सिंह राशि

कन्या राशिफल

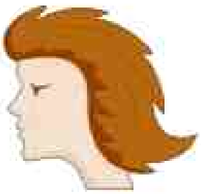

कन्या राशिफल 2020 के अनुसार इस वर्ष आप स्वास्थ्य के मामले में काफी भाग्यशाली सिद्ध होंगे और उत्तम स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। बस आपको अपनी दिनचर्या को नियमित रखना होगा। इस वर्ष प्रेम जीवन में काफी गहराई आएगी और आप अपने साथी के प्रति और अधिक निष्ठावान बनेंगे।आपके प्रेम में स्थिरता आएगी और प्रियतम के साथ सुकून भरे पलों का आनंद लेंगे।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - कन्या राशि

तुला राशिफल

तुला राशिफल 2020 के अनुसार इस साल आपका स्वास्थ्य कमजोर रहने की संभावना है। आपको अपच, वायु रोग, सिर दर्द, जोड़ों में दर्द, चिकन पॉक्स तथा शरीर में दर्द जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। उत्तम शरीर ही जीवन का सबसे बड़ा धन है इसलिए अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति कोई भी लापरवाही ना बरतें।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें - तुला राशि

वृश्चिक राशिफल

वृश्चिक राशिफल 2020 के अनुसार, यह साल आपको अच्छे स्वास्थ्य की ओर लेकर जाएगा। समय-समय पर कुछ मानसिक परेशानियां सामने आ सकती है लेकिन कोई बड़ी समस्या होने की स्थिति दिखाई नहीं देती। प्रेम जीवन में इस साल काफी सुकून मिलेगा और जो लोग सिंगल हैं उनके जीवन में कोई नया व्यक्ति आ सकता है।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें– वृश्चिक राशि

धनु राशिफल

धनु का वार्षिक राशिफल 2020 यह बताता है कि इस साल आपका स्वास्थ्य अच्छा रह सकता है और केवल छोटी-मोटी समस्याओं को छोड़कर कोई बड़ी समस्या होने की संभावना ना के बराबर है। प्रेम संबंधों के लिए भी यह अवधि काफी अच्छी रहेगी और आप अपने प्रियतम के साथ संबंधों में निकटता का अनुभव करेंगे।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें– धनु राशि

मकर राशिफल

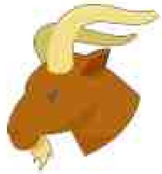

मकर राशिफल 2020 के अनुसार यह साल आपके लिए कई मायनों में अच्छा रहेगा। हालांकि आपको स्वास्थ्य से संबंधित मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी। पुराने समय से चली आ रही किसी बीमारी से आप उबर जाएंगे। आपको जीवन से जुड़े कई मोर्चों पर काफ़ी मेहनत करनी होगी। प्रेम जीवन के लिए वर्ष काफी अनुकूल रहेगा और आप में से कुछ लोगों को विवाह की शहनाइयां सुनने का मौका मिलेगा

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें– मकर राशि

कुम्भ राशिफल

कुंभ राशिफल 2020 के अनुसार इस साल कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और आपको मिश्रित परिणामों की प्राप्ति होगी। इस वर्ष आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष रुप से ध्यान देना होगा क्योंकि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। इस साल अनेक यात्राएं होंगी जिनमें से कुछ में आपको मनोवांछित परिणाम प्राप्त होंगे। हालांकि आपकी आमदनी अच्छी रहेगी लेकिन अत्यधिक ख़र्चों की वजह से वित्तीय समस्या उत्पन्न हो सकती है।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें– कुम्भ राशि

मीन राशिफल

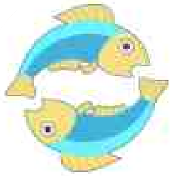

मीन राशिफल 2020 के अनुसार इस वर्ष आपको अपने कार्य में सफलता मिलेगी और उत्तम धन लाभ की प्राप्ति होगी। आपको अपने प्रियजनों, दोस्तों और करीबियों के साथ मेल मुलाकात का मौका मिलेगा। जो भी काम आप करते हैं उसमें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखें क्योंकि इस वर्ष आपको उस मेहनत का पूरा परिणाम प्राप्त होगा और कोई उपलब्धि भी आपके खाते में जुड़ सकती है।

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें– मीन राशि

फिल्म समीक्षा: तानाजी और छपाक

आचार्य
दिपांशु कुशवाह

बॉक्स ऑफिस पर कैसा रहेगा 'तानाजी' का प्रदर्शन ?

रिलीज की तारीख: 10 जनवरी, 2020
रिलीज का समय: 9:00 बजे सुबह
जगह: मुंबई

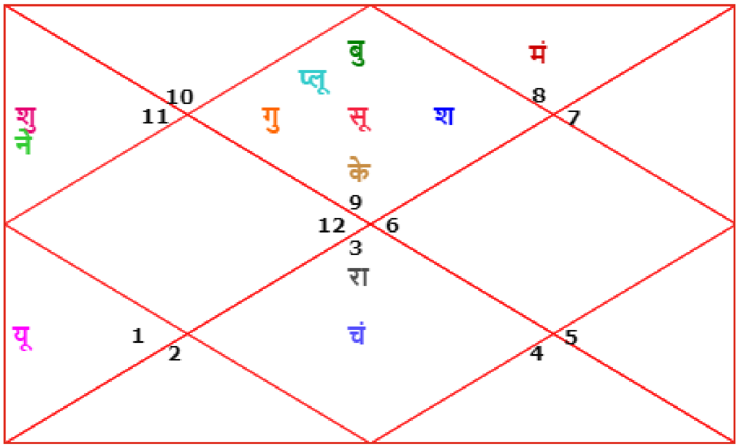

तानाजी मूवी की प्रश्न कुंडली (हमने कुंडली को भाग्य संख्या में घुमाया है राशि यानी 9 – धनु)

नोट – यह गणना वैदिक और अंक ज्योतिष का संयुक्त फल है।

1. नाम ज्योतिष के अनुसार तानाजी: द अनसंग हीरो मूवी का भाग्यांक 9 है।

2. 9 नंबर को वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति द्वारा शासित धनु राशि का अंक माना जाता है। इसका मतलब साफ़ है कि बृहस्पति, मंगल और धनु राशि इस फिल्म की सफलता को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण कारकों के रूप में काम करेगी।

3. उपरोक्त प्रश्न कुंडली के प्रथम भाव में धनु राशि है, जिसमें 5 ग्रह बृहस्पति, शनि, केतु, मंगल और सूर्य मौजूद हैं। इस चिन्ह के स्वामी यानि की बृहस्पति को 4 ग्रहों के साथ रखा गया है जो आपस में एक दूसरे के विरोधी माने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर समझाएं तो, सूर्य का विरोधी शनि है, केतु का विरोधी सूर्य है, और गुरु और बुध एक दूसरे के विरोधी है। ग्रहों की ये दुश्मनी किसी लड़ाई या युद्ध की तरह है और यही (युद्ध) फिल्म का मुख्य कथानक भी है। ऐसे में इस फिल्म का पूरा नाम फिल्म के कथानक के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है।

4. बृहस्पति यानि की धनु राशि के अधिपति को "चंद्रमा" से अभिमंत्रित होने के साथ पहले घर में रखा गया है। जिससे इस पहले घर में, बृहस्पति "गुरु-केतु दोष" का निर्माण कर रहा है, जो कि बृहस्पति के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसे में यह बात निश्चित रूप से ही इस

फिल्म की सफलता में बाधा का कारण बनेगी क्योंकि पहला घर समग्र सफलता को दर्शाता है।

5. मंगल, जिन्हे भाग्य का स्वामी कहा जाता है वो इस प्रश्न कुंडली के बारहवें भाव में स्थित है। यहां, मंगल ग्रह स्वयं अपनी ही राशि में स्थित है और यह बात बारहवें घर को और मजबूत बनाती है। कुंडली का बारहवां घर व्यय का घर माना गया है, और मंगल जो कि पांचवें घर (लाभ) का स्वामी हैं वो व्यय घर में दृढ़ता से स्थित हैं । यह बात साफ़ इस तरफ इशारा करती है कि यह फिल्म अपनी रिलीज के साथ ज्यादा लाभ नहीं कमा पायेगी।

6. मंगल ग्रह को योद्धा (मराठा) के रूप में जाना जाता है और धनु को धनुष-बाण, यानि युद्ध या लड़ाई के साथ घुड़सवार के रूप में दर्शाया जाता है। इसके अलावा, युद्ध के सातवें घर में राहु का होना मुगलों के साथ युद्ध दर्शाता है (क्योंकि ज्योतिष में राहु मुस्लिम को दर्शाता है ।) ये बात फिल्म के नाम को और ज्यादा तार्किक बनाती है।

7. ख़ास बात: यह फिल्म कोंडाना किले को दोबारा जीते जाने के बारे में हैं। किले/मकान चौथे घर से देखे जाते हैं। एक बार फिर चौथे ग्रह का स्वामी बृहस्पति होता है जो राहु-केतु अक्ष के साथ लिप्त है। दूसरी तरफ राहु-केतु अक्ष अंतर-जातीय या अंतर-धर्म से जुड़े मामलों को दर्शाता है। इसके अलावा, मंगल ग्रह घरों (किलों) के लिए प्राकृतिक कारक माना जाता है। इससे इस बात का पता चलता है कि फिल्म के कथानक से फिल्म का नाम कितनी अच्छी तरह जोड़ा गया है।

8. एस्ट्रो-लवर्स के लिए: सूर्य के शाही साम्राज्य में मंगल,भाग्य स्वामी, को योद्धा या सेना नायक के रूप में जाना जाता है (वैदिक ज्योतिष में, सूर्य राजा है और चंद्रमा रानी है)। मराठा साम्राज्य में तानाजी एक महान सैन्य योद्धा हुआ करते थे।

9. कम शब्दों में कहें तो ये फिल्म औसत होगी और एक बार देखने वाली होगी।

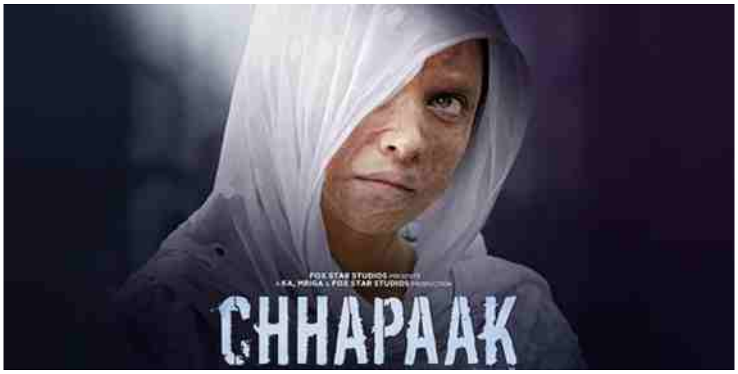

छपाक : फिल्म का ज्योतिषीय विश्लेषण

रिलीज की तारीख: 10 जनवरी, 2020

रिलीज का समय: 9:00 बजे सुबह

जगह: मुंबई

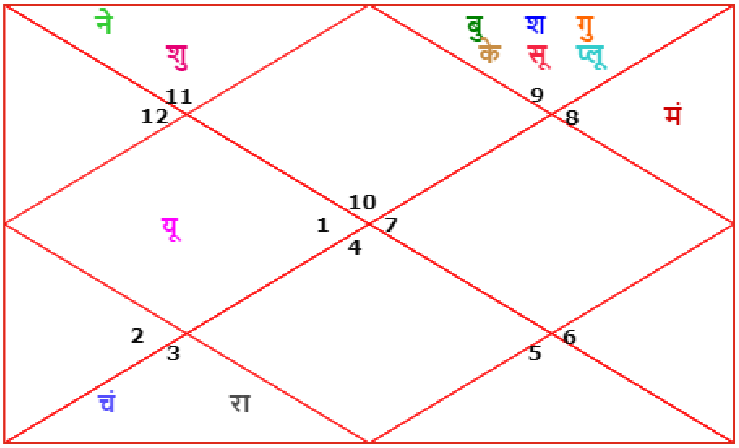

छपाक मूवी की प्रश्न कुंडली

नोट – यह भविष्यवाणी वैदिक ज्योतिष और अंक ज्योतिष (न्यूमरोलॉजी) का संयुक्त परिणाम है।

1. नाम अंक-शास्त्र के अनुसार, फिल्म छपाक का भाग्यांक 8 है।

2. अंक शास्त्र के अनुसार नंबर 8 पर शनि का शासन है। वैदिक ज्योतिष में, यह मंगल ग्रह द्वारा शासित वृश्चिक राशि का अंक है। इसका मतलब है कि शनि, मंगल ग्रह और वृश्चिक राशि इस फिल्म की सफलता निर्धारित करने में महत्वपूर्ण कारक के रूप में काम करेंगे।

3. वृश्चिक राशि उपरोक्त प्रश्न कुंडली के ग्यारहवें घर में स्थित है, जहाँ मंगल, यानि कि इस राशि के शासक पहले से ही स्थित हैं। मंगल ग्रह रसायन, ईर्ष्या, आक्रामकता, इच्छाशक्ति और झगड़े का प्रतिनिधित्व करता है। यह फिल्म एक एसिड अटैक सर्वाइवर लड़की के जीवन पर प्रमुख रूप से केंद्रित है। इसका मतलब है कि यह तारीख फिल्म के लिए एकदम अनुकूल है।

4. वृश्चिक राशि का स्वामी ग्रह मंगल, एकादश भाव में स्थित है और इस पर किसी भी ग्रह की दृष्टि नहीं पड़ रही है। इसलिये एकादश भाव में स्थित मंगल मजबूत स्थिति में है और इसकी दृष्टि द्वितीय, पंचम और षष्ठम भाव पर पड़ रही है। इसका अर्थ है कि यह आमदनी में वृद्धि करेगा (द्वितीय भाव), सफलता दिलाएगा (पंचम भाव) और अपने प्रयासों के लिए कलाकारों की सराहना भी करवाएगा (छठा भाव)

5. भाग्य स्वामी, शनि, प्रश्न कुंडली के बारहवें घर में स्थित हैं। यहाँ ये बात एकदम तटस्थ हो जाती है क्योंकि यह ग्रह मित्र ग्रह बुध और शत्रु ग्रह सूर्य के साथ स्थित है। यह शनि को संतुलित बनाता है।

6. बृहस्पति अपने शनि के साथ अपने स्वयं के भाव में दृढ़ता के साथ स्थित है। यह तीसरे घर का स्वामी है, जो सिनेमाई कला के लिए एक लाभ घर माना गया है। 12 वां घर विदेशी भूमि का घर है और इसी वजह से इस फिल्म की भारत की तुलना में विदेशों से कई अधिक कमाई होगी।

7. ख़ास बात: यहां ध्यान देने वाली एक मुख्य बात है राहु की उपस्थिति – जो कि चंद्रमा के साथ मिथुन राशि और छठे भाव में है यह राहु- चंद्रमा की युति असाधारण कला कौशल को दर्शाती है। इसका मतलब है कि दीपिका पादुकोण को उनकी एक्टिंग और डायलॉग डिलीवरी के लिए काफी सराहा जाएगा।

8. एस्ट्रो लवर्स के लिए : भाग्य स्वामी, शनि कुंडली के 12 वें घर में पुनर्जागरण काल में उग्र चिन्ह "धनु" के साथ स्थित है और यह पानी के ग्रह "चंद्रमा" से प्रेरित है। यह फिल्म एक एसिड अटैक सर्वाइवर के बारे में है जो अपने साथ हुए हादसे के बाद ज़िंदगी में दोबारा उठ कर खड़ी होती है। यह फिल्म की शैली के साथ "छपाक" नाम को काफी अनुकूल बनाता है।

9. संक्षेप में, फिल्म छपाक बॉक्स ऑफ़िस पर काफी अच्छा प्रदर्शन करेगी और दर्शकों, विशेषकर महिलाओं द्वारा ख़ासा पसंद की जाएगी।

अलग-अलग पद्धतियों से जाने साल 2020 में आपके लिए क्या है खास

2020 आते ही लोगों के दिलों में नई आशाएं जागने लगी हैं। नया साल 2020 अपने साथ नई संभावनाओं, लक्ष्यों और उद्देश्यों को लेकर आ रहा है। लोगों के दिमाग में अपने प्रेम जीवन, आर्थिक, करियर, वैवाहिक, पारिवारिक या व्यवसाय, से संबंधित कई प्रश्न होंगे। आपकी इन्हीं सब ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए दुनिया की नंबर एक ज्योतिषीय साइट एस्ट्रोसेज आपके लिए लेकर आया है तमाम सवालों के सटीक जवाब। एस्ट्रोसेज ने अपने पाठकों-दर्शकों के लिए 2020 की महाकवेरज की है यानी ज्योतिष से जुड़ी तमाम पद्धतियों के जरिए 2020 का आकलन किया है।

राशिफल 2020

क्या कहते हैं 2020 में आपके सितारे? कितने सफल हों पाएंगे या करना पड़ेगा चुनौतियों का सामना - चंद्र राशि पर आधारित राशिफल 2020 में जानें जीवन के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से !...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें

लाल किताब राशिफल 2020

जानें, लाल किताब राशिफल 2020 के अनुसार आपके लिए आने वाला समय कैसा रहेगा !...

विस्तार से पढ़ने के लिए क्लिक करें

अंक ज्योतिष 2020 राशिफल

अंक जीवन को आकार देने में कैसे निभाते हैं महत्वपूर्ण भूमिका! जानें 2020 में आपका भाग्यांक आपके बारे में क्या कहता है!

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

भारतीय कैलेंडर 2020: व्रत और त्यौहार

जानें 2020 में भारतीय त्योहारों और उपवासों की सही तारीख और दिन।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रेम राशिफल 2020

क्या 2020 में आपको मिल पाएगा अपना सच्चा प्यार? क्या हो पाएगा आपके प्रेमी से आपका विवाह?

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

करियर राशिफल 2020

करियर राशिफल 2020 के माध्यम से जानें क्या जॉब में होगी वेतन वृद्धि या प्रमोशन? व्यापार में कितना होगा फायदा, कितना होगा नुक्सान!

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

आर्थिक राशिफल 2020

जानें आर्थिक राशिफल 2020 के माध्यम से कि कैसा रहेगा आपका आर्थिक जीवन! क्या पैसों के मामले में भाग्य देगा आपका साथ ?

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

शिक्षा राशिफल 2020

जानें इस साल परीक्षा में मिलेगा मनचाहा परिणाम या नहीं ! शिक्षा राशिफल 2020 के साथ जानें विस्तृत उत्तर।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

स्वास्थ्य राशिफल 2020

2020 में कैसा रहेगा आपका स्वास्थ? क्या बरतनी चाहिए आपको सावधानी? स्वास्थ राशिफल से जानें अपने सेहत के विषय में।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

शेयर बाजार 2020 की भविष्यवाणी

स्टॉक मार्केट में निवेश करने का सबसे अच्छा समय क्या है? शेयर बाजार भविष्यवाणी 2020 में मिलेगी शेयर बाज़ार से जुड़ी हर एक जानकारी।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

युवा राशिफल 2020

साल 2020 देश के युवाओं के जीवन क्या लाएगा बदलाव!

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

वास्तु शास्त्र राशिफल 2020

2020 में वास्तु शास्त्र आपके जीवन को कैसे करेगा प्रभावित, और सकारात्मक परिणाम पाने के लिए क्या किए जाने चाहिए उपाय ! वास्तु राशिफल 2020 आपको देगा अपने सभी सवालों का सटीक जवाब।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

चीनी राशिफल 2020

चीनी ज्योतिष पर आधारित चीनी राशि चक्र मूल के लिए जीवन की भविष्यवाणी यहाँ है!

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

टैरो कार्ड भविष्यवाणी 2020

टैरो कार्ड भविष्यवाणी 2020 में खुलेंगे आपके जीवन के कई छुपे हुए राज़। टैरो रीडिंग 2020 से जानें कैसा रहेगा स्वास्थ, रिश्ते, और करियर!

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

2020 वॉलपेपर

पाएं 2020 के लिए सुंदर और बेहद आकर्षक वॉलपेपर जो आप लगा सकते हैं अपने मोबाइल फोन, डेस्कटॉप या लैपटॉप स्क्रीन पर।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

ग्रहण 2020

चंद्र ग्रहण या सूर्य ग्रहण जैसी खगोलीय घटनाएँ आपकी कुंडली को कैसे प्रभावित करती हैं! उस अवधि के दौरान क्या बदलाव आते हैं, ग्रहण 2020 में मिलेगी आपको इन सबके विषय में जानकारी।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

2020 में भारत का भाग्य

ऊपर दी गयी जानकारी के अलावा, हमने 2020 में राजनीति, धर्म, खेल और अर्थव्यवस्था के मामले में भारत के भाग्य का आकलन किया है। नीचे दिए गए लिंक देखें:

भारत और नव वर्ष 2020: मोदी, राहुल और केजरीवाल का भाग्य और राजनीति

2020 भारतीय राजनीति और इसके प्रमुख नाम जैसे नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी के लिए कैसा रहने वाला है?

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

अगर आप एस्ट्रोसेज की साइट पर जाना चाहते हैं तो यहाँ क्लिक करें

भारत और नया साल 2020: धर्म और क्रिकेट

2020 में भारत के लिए धर्म कितना महत्वपूर्ण रहेगा? साथ ही, क्या भारत 2020 में क्रिकेट कट्टरपंथियों की उम्मीदों पर खरा उतर पाएगा? हम बताएँगे आपको इसका जवाब!

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

भारत और नव वर्ष 2020: भारतीय अर्थव्यवस्था का भाग्य

कैसा रहेगा 2020 में भारतीय अर्थव्यवस्था का भाग्य? एस्ट्रोसेज देगा आपको सटीक जवाब।

विस्तार से पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

शरीर के अलग-अलग अंगों पर तिल का मतलब

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार तिल और भाग्य दोनों साथ-साथ चलते हैं और ये दोनों व्यक्ति के स्वभाव, कर्म और उनके जीवन में होने वाली अच्छी और बुरी घटनाओं की ओर संकेत करते हैं। इसलिए शरीर के विभिन्न अंगों पर तिल का कोई न कोई अर्थ अवश्य होता है। तिल हमारे भविष्य के कई रहस्यों को उजागर करते हैं। शरीर पर कोई तिल छोटा तो कोई बड़ा होता है ये काले और लाल रंग के होते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि तिल हमारे पुनर्जन्म के बारे में बताते हैं। हालांकि इनको लेकर लोगों के भिन्न-भिन्न मत हैं।

तिल और ज्योतिष का संबंध

समुद्र शास्त्र वैदिक ज्योतिष की एक शाखा है जिसमें तिल के महत्व, शक्तियों और उनके प्रभावों के बारे में बताया गया है। इनका असर मनुष्य के व्यक्तित्व, स्वभाव और उनके भाग्योदय पर पड़ता है। हमारे शरीर में ये विभिन्न आकार और रंग रूप के होते हैं। समुद्र विज्ञान में शरीर के अलग-अलग हिस्सों में तिल के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव को बताया गया है। कहा जाता है कि शरीर पर तिल ग्रह की स्थिति और उनके प्रभावों को दर्शाता है।

तिल का स्वरूप

- **आकार के अनुसार**

1. छोटा – कम प्रभावशाली
2. बड़ा – अति शुभ
3. लंबा – शुभ

- **रूप के अनुसार**

1. त्रिकोणीय – मिश्रित परिणाम
2. टेढ़ा-मेढ़ा – शुभ परिणामकारी
3. गोल – शुभ
4. वर्गाकार – अंत तक अप्रत्याशित फल परंतु मुश्किलों को दूर करने वाला

- **रंग के अनुसार**

1.. यदि तिल लाल, हल्का भूरा, चंदन अथवा हरा पन्ना जैसे रंग का हो तो वह भाग्यशाली होता है।

2. काले रंग के तिल को अच्छा नहीं माना जाता है। इसका मतलब होता है कि जीवन में बाधाएं आएँगी।

शरीर पर तिल और उनका मतलब

- **माथे पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति के माथे के बीच में तिल हो तो वह व्यक्ति शांत, बुद्धिमान, परिश्रमी और दिल का साफ होता है।
2. यदि किसी के माथे में दाहिनी ओर तिल हो तो वह व्यक्ति धनवान होता है।
3. यदि माथे में बायीं ओर तिल हो तो वह व्यक्ति स्वार्थी होता है।

- **भौंह पर तिल**

1. भौंह के बीच में तिल होने का मतलब होता है कि उस व्यक्ति के अंदर एक लीडर की विशेषता होगी। उसके जीवन में आर्थिक संपन्नता आएगी।
2. यदि भौंह पर बायीं ओर तिल हो तो व्यक्ति डरपोक होगा और बिज़नेस और नौकरी में उसे कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।
3. वहीं भौंह पर दाहिनी ओर तिल है तो व्यक्ति को वैवाहिक जीवन में ख़ुशियाँ एवं संतान सुख प्राप्त होगा।

- **आँखों पर तिल**

1. यदि किसी की दाहिनी आँख पर तिल का निशान हो तो वह व्यक्ति ईमानदार, मेहनती और विश्वास करने योग्य होता है।
2. बायीं आँख पर तिल का होना व्यक्ति के अंहकार और आशावादी सोच को दर्शाता है।

- **नाक पर तिल**

1. ऐसा माना जाता है कि जिस व्यक्ति की नाक पर (ठीक बीच पर) तिल होता है तो वह क्रोधी और बिना सोचे-समझे निर्णय लेने वाला होता है।
2. यदि किसी की नाक की दाहिनी तरफ तिल हो तो वह व्यक्ति कम मेहनत के बल पर अधिक धन पाने में कामयाब होता है।
3. यदि नाक की बायीं ओर तिल हो तो व्यक्ति को सफलता पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।
4. यदि नाक के नीचे तिल हो तो व्यक्ति कामुक और विपरीत लिंग को आकर्षित करने वाला होगा।

- **गाल पर तिल**

1. जिसके बायें गाल पर तिल हो तो वह व्यक्ति अल्पभाषी, अधिक गुस्से वाला और धन ख़र्च करने वाला होता है।
2. यदि किसी के दायें गाल पर तिल हो तो व्यक्ति का स्वभाव आक्रामक होता है। इसके अलावा वह तर्कवादी और धन कमाने में अग्रणी होता है।

- **कान पर तिल**

1. यदि किसी के कान पर तिल हो तो उसका जीवन भौतिक सुखों से युक्त होता है।
2. यदि कान के ठीक ऊपर तिल हो तो व्यक्ति बुद्धिमान होता है।

- **होंठ पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति के होंठ पर तिल होता है तो उन्हें अपने खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उन्हें मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं।
2. यदि आपके नीचे वाले होंठ पर तिल है तो आप फूडी नेचर के होंगे। इसके अलावा नाटक में आपकी विशेष रुचि होगी।

- **जीभ पर तिल**

1. यदि किसी शख्स की जीभ पर तिल है तो उसे स्वास्थ्य, शिक्षा एवं स्पीच संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।
2. यदि किसी व्यक्ति की जीभ की नोक पर तिल हो तो वह व्यक्ति बहुत कूटनीतिज्ञ होता है। वह परिस्थितियों को काबू करने में सक्षम होता है। वह व्यक्ति अधिक फूडी भी होता है।

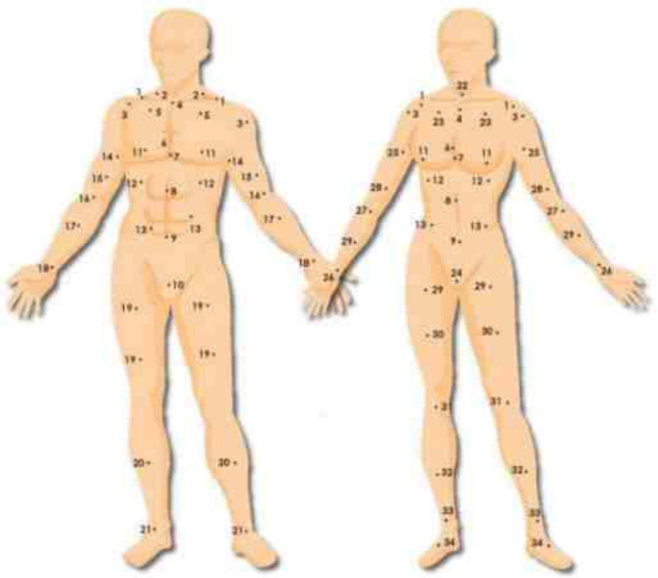

- **ठोड़ी पर तिल**

1. यदि किसी की ठोड़ी के बीच पर तिल होता है तो उस व्यक्ति को यात्रा करना अच्छा लगता है। उसे नई-नई जगहों पर जाना पसंद होता है।
2. यदि किसी की ठोड़ी के दाहिने हिस्से में तिल हो तो वह व्यक्ति तर्कवादी और कूटनीतिक विचारों वाला होता है।
3. वहीं जिस व्यक्ति की ठोड़ी पर बायीं ओर तिल हो तो वह व्यक्ति ईमानदार और स्पष्टवादी होता है।

- **गर्दन पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति की गर्दन पर ठीक सामने तिल हो तो वह भाग्यशाली और कला से निपुण होता है।
2. वहीं गर्दन के पीछे वाले भाग पर तिल का होना व्यक्ति के क्रोधी को स्वभाव को दर्शाता है।

- **कंधे पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति के बायें कंधे पर तिल का निशान हो तो वह व्यक्ति ज़िद्दी स्वभाव का होता है।
2. यदि किसी व्यक्ति के दायें कंधे पर तिल का निशान हो तो वह साहसी और बुद्धिमान होता है।

- **भुजा पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति की दाहिनी भुजा में तिल हो तो वह बुद्धिमान और चालाक होता है।
2. बायीं भुजा में तिल का होना व्यक्ति की भौतिक सुखों की कामना को दर्शाता है लेकिन वास्तव में वह सामान्य जीवन जीता है।

- **कोहनी पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति की कोहनी पर तिल हो तो उसका मतलब होता है कि वह व्यक्ति बेचैन, कला में निपुण, धनी और ट्रैवल लवर होगा।

- **कलाई पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति की कलाई पर तिल होता है तो वह व्यक्ति कलात्मक होता है। उसके मन में नए-नए विचार आते हैं। ऐसे लोग अच्छे पेंटर और लेखक होते हैं।

- **हथेली पर तिल**

1. यदि किसी की हथेली पर तिल का निशान हो तो उस व्यक्ति को कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

- **उंगली पर तिल**

1. ऐसा कहा जाता है कि जिसकी उंगलियों पर तिल का निशान होता है। वह व्यक्ति विश्वासपात्र नहीं होता है। उसे चीज़ों को बढ़ा चढाकर कहने की आदत होती है।

- **पसलियों पर तिल**

1. दाहिनी पसली पर तिल का निशान यह बताता है कि व्यक्ति झूठ बोलने में माहिर और कई चीज़ों से भयभीत होता है।
2. वहीं बायीं पसली पर तिल व्यक्ति के सामान्य जीवन को दर्शाता है।

- **पीठ पर तिल**

1. पीठ पर रीढ़ की हड्डी के आसपास का तिल का होना सक्सेस, फेम और लीडरशिप को बताता है।
2. यदि किसी व्यक्ति के शोल्डर ब्लेड्स के नीचे तिल हो तो उस व्यक्ति को जीवन में संघर्ष करना पड़ेगा।
3. यदि किसी व्यक्ति के शोल्डर ब्लेड्स के ऊपर तिल का निशान हो तो वह व्यक्ति साहस के साथ चुनौतियों का सामना करता है।

- **सीने पर तिल**

1. जिस व्यक्ति के सीने पर तिल का निशान होता है उसकी कामुक प्रवृत्ति तीक्ष्ण होती है।
2. जिन महिलाओं के दाहिने सीने में तिल का निशान होता है तो उनके अंदर ड्रग्स और शराब के अलावा अन्य प्रकार का नशा करने की प्रवृत्ति पायी जाती है। वहीं यदि पुरुष के सीने में दाहिनी ओर तिल हो तो उसे आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।
3. जिन पुरुषों के सीने में बायीं ओर तिल का निशान होता है तो वे चतुर स्वभाव के होते हैं लेकिन दोस्तों और रिश्तेदारों से उनके संबंध अच्छे नहीं रहते हैं। वहीं महिलाओं के बायें सीने में तिल हो तो वे शांत स्वभाव की होती हैं और परिवार, रिश्तेदारों और सहकर्मियों से उनके अच्छे संबंध होते हैं।

- **नाभि पर तिल**

1. जिन महिलाओं की नाभि में अथवा इसके अासपास तिल का निशान होता है तो ऐसी महिलाओं का वैवाहिक जीवन सुखी होता है।
2. किसी पुरुष के नाभि पर बायीं ओर तिल का निशान उसके समृद्ध जीवन को दर्शाता है। उसकी संतान को भी प्रसिद्धि मिलती है।

- **पेट पर तिल**

1. पेट पर तिल का निशान किसी व्यक्ति को हमेशा जोशीला बनाए रखता है।
2. अगर किसी पुरुष के उदर पर दाहिनी ओर तिल हो वह उसके मजबूत आर्थिक पृष्ठभूमि को दिखाता है। वहीं महिलाओं के लिए यह कमज़ोरी को दर्शाता है।
3. यदि पेट पर दाहिनी ओर तिल हो तो आमदनी की सुगमता को दर्शाता है।

नितंब पर तिल

1. जिन लोगों के दोनों नितंब पर तिल हो तो ऐसे व्यक्ति ख़ुशमिजाज़, प्रिय और विश्वास योग्य होते हैं।

2. जिनके दायीं नितंब पर तिल हो तो ऐसे व्यक्ति क्रिएटिव और बुद्धिमान होते हैं।

3. जिन लोगों के बायें नितंब पर तिल होता है तो ऐसे लोग सामान्य आमदनी के बावजूद अपने जीवन से संतुष्ट दिखाई देते हैं।

- **गुप्तांग पर तिल**

जिन लोगों के गुप्तांग पर तिल का निशान होता है ऐसे लोग खुले विचार वाले और ईमानदार होते हैं। इसके अलावा ऐसे लोग अधिक रोमांटिक होते हैं और उनका वैवाहिक जीवन सुखी रहता है। भौतिक सुखों के अभाव के बावजूद भी ये लोग संतुष्ट रहते हैं।

- **जांघ पर तिल**

जिन लोगों की दायीं जंघा पर दिल का निशान हो तो ऐसे लोग मध्यम स्वभावी और निडर होते हैं।

बायीं जांघ पर तिल का निशान किसी व्यक्ति की कलात्मक क्षमता को दर्शाता है लेकिन ऐसे व्यक्ति आलसी और अधिक सामाजिक नहीं होते हैं।

- **घुटने पर तिल**

यदि किसी व्यक्ति के बायें घुटने पर तिल का निशान हो तो ऐसे व्यक्ति साहसी और रिस्क लेने वाले होते हैं। ऐसे लोग एक राजा की तरह अपना जीवन व्यतीत करते हैं।

जिन लोगों के दायें घुटने पर तिल होता है ऐसे लोगों का प्रेमजीवन कामयाब होता है। ऐसे लोग सभी से मित्र जैसा व्यवहार करते हैं।

पिण्डली पर तिल

1. दायीं पिंडली पर तिल का होना अच्छा माना जाता है। ऐसे लोग कामयाब और समृद्धिशाली होते हैं। ऐसे व्यक्ति राजनीति में अधिक सक्रिय होते हैं और महिलाओं के द्वारा इन्हें अधिक सहयोग प्राप्त होता है।

2. बायीं पिण्डली पर तिल वाले व्यक्ति मेहनती होते हैं। उन्हें काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ती है और उनके मित्रों की संख्या अधिक होती है।

- **टाँग पर तिल**

जिन लोगों के टांग पर तिल होता है ऐसे व्यक्ति बिना सोचे समझें कार्य करते हैं। वे परिणाम की चिंता नहीं करते हैं। इसलिए ऐसे लोग अक्सर कंट्रोवर्सी में घिरे रहते हैं।

- **टखने पर तिल**

1. यदि किसी के दायें टखने पर तिल होता है तो ऐसे व्यक्ति संभावित अनुमान लगाने वाले और अधिक बातूनी होते हैं। जबकि बायें टखने पर तिल के निशान वाले लोग अधिक धार्मिक प्रवृत्ति के होते हैं।

- **पैर पर तिल**

1. यदि किसी व्यक्ति के दायें पाँव पर तिल का निशान हो तो ऐसे लोगों को अच्छा जीवनसाथी प्राप्त होता है और उनका पारिवारिक जीवन संतोषजनक रहता है।

2. अगर बायें पैर पर तिल हो तो व्यक्ति को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है और जीवनसाथी से भी उसके मतभेद रहते हैं।

3. यदि तलवे पर तिल हो तो स्वास्थ्य संबंधी परेशानी, दुश्मनों से चुनौती आदि का सामना करना पड़ता है।

- **पैर की उंगलियों पर तिल**

1. यदि किसी के पैर की उंगलियों पर तिल हो तो ऐसे व्यक्तियों का वैवाहिक जीवन सुखी नहीं होता है।

2020 के मुख्य शुभ मुहूर्त

मुहूर्त का मतलब है किसी शुभ और मांगलिक कार्य को शुरू करने के लिए एक निश्चित समय व तिथि का निर्धारण करना। अगर हम सरल शब्दों में इसे परिभाषित करें तो, किसी भी कार्य विशेष के लिए पंचांग के माध्यम से निश्चित की गई समयावधि को 'मुहूर्त' कहा जाता है। हिन्दू धर्म और वैदिक ज्योतिष में बिना मुहूर्त के किसी भी शुभ कार्य की कल्पना नहीं की जा सकती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार हर शुभ कार्य को आरंभ करने का एक निश्चित समय होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि उस समय विशेष में ग्रह और नक्षत्र के प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, अतः इस समय में किये गये निर्विघ्न रूप से संपन्न और सफल होते हैं। हिंदू धर्म में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, अन्नप्राशन और कर्णवेध संस्कार समेत कई मांगलिक कार्य शुभ मुहूर्त में ही किये जाते हैं।

मुहूर्त का महत्व और उपयोगिता

प्राचीन काल से ही हिंदू धर्म में मुहूर्त को महत्व दिया जाता रहा है। मुहूर्त को लेकर किए गए कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि, ग्रह और नक्षत्रों की स्थिति की गणना करके ही मुहूर्त का निर्धारण किया जाता है। इसके अलावा हर महत्वपूर्ण और शुभ कार्य के दौरान यज्ञ और हवन करने की परंपरा है। ऐसी मान्यता है कि यज्ञ व हवन से उठने वाला धुआं वातावरण को शुद्ध करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हिन्दू समाज में लोग आज भी मांगलिक कार्यों के सफलतापूर्वक संपन्न होने की कामना के लिए शुभ घड़ी का इंतज़ार करते हैं।

मुहूर्त को लेकर अलग-अलग तर्क और धारणाओं के बीच, हमें चाहिए कि हम स्वयं जीवन में इसकी प्रासंगिकता और महत्व का अवलोकन करें। मुहूर्त की आवश्यकता क्यों होती है ? दरअसल मुहूर्त एक विचार है, जो इस धारणा का प्रतीक है कि एक तय समय और तिथि पर शुरू होने वाला कार्य शुभ व मंगलकारी होगा और जीवन में खुशहाली लेकर आएगा। ब्रह्मांड में होने वाली खगोलीय घटनाओं का हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ता है। क्योंकि विभिन्न ग्रहों की चाल के फलस्वरूप जीवन में परिवर्तन आते हैं। ये बदलाव हमें अच्छे और बुरे समय का आभास कराते हैं। इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम वार, तिथि और नक्षत्र आदि की गणना करके कोई कार्य आरंभ करें, जो शुभ फल देने वाला साबित हो।

कैसे जानें शुभ मुहूर्त के बारे में?

मुहूर्त के बारे में जानने का एकमात्र साधन है पंचांग। वैदिक ज्योतिष में पंचांग का बड़ा महत्व होता है। पंचांग के 5 अंग; वार, तिथि, नक्षत्र, योग और करण की गणना के आधार पर मुहूर्त निकाला जाता है। इनमें तिथियों को पांच भागों में बांटा गया है। नंदा, भद्रा, जया, रिक्ता, और

के 5 अंग; वार, तिथि, नक्षत्र, योग और करण की गणना के आधार पर मुहूर्त निकाला जाता है। इनमें तिथियों को पांच भागों में बांटा गया है। नंदा, भद्रा, जया, रिक्ता, और पूर्णा तिथि है। उसी प्रकार पक्ष भी दो भागों में विभक्त है; शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष। वहीं नक्षत्र 27 प्रकार के होते हैं। एक दिन में 30 मुहूर्त होते हैं। इनमें सबसे पहले मुहूर्त का नाम रुद्र है जो प्रात:काल 6 बजे से शुरु होता है। इसके बाद क्रमशः हर 48 मिनट के अंतराल पर आहि, मित्र, पितृ, वसु, वराह, विश्वेदवा, विधि आदि होते हैं। इसके अलावा चंद्रमा और सूर्य के निरायण और अक्षांश को 27 भागों में बांटकर योग की गणना की जाती है।

नामकरण संस्कार- संक्रांति के दिन और भद्रा को छोड़कर 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 12, 13 तिथियों में, जन्मकाल से ग्यारहवें या बारहवें दिन, सोमवार, बुधवार अथवा शुक्रवार को तथा जिस दिन अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, हस्त, चित्रा, अनुराधा, तीनों उत्तरा, अभिजित, पुष्य, स्वाति, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा इनमें से किसी नक्षत्र में चंद्रमा हो, तब बच्चे का नामकरण करना चाहिए।

मुण्डन संस्कार- जन्मकाल से अथवा गर्भाधान काल से तीसरे अथवा सातवें वर्ष में, चैत्र को छोड़कर उत्तरायण सूर्य में, सोमवार, बुधवार, बृहस्पतिवार अथवा शुक्रवार को ज्येष्ठा, मृगशिरा, चित्रा, स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पुनर्वसु, अश्विनी, अभिजित व पुष्य नक्षत्रों में, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 13 तिथियों में बच्चे का मुंडन संस्कार करना चाहिए।

विद्या आरंभ संस्कार- उत्तरायण में (कुंभ का सूर्य छोड़कर) बुध, बृहस्पतिवार, शुक्रवार या रविवार को, 2, 3, 5,6, 10, 11, 12 तिथियों में पुनर्वसु, हस्त, चित्रा, स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, मूल, तीनों उत्तरा, रोहिणी, मूल, पूष्य, अनुराधा, आश्लेषा, रेवती, अश्विनी नक्षत्रों में विद्या प्रारंभ करना शुभ होता है।

मकान खरीदने के लिए- बना हुआ मकान खरीदने के लिए मृगशिरा, अश्लेषा, मघा, विशाखा, मूल, पुनर्वसु एवं रेवती नक्षत्र उत्तम हैं।

पैसों के लेन-देन के लिए- मंगलवार, संक्रांति दिन, हस्त नक्षत्र वाले दिन रविवार को ऋण लेने पर ऋण से कभी मुक्ति नहीं मिलती। मंगलवार को ऋण वापस करना अच्छा है। बुधवार को धन नहीं देना चाहिए। कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, आश्लेषा, उत्तरा तीनों, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल नक्षत्रों में, भद्रा, अमावस्या में गया धन, फिर वापस नहीं मिलता बल्कि विवाद बढ़ जाता है।

ध्यान रखें: रोजमर्रा के कार्यों को करने के लिए कोई मुहूर्त नहीं निकाला जाता है, लेकिन विशेष कर्म व कार्यो की सफलता हेतु मुहूर्त निकलवाना चाहिए ताकि शुभ घड़ियों का लाभ मिल सके।

विशेष अवसरों पर शुभ मुहूर्त का महत्व

शुभ मुहूर्त किसी भी मांगलिक कार्य को शुरु करने का वह शुभ समय होता है जिसमें सभी ग्रह और नक्षत्र उत्तम परिणाम देने वाले होते हैं। हमारे जीवन में कई शुभ और मांगलिक अवसर आते हैं। इन अवसरों पर हमारी कोशिश रहती है कि ये अवसर और भी भव्य व बिना किसी रुकावट के शांतिपूर्वक संपन्न हों। ऐसे में हम इन कार्यों की शुरुआत से पूर्व शुभ मुहूर्त के लिए ज्योतिषी की सलाह लेते हैं। लेकिन विवाह ,मुंडन और गृह प्रवेश समेत जैसे खास समारोह पर मुहूर्त का महत्व और भी बढ़ जाता है। विवाह जीवन भर साथ निभाने का एक अहम बंधन है इसलिए इस अवसर को शुभ बनाने के लिए हर परिवार शुभ घड़ी का इंतज़ार करता है ताकि उनके बच्चों के जीवन में सदैव खुशहाली बनी रहे। इसके अलावा कई अवसर जैसे गृह प्रवेश, प्रॉपर्टी और वाहन खरीदी जैसे कई कामों में भी शुभ मुहूर्त देखने की परंपरा है।

मुहूर्त से संबंधित सावधानियां

शुभ मुहूर्त में किये गये कार्य सफलतापूर्वक संपन्न होते हैं लेकिन अगर मुहूर्त को लेकर कोई चूक हो जाती है तो परिणाम इसके विपरीत भी आ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि सही मुहूर्त का चयन किया जाये। आजकल कई टीवी, इंटरनेट और समाचार पत्र में कई तीज, त्यौहार और व्रत से जुड़े मुहूर्त का उल्लेख होता है लेकिन फिर भी भ्रम की स्थिति से बचने के लिए एक बार ज्योतिषी से ज़रूर संपर्क करें। खासकर विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश आदि कार्यों के लिए बिना ज्योतिषी की सलाह के आगे नहीं बढ़ें। क्योंकि शुभ मुहूर्त पर शुरु किया गया हर कार्य जीवन में सफलता, सुख-समृद्धि और खुशहाली लेकर आता है।

जानें साल के शुभ मुहूर्त:

आज का राहुकाल	होरा	सूर्योदय/ सूर्यास्त
चौघड़िया	अभिजित मुहूर्त	दो घटी मुहूर्त
उदय लग्न	गौरी पंचांगम्	गुरु पुष्य योग
रवि पुष्य योग	अमृत सिद्धि योग	सर्वार्थ सिद्धि योग
विवाह मुहूर्त 2020	गृह प्रवेश मुहूर्त 2020	अन्नप्राशन मुहूर्त 2020
मुंडन मुहूर्त 2020	कर्णवेध मुहूर्त 2020	विद्यारंभ मुहूर्त 2020
नामकरण मुहूर्त 2020		

स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं अरोमा थेरेपी

दीप्ति जैन

जीवन सुख का संसार है। ईश्वर की कृपा से आज हम आधुनिकता के उस मुकाम पर पहुंच चुके हैं, जहां आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने ऐसे-ऐसे अविष्कार किये हैं जो आश्चर्यचकित करने वाले हैं। इससे व्यक्ति की औसत आयु तो बढ़ी है किंतु समाज अभी भी रोगी है।

ज्यादातर बीमारियों की वजह है मानसिक तनाव

डॉक्टर्स भी मानते हैं कि इनफेक्शन, एजिंग और एक्सीडेंट को छोड़कर सभी बीमारियां मानसिक दबाव व तनाव का ही नतीजा है। आज के समय में बड़े क्या छोटे-छोटे बच्चे भी तनावग्रस्त रहते हैं। परफॉर्मेंस ,लुक्स, कंपटीशन और स्टेटस की होड़ में हम स्वयं को दुखी रखते हैं । पहले के समय में हर कोई अपना अच्छा बुरा अनुभव परिवार व मित्रों के साथ साझा करते था व तनाव मुक्त रहता था। किंतु आधुनिक काल में शिष्टाचार मिथ्याचार बन गया है जिसके चलते झूठ का आडंबर, जो अपने चारों ओर फैला हुआ है हमारी घुटन का ही कारण बन गया है। हम अपनी बात किसी से शेयर नहीं करते। बढते प्रेशर का एक भौतिक कारण भौतिक समृद्धि का प्रदर्शन भी है। बड़ी-बड़ी गाड़ियां, मोबाइल फोन, महंगे स्कूलों पर खर्चा हमारा खानपान, प्रेशर बना रहा है। जिसके चलते ही आजकल मियां बीवी दोनों ही काम करते हैं, किंतु हर समय ओवरलोडेड रहते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि एसिडिटी, कब्ज ही नहीं हार्ट डिजीज व डायबिटीज जैसी बीमारियां भी मानसिक दबाव के कारण हैं। यह स्थिति सिर्फ भारत ही नहीं अपितु पूरी दुनिया ही झेल रही है।

आधुनिक चिकित्सा का प्रमुख अंग है अरोमा थेरेपी

आज हम मान चुके हैं कि दवाइयों के इलावा ड्रग्लेस हीलिंग भी बहुत आवश्यक है। जिसके चलते हम अपनी समस्याओं का इलाज घर बैठे बिना शोर मचाए कर सकते हैं। आधुनिक वैकल्पिक चिकित्सा का मुख्य अंग है अरोमा थेरेपी। यानी की खुशबू द्वारा इलाज।

इस प्रकार के व्यक्ति होते हैं मानसिक तनाव के शिकार

पहले - मुख्य रूप से तनाव के शिकार दो प्रकार के व्यक्ति होते हैं। एक जिसमें अग्नि तत्व की प्रधानता होती है। ऐसा व्यक्ति एंबिशियस , कठोर, निरंतर परिश्रम करने वाला, अनुशासित और नेतृत्व क्षमता से युक्त होते हैं। यहां तक तो ठीक है लेकिन जब ऐसा व्यक्ति सामने वाले से भी ऐसी उम्मीद रखता है तो वह एक तानाशाह, क्रोधी व मीन मेक निकालने वाला तथा दूसरों पर हावी रहता है । जिसके चलते आसपास के लोग उससे घबराकर तनाव युक्त हो जाते हैं। इस समस्या का अरोमा थेरेपी में बड़ा ही सहज उपचार है। अगर ऐसे व्यक्ति के केबिन में आकाश तत्व बढ़ाने वाला अरोमा डिस्पैन्सर लगाया जाए तो धीरे-धीरे करके शांति से उनको क्रोध व तनाव से मुक्त किया जा सकता है ।

दूसरे – दूसरे प्रकार के व्यक्ति होते हैं जो कि जल तत्व से प्रभावित होते हैं। उनमें कलात्मक रुचि होती है और वह कोमल स्वभाव के होते हैं। किसी के द्वारा आलोचना की जाने पर तनावग्रस्त होकर अवसाद का शिकार हो जाते हैं। उनके अंदर इमोशनल वेस्ट होना, पुरानी बातों को याद करके रोते रहना उनकी समस्या का मूल कारण होता है। ऐसे लोग अगर नॉर्मल परफ्यूम को अरोमा थेरेपी वाले बॉडी स्प्रे से रिप्लेस करें तो इस समस्या से उभरने में उनको सहायता मिलेगी। इस क्षेत्र में हम अरोमा कैंडल्स का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

इन समस्याओं से भी निजात दिलाता है अरोमा थेरेपी

आज हम समाज में रहते हैं और हमें सभी प्रकार के लोगों से इंटरेक्शन करना पड़ता है। आज के समय में प्रतिस्पर्धा कंपटीशन इतना बढ़ गया है कि सामने वाले के अचीवमेंट को देख ऊपर से तो मुबारकबाद देते हैं किंतु अंदर ही अंदर से द्वेष रखते हैं। जिसको नज़र का भी नाम दिया जा सकता है। विभिन्न अरोमा का प्रयोग ओरल या लोकल करने से की औरा प्रोटेक्शन देकर सामने वाले के थॉट प्रोसेस (नकारात्मक विचारों) से अपने आप को सुरक्षित किया जा सकता है।

बड़ी-बड़ी बिजनेस मीटिंग, शादी , ब्याह जैसे समारोह की तैयारियां हम बहुत जोर शोर से करते हैं। किंतु वहां पर आने वाला एक व्यक्ति भी पूरे एनवायरनमेंट (वातावरण) को दूषित कर सकता है। इतने समय की मेहनत उसके कुछ नकारात्मक भावों से नष्ट हो सकती हैं। ऐसी जगह पर हम सामंजस्य व संतुलन बनाने के लिए उपयुक्त अरोमा डिस्पेंसर लगा सकते हैं। ऐसी अनेकों समस्याएं हैं जोकि मानसिक विषमता की वजह से उत्पन्न होती हैं। उन सभी समस्याओं पर अरोमा थेरेपी के विभिन्न अरोमा कांबिनेशंस के प्रयोग से समस्याओं को सुलझाया जा

एस्ट्रोसेज पत्रिका में विज्ञापन
देने के लिए सम्पर्क करें
9810881743, 9560670006

बसंत पंचमी

29
जनवरी, 2020 (बुधवार)

बसंत पंचमी माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाई जाती है। आज ही के दिन से भारत में वसंत ऋतु का आरम्भ होता है। इस दिन सरस्वती पूजा भी की जाती है। बसंत पंचमी की पूजा सूर्योदय के बाद और दिन के मध्य भाग से पहले की जाती है। इस समय को पूर्वाह्न भी कहा जाता है।

यदि पंचमी तिथि दिन के मध्य के बाद शुरू हो रही है तो ऐसी स्थिति में वसंत पंचमी की पूजा अगले दिन की जाएगी। हालाँकि यह पूजा अगले दिन उसी स्थिति में होगी जब तिथि का प्रारंभ पहले दिन के मध्य से पहले नहीं हो रहा हो; यानि कि पंचमी तिथि पूर्वाह्नव्यापिनी न हो। बाक़ी सभी परिस्थितियों में पूजा पहले दिन ही होगी। इसी वजह से कभी-कभी पंचांग के अनुसार बसन्त पंचमी चतुर्थी तिथि को भी पड़ जाती है।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार आज के दिन देवी रति और भगवान कामदेव की षोडशोपचार पूजा करने का भी विधान है।

षोडशोपचार पूजा संकल्प

ॐ विष्णुः विष्णुः विष्णुः, अद्य ब्रह्मणो वयसः परार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे, अमुकनामसंवत्सरे माघशुक्लपञ्चम्याम् अमुकवासरे अमुकगोत्रः अमुकनामाहं सकलपाप - क्षयपूर्वक - श्रुति - स्मृत्युक्ताखिल - पुण्यफलोपलब्धये सौभाग्य - सुस्वास्थ्यलाभाय अविहित - काम - रति - प्रवृत्तिरोधाय मम पत्यौ/पत्न्यां आजीवन - नवनवानुरागाय रति - कामदम्पती षोडशोपचारैः पूजयिष्ये।

यदि बसन्त पंचमी के दिन पति-पत्नी भगवान कामदेव और देवी रति की पूजा षोडशोपचार करते हैं तो उनकी वैवाहिक जीवन में अपार ख़ुशियाँ आती हैं और रिश्ते मज़बूत होते हैं।

रति और कामदेव का ध्यान

ॐ वारणे मदनं बाण - पाशांकुशशरासनान्।
धारयन्तं जपारक्तं ध्यायेद्रक्त - विभूषणम्।।
सव्येन पतिमाश्लिष्य वामेनोत्पल - धारिणीम्।
पाणिना रमणांकस्थां रतिं सम्यग् विचिन्तयेत्।।

सरस्वती पूजा

आज के दिन साहित्य, शिक्षा, कला इत्यादि के क्षेत्र से जुड़े लोग विद्या की देवी सरस्वती की पूजा-आराधना करते हैं।

या कुंदेंदु-तुषार-हार-धवला, या शुभ्रा - वस्त्रावृता,
या वीणा - वार - दण्ड - मंडित - करा, या श्वेत - पासना।
या ब्रह्माच्युत - शङ्कर - प्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दित,
सा मां पातु सरस्वती भगवती निः शेष - जाड्यापहा।।

उपर्युक्त श्लोक का अर्थ है कि जो देवी कुन्द के फूल, चन्द्रमा, हिमराशि और मोतियों के हार की तरह श्वेत वर्ण वाली है तथा जो श्वेत वस्त्र धारण करती है; जिनके हाथ में वीणा-दण्ड शोभा पा रहा है व जो श्वेत कमल पर विजारमान हैं; ब्रह्मा-विष्णु-शिव आदि देवताओं द्वारा जो हमेशा पूजित हैं तथा जो संपूर्ण जड़ता व अज्ञान को दूर करने वाली है; ऐसी हे माँ सरस्वती! आप हमारी रक्षा करें।

सरस्वती-लक्ष्मी-पार्वती की त्रिमूर्ति में से एक देवी सरस्वाती शुद्ध बुद्धि और ज्ञान देने वाली हैं। शास्त्रों के अनुसार वे भगवान ब्रह्मा की अर्धांगिनी हैं और इसीलिए ब्रह्मा को वागीश (वाक् या वाणी का स्वामी) भी कहा जाता है।

बसंत पंचमी मुहूर्त्त New Delhi, India के लिए

पूजा मुहूर्त : 10:47:38 से 12:34:27 तक
अवधि : 1 घंटे 46 मिनट

मिथ नहीं है एस्ट्रोलॉजी : RJ लकी

रेडियो की अपनी अलग दुनिया है। अपने सितारे हैं। इन्हीं सितारों में एक है RJ लकी। आरजे लकी दिल्ली एफएम की दुनिया में तो जाना-पहचाना नाम हैं ही, देश की रेडियो इंडस्ट्री में भी इनकी अपने अलग अंदाज के लिए खास पहचान है। आरजे लकी एफएम पर एंकरिंग करते हैं तो कई बड़ी हस्तियों की शानदार मिमिक्री भी करते हैं। रेडियो के रास्ते टेलीविजन पर भी आरजे लकी यदा-कदा कॉमेडी शो करते हुए दिखते हैं।

आरजे लकी का असली नाम है नितिन और नितिन लकी कैसे बन गए, पहले इसकी कहानी समझिए। नीतिन आरजे बनने से पहले बाकायदा इंजीनियर थे। एक इंजीनियर रेडियो जॉकी कैसे बना ? ये पूछने पर लकी बताते हैं कि उन्होंने अपने पैशन को प्रोफेशन बनाना सही लगा, इसलिए अपनी इंजीनियरिंग और जॉब छोड़ कर रेडियो जॉकी बन गए. लोगों से संवाद का अपना मज़ा है और लकी इस मजे को जीना चाहते थे।

लकी फिलहाल फीवर 104 एफएम में कॉमेडी की दुकान चलाते हैं। वह एफएम के उन सितारों में हैं, जिनका शो सुनने के लिए लोग तय वक्त पर ट्यूनइन करते हैं।

लेकिन एक इंजीनियर अगर रेडियो जॉकी बनता है,तो क्या इसका अर्थ है कि सितारों में ऐसा लिखा था ? लकी कहते हैं कि “मैं ज्योतिषियों के पास नहीं जाता। लेकिन मैं मानता हूं कि ज्योतिष मिथ नहीं, विज्ञान है। और सितारे इंसान के जीवन को प्रभावित करते हैं।”

लकी ये भी कहते हैं, “मुझे लगता है कि ज्योतिष के सही इस्तेमाल से कई समस्याएं सुलझ सकती हैं। मैं तो मानता हूं कि रत्नों का पहनना भी अंधविश्वास नहीं। इसका जीता जागता उदाहरण एकता कपूर हैं। एकता की ज्योतिष में श्रद्धा है, वे इस विज्ञान का लाभ उठाती हैं और मैं इस मामले में उनकी तारीफ करता हूं।”.

आरजे के रुप में लकी अब जाना पहचाना नाम है, लेकिन यही बड़ा नाम क्या बड़ी जिम्मेदारी भी लाता है? लकी कहते हैं-बिलकुल। वो कहते हैं- “हंसने हंसाने से ज्यादा बड़ा काम है जिम्मेदारी उठाना, जिम्मेदारी समाज के प्रति।”

गौरतलब है कि एक मशहूर कैंपेन के तहत लकी भारत के ऐसे पॉसिटिव लोगों को भीड़ से निकाल कर सामने लाते हैं, जो सोसाइटी के लिए मदद का हाथ बढ़ाते हों। वो चाय

बेचकर किसी की निःस्वार्थ मदद करना हो या एसिड पीड़ितों की मदद के लिए हेल्पलाइन चलानी हो, सब में खुलकर मदद करते हैं। लकी कहते हैं, " हम रेडियो जॉकी की आवाज में जादू भले हो सकता है पर मजा तो तब है जब हमारी उठाई आवाज में भी जादू हो> अगर हम इव टीजिंग के खिलाफ वीडियो चला रहे हों तो इव टीजिंग ख्त्म ही हो जाए। ऐसा जादू चाहते हैं हम सारे रेडियो जॉकी अपनी आवाज़ में।"

आमीन !!

प्रस्तुतिः ज्योति ठाकुर

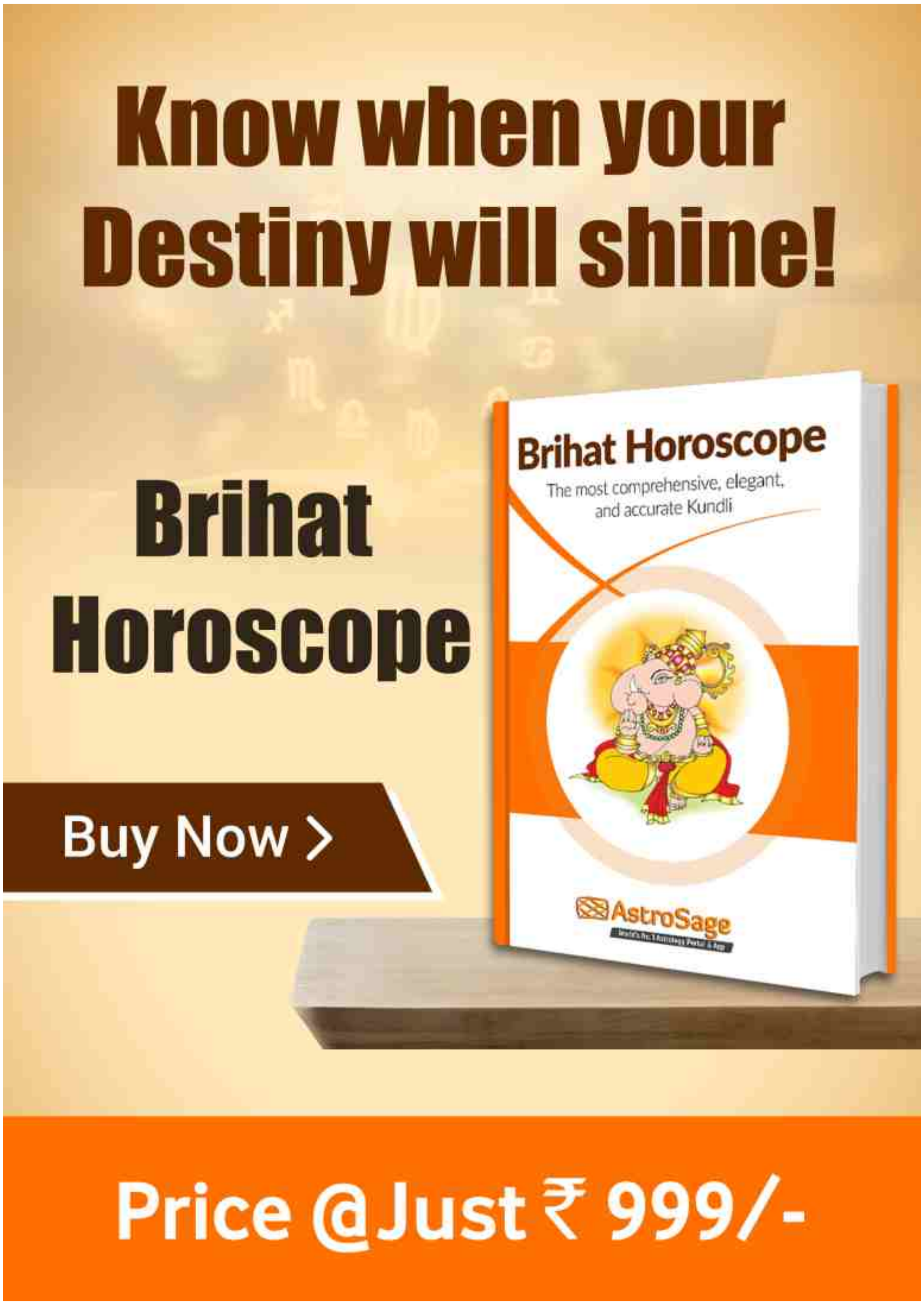

ज्योतिष सीखें भाग-4

पुनीत पाण्डे

इस बार हम जानेंगे की कुण्डली में ग्रह एवं राशि इत्यादि को कैसे दर्शाया जाता है। साथ ही लग्न एवं अन्य भावों के बारे में भी जानेंगे। कुण्डली को जन्म समय के ग्रहों की स्थिति की तस्वीर कहा जा सकता है। कुण्डली को देखकर यह पता लगाया जा सकता है कि जन्म समय में विभिन्न ग्रह आकाश में कहां स्थित थे। भारत में विभिन्न प्रान्तों में कुण्डली को चित्रित करने का अलग अलग तरीका है। मुख्यत: कुण्डली को उत्तर भारत, दक्षिण भारत या बंगाल में अलग अलग तरीके से दिखाया जाता है।यहाँ हम सिर्फ उत्तर भारतीय तरीके की चर्चा करेंगे।

कुण्डली से ग्रहों की राशि में स्थिति एवं ग्रहों की भावों में स्थिति पता चलती है। ग्रह एवं राशि की चर्चा हम पहले ही कर चुके हैं और भाव की चर्चा हम आगे करेंगे। उत्तर भारत की कुण्डली में लग्न राशि पहले स्थान में लिखी जाती है तथा फिर दाएं से बाएं राशियों की संख्या को स्थापित कर लेते हैं। अर्थात राशि स्थापना (anti-clock wise) होती हैं तथा राशि का सूचक अंक ही अनिवार्य रूप से स्थानों में भरा जाता है। एक उदाहरण कुण्डली से इसे समझते हैं।

भाव

थोडी देर के लिए सारे अंको और ग्रहों के नाम भूल जाते हैं। हमें कुण्डली में बारह खाने दिखेंगे, जिसमें से आठ त्रिकोणाकार एवं चार आयताकार हैं। चार आयतों में से सबसे ऊपर वाला आयत लग्न या प्रथम भाव कहलाता है। उदाहरण कुण्डली में इसमें रंग भरा गया है। लग्न की स्थिति कुण्डली में सदैव निश्चित है। लग्न से एन्टी क्लॉक वाइज जब गिनना शुरु करें जो अगला खाना द्वितीय भाव कहलाजा है। उससे अगला खाना तृतीय भाव कहलाता है और इसी तरह आगे की गिनती करते हैं। साधारण बोलचाल में भाव को घर या खाना भी कह देते हैं। अंग्रेजी में भाव को हाउस एवं लग्न को असेन्डेन्ट कहते हैं।

भावेश

कुण्डली में जो अंक लिखे हैं वो राशि बताते हैं। उदाहरण कुण्डली में लग्न के अन्दर 11 नम्बर लिखा है अत: कहा जा सकता है की लग्न या प्रथम भाव में ग्यारह अर्थात कुम्भ राशि पड़ी है। इसी तरह द्वितीय भाव में बारहवीं अर्थात मीन राशि पड़ी है। हम पहले से ही जानते हैं कि कुम्भ का स्वामी ग्रह शनि एवं मीन का स्वामी ग्रह गुरु है। अत: ज्योतिषीय भाषा में हम कहेंगे कि प्रभम भाव का स्वामी शनि है (क्योंकि पहले घर में 11 लिखा हुआ है)। भाव के स्वामी को भावेश भी कहते हैं।

प्रथम भाव के स्वामी को प्रथमेश या लग्नेश भी कहते हैं। इसी प्रकार द्वितीय भाव के स्वामी को द्वितीयेश, तृतीय भाव के स्वामी को तृतीयेश इत्यादि कहते हैं।

अगर आप एस्ट्रोसेज की साइट पर जाना चाहते हैं तो यहाँ क्लिक करें

ग्रहों की भावगत स्थिति

उदाहरण कुण्डली में उपर वाले आयत से एन्टी क्लॉक वाइज गिने तो शुक्र एवं राहु वाले खाने तक पहुंचने तक हम पांच गिन लेंगे। अतः हम कहेंगे की राहु एवं शुक्र पांचवे भाव में स्थित हैं। इसी प्रकार चंद्र एवं मंगल छठे, शनि - सूर्य-बुध सातवें, और गुरु-केतु ग्यारवें भाव में स्थित हैं। यही ग्रहो की भाव स्थिति है।

ग्रहों की राशिगत स्थिति

ग्रहों की राशिगत स्थिति जानना आसान है। जिस ग्रह के खाने में जो अंक लिखा होता है, वही उसकी राशिगत स्थिति होती है। उदाहरण कुण्डली में शुक्र एवं राहु के आगे 3 लिखा है अत: शुक्र एवं राहु 3 अर्थात मिथुन राशि में स्थित हैं। इसी प्रकार चद्र एवं मंगल के आगे चार लिखा है अत: वे कर्क राशि में स्थित हैं जो कि राशिचक्र की चौथी राशि है।

AstroSage
World's No. 1 Astrology Portal & App

ज्योतिषी से प्रश्न पूछें

- के.पी. सिस्टम
- लाल किताब
- नाड़ी ज्योतिष
- ताजिक ज्योतिष

अभी पूछें »

स्पेशल कीमत:-

₹299/-

संपर्क करें
+91-7827224358,
+91-9354263856
Email:- sales@ojassoft.com
www.astrosage.com